खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 20 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-108

अनुच्छेद 142 की सुविधाजनक व्याख्या कर धौंस दिखा रहा सुप्रीम कोर्ट

स्तर लोकसभा अध्यक्ष बराबर, हेंकड़ी राष्ट्रपति से ऊपर!

संवैधानिक दृष्टि से सुप्रीम कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश लोकसभा अध्यक्ष के समतुल्य होता है। फिर वह राष्ट्रपति के शीर्ष आसन पर रौब कैसे गांठ सकता है? भारत के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तीखी प्रतिक्रिया आने के बाद यह संवैधानिक सवाल सुप्रीम कोर्ट के समक्ष खड़ा हो गया है। तमिलनाडु के प्रसंग में फैसला सुनाते हुए अति उत्साह में आए सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीशों जेबी पारदीवाला और आर महादेवन ने राष्ट्रपति को अपने आदेश में समेटा और उन्हें भी निर्देश दे डाला। दोनों न्यायाधीश अपना फैसला सुनाते समय यह भूल गए कि वे संवैधानिक वरिष्ठता के क्रम में कहीं नहीं आते। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी लोकसभा अध्यक्ष के बराबर ही आते हैं। अब प्रश्न सामने है कि न्यायाधीश के आसन की मर्यादा का पालन नहीं करने और सर्वोच्च संवैधानिक आसन पर उंगली उठाने का अपराध करने के मामले में दोनों न्यायाधीशों के खिलाफ क्या कार्रवाई हो? ताकि देश के आम लोगों के मन से कानून के पालन का विरोधाभास दूर हो। दूसरा सवाल यह भी खड़ा हो गया है कि जो कानून संसद के दोनों सदनों से पारित हो, उसकी सुनवाई करने की न्यायिक सक्रियता (ज्यूडिशियल एक्टिविज्म) के सार्वजनिक फूहड़ प्रदर्शन की क्या जरूरत थी? और इस अपराध की क्या सजा तय हो? सुप्रीम कोर्ट जिस तरह पिछले कुछ वर्षों से संविदान के अनुच्छेद 142 की अपनी सुविधाजनक व्याख्या के बल पर अतिरंजित रौब गांठ रहा था, उपराष्ट्रपति ने उसकी असलियत पूरे देश के समक्ष ला दी है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गंभीर आपत्ति जताते हुए कहा है कि संविधान का अनुच्छेद 142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। राष्ट्रपति के शीर्ष आसन तक को निर्देश देने की धृष्टता की जा रही है। देश कहां जा रहा है? देश में यह क्या हो रहा है? हमने लोकतंत्र के लिए इस दिन की कभी उम्मीद नहीं की थी। हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, कार्यकारी कार्य करेंगे, सुपर-संसद के रूप में कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है?

वरीयता क्रम में छठे नंबर पर आते हैं मुख्य न्यायाधीश

फिर दूसरे दो जजों ने राष्ट्रपति को कैसे दे दिया आदेश

संविधान के अनुच्छेद 142 में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और डिक्री देने के अधिकार और उसे लागू करने आदि से संबंधित है। अनुच्छेद 142 का उपबंध-1 सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार देता है कि उसके पास आए किसी भी मामले में वह न्याय के लिए डिक्री या आदेश पारित कर सकेगा। इसके उपबंध-2 में कहा गया है कि इस संबंध में संसद द्वारा बनाए गए किसी कानून के अधीन रहते हुए सुप्रीम कोर्ट पूरे भारत के किसी भी क्षेत्र के किसी व्यक्ति को हाजिर होने, दस्तावेज प्रस्तुत करने, अवमानना की जांच करने या दंड देने का समस्त अधिकार उसके पास होगा। इस तरह अनुच्छेद 142 में स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट को संसद द्वारा पारित कानून के दायरे में ही काम करना है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते, जहां सुप्रीम कोर्ट भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दे। वह भी किसी संवैधानिक आधार और अधिकार के बगैर? संविधान के तहत सुप्रीम कोर्ट के पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145 (3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। अनुच्छेद 145 (3) के अनुसार किसी महत्वपूर्ण संवैधानिक मुद्दे पर ▶10पर

राष्ट्रपति के शीर्ष आसन की अवमानना की सजा तय हो

संसद के दोनों सदनों से पास बिल की सुनवाई भी गलत

हिंद महासागर क्षेत्र में स्थापित हो रहा भारत का वर्चस्व

श्रीलंका ने रद्द किया पाकिस्तान के साथ नौसैनिक अभ्यास

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का वर्चस्व स्थापित हो रहा है। भारत के कहने पर श्रीलंका ने पाकिस्तान के साथ हिंद महासागर क्षेत्र में होने वाला नौसैनिक अभ्यास रद्द कर दिया है। यह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में भारत के असरकारक प्रभाव की स्थापना है। इसे चीन को तगड़ा झटका देने वाला फैसला भी माना जा रहा है। श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच नौसैनिक अभ्यास श्रीलंका के त्रिंकोमाली तट पर किया जाना था। भारत ने पाकिस्तानी नौसेना के चीन की पीएलए नौसेना के साथ घनिष्ठ सहयोग और त्रिंकोमाली में पाकिस्तानी युद्धपोतों की यात्रा को लेकर श्रीलंका के समक्ष चिंता साझा की थी। त्रिंकोमाली श्रीलंका के उत्तर पूर्वी तट पर स्थित है और इसे भारत के समुद्री सुरक्षा हितों के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है।

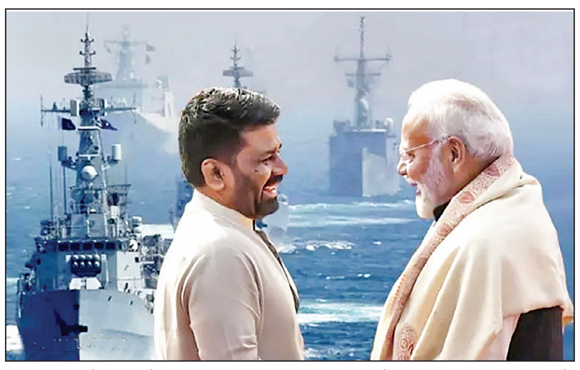

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार अप्रैल को श्रीलंका की यात्रा के दौरान भारत की वित्तीय सहायता से तैयार हुई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया था। पीएम मोदी की इस यात्रा से पहले श्रीलंका और पाकिस्तान की नौसेनाओं ने अपनी नियमित गतिविधियों के अनुरूप त्रिंकोमाली के तट पर अभ्यास करने की योजना बनाई थी। इसकी जानकारी मिलने पर भारत ने प्रस्तावित अभ्यास पर श्रीलंका के सामने अपनी आपत्ति रखी थी। भारत का कहना था कि पाकिस्तान और श्रीलंका की नौसेनाओं के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध हैं और दोनों देशों के युद्धपोत युद्धाभ्यास के अलावा नियमित रूप से एक-दूसरे के बंदरगाहों पर जाते हैं।

श्रीलंका की तरह नेपाल को भी कर्ज-जाल में फंसा रहा चीन

भारत ने इस बात पर भी चिंता जताई थी कि अगस्त 2022 में हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी मिसाइल और उपग्रह ट्रैकिंग जहाज युआन वांग की डॉकिंग ने श्रीलंका के साथ कूटनीतिक विवाद को जन्म दिया था। इसके बाद अगस्त 2023 में कोलंबो बंदरगाह पर डॉक किए गए एक अन्य चीनी युद्धपोत ने भी नई दिल्ली में कुछ चिंताएं पैदा की थीं। इसके बावजूद पिछले कुछ वर्षों में भारत त्रिंकोमाली के ऊर्जा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को विकसित करने में श्रीलंका को सहायता देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। श्रीलंका और पाकिस्तान के प्रस्तावित नौसैनिक अभ्यास के रद्द होने के बारे में श्रीलंका या पाकिस्तान ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन श्रीलंका के सामने भारत की ओर से चिंता जताए जाने के बाद यह नौसैनिक अभ्यास रद्द कर दिया गया है।

सैन्य विशेषज्ञों ने भारत के लिए त्रिंकोमाली के रणनीतिक महत्व को समझाते हुए कहा कि इसमें बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर हिंद महासागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दबदबा बनाने की क्षमता है, इसलिए भारत ने प्रस्तावित अभ्यास पर चिंता व्यक्त करके सही किया है। भारत विशेष रूप से त्रिंकोमाली में तेल टैंक फार्मों को पुनर्जीवित करने पर विचार कर रहा है, जो दुनिया के बेहतरीन प्राकृतिक बंदरगाहों में से एक है। इसी महीने मोदी की कोलंबो यात्रा के दौरान भारत, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्रके रूप में विकसित करने के लिए एक महत्वाकांक्षी समझौते को अंतिम रूप दिया है, जिसका व्यापक उद्देश्य इसके आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद करना है।

चीन ने जिस तरह श्रीलंका को अपने कर्ज-जाल में फंसा कर उसे तबाह करने की कोशिश की, उसी तरह वह नेपाल को भी अपने आगे घुटने टेकने पर विवश कर रहा है। भारत के पड़ोसी हिमालयी देशों के कम्युनिस्ट नेताओं के कंधे पर सवार होकर चीन काठमांडू को अपने कर्ज के शिकंजे में जकड़ने और अनेक ▶10पर

क्राउन प्रिंस के आमंत्रण पर सऊदी अरब जाएंगे पीएम मोदी

सऊदी अरब से और पुख्ता होगी रणनीतिक साझेदारी

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 और 23 अप्रैल को सऊदी अरब जाएंगे। जेद्दा में प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से होगी और कई द्विपक्षीय मुद्दों और रणनीतिक साझेदारी पर विमर्श होगा। इस मुलाकात में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया की स्थिति और कई अहम समझौतों पर बातचीत होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी की सऊदी अरब की यात्रा क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर हो रही है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शनिवार को विदेश मंत्रालय की एक विशेष प्रेस वार्ता में इस यात्रा की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत और सऊदी अरब के संबंधों के लिए बहुत अहम है। मिस्री ने कहा, सऊदी अरब इस्लामी दुनिया में एक प्रमुख आवाज है और वह अब क्षेत्रीय मामलों में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी कहा, प्रधानमंत्री मोदी और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच अच्छे और गर्मजोशी भरे संबंध हैं। इनकी आपसी समझ और उच्च स्तर की रणनीतिक सोच से दोनों देशों के संबंध और मजबूत हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा सऊदी अरब के जेद्दा शहर में होगी। इस दौरान प्रधानमंत्री की क्राउन प्रिंस से मुलाकात होगी। साथ ही, औपचारिक स्वागत समारोह और द्विपक्षीय वार्ता होगी। यात्रा के दौरान दोनों नेता भारत-सऊदी रणनीतिक साझेदारी परिषद की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

मिस्री ने बताया कि इस परिषद के दो मुख्य स्तंभ राजनीतिक और आर्थिक हैं, जिन्हें दोनों देशों के मंत्री संभालते हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी की तीसरे कार्यकाल में सऊदी अरब की पहली यात्रा होगी। इससे पहले वह 2016 और 2019 में वहां की यात्रा कर चुके हैं। यह यात्रा तब हो रही है, जब क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने सितंबर 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत का दौरा किया था। उसी समय रणनीतिक साझेदारी परिषद की पहली बैठक हुई थी। उन्होंने कहा, इस दौरे में दोनों देशों के बीच कई समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। समझौते अंतिम मंजूरी के चरण में हैं और यात्रा के दौरान पूरी जानकारी साझा की जाएगी। उन्होंने बताया कि करीब 27 लाख भारतीय सऊदी अरब में रहते और काम करते हैं। यह भारतीय प्रवासियों का दूसरा सबसे बड़ा समूह है। भारत और सऊदी अरब के बीच 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे। 2010 में दोनों देशों के संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर बढ़ाया गया। तबसे दोनों देशों के बीच नियमित उच्च स्तरीय दौरे होते रहे हैं। साल 2024 की शुरुआत से अब तक भारत के 11 मंत्री सऊदी अरब दौरे पर जा चुके हैं। सऊदी अरब के विदेश मंत्री और खनिज मंत्री ने भी नवंबर 2024 और फरवरी 2025 में भारत का दौरा किया।

कई द्विपक्षीय महत्वपूर्ण समझौतों पर होंगे हस्ताक्षर

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर कहा, यह चर्चा का एक अहम क्षेत्र होने जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने पहले ही भारत का रुख स्पष्ट किया है कि इस मसले का हल बातचीत से निकलना चाहिए। सभी पक्षों को एक मेज पर बैठकर इसका समाधान ढूंढना चाहिए। हमें यह देखकर खुशी हो रही है कि ऐसा कुछ हो रहा है। यह अच्छा है कि सऊदी अरब जैसा साझेदार फिर से इसमें शामिल है। ▶10पर

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार जारी, भारत ने हड़काया

हिंदू नेता भावेशचंद्र राय को अगवा कर मार डाला

ढाका, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले के बासुदेवपुर गांव में गुरुवार 17 अप्रैल को हिंदू समुदाय के नेता भावेशचंद्र रॉय का अपहरण कर उनकी नृशंस हत्या कर दी गई। 58 साल के भावेशचंद्र राय का अपहरण उनके घर से किया गया था। उसके बाद उनका लहूलुहान शव बरामद हुआ।

इस घटना भारत के विदेश मंत्रालय ने युनुस सरकार को जमकर लताड़ा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भावेशचंद्र रॉय के अपहरण और नृशंस हत्या की खबर ने हमें बेहद व्यथित किया है। यह घटना एक बड़े और चिंताजनक पैटर्न का हिस्सा है, जहां अंतरिम सरकार मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिंदू अल्पसंख्यकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। पहले की ऐसी घटनाओं के अपराधी अब भी खुलेआम घूम रहे हैं। ▶10पर

अब रॉबर्ड वाड्रा पर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी

रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ तीन चार्जशीट तैयार

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के दामाद, सांसद राहुल गांधी के बहनोई और सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा के घोटालों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट बन कर तैयार है। मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी तीनों चार्जशीट दाखिल होते ही रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ आरोप तय करने का रास्ता साफ हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि हाल ही में नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी एवं अन्य के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। अब बारी रॉबर्ट वाड्रा की है। रॉबर्ट से लगातार 3 दिन तक कुल 16 घंटे की पूछताछ के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने उनके खिलाफ चार्जशीट तैयार की। रॉबर्ड वाड्रा पर दो मामले भगोड़े हथियार कारोबारी संजय भंडारी के साथ उनके संबंधों से जुड़े हुए हैं। उसने रक्षा समझौतों के जरिए लंदन में अकूत सम्पत्ति जमा की। बीकानेर में एक जमीन के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप भी इन दोनों पर हैं। सोनिया-राहुल के खिलाफ ईडी की तरफ दाखिल चार्जशीट में आरोप है कि उन्होंने यंग इंडिया लिमिटेड के जरिए एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड की 5000 करोड़ रुपए की सम्पत्ति हड़प ली। यंग इंडिया लिमिटेड में 76 प्रतिशत शेयर सोनिया-राहुल के हैं, मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस के निधन के बाद बाकी के 24 प्रतिशत शेयरों के मालिक भी यही लोग हो गए। नेशनल हेराल्ड अखबार चलाने वाली कंपनी एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड को कांग्रेस पार्टी ने 90 लाख का ऋण दिया था। एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड ने 50 लाख रुपए देकर उसकी सारी सम्पत्तियों पर कब्ज़ा कर लिया।

बेशुमार जमीनें खरीदीं हथियारों के दलाल के साथ की काली कमाई

रॉबर्ट वाड्रा पर गुरुग्राम में 7.5 करोड़ रुपए की जमीन खरीद कर 58 करोड़ रुपए में बेचने के आरोप हैं। ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट सृजित अराजकता का एक और उदाहरण

स्टालिन ने अब भारत के संघीय ढांचे को चुनौती दी

चेन्नई, 19 अप्रैल (एजेंसियां) सुप्रीम कोर्ट द्वारा सृजित अराजकता के लगातार कई उदाहरण तमिलनाडु में सामने आ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले की शह पर तमिलनाडु में राज्यपाल का अनुमोदन लिए बगैर 10 विधेयक पारित कर दिए गए। अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भारत के संघीय ढांचे को ही चुनौती दे दी है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु का चरित्र बहुत अनूठा है और वह कभी भी दिल्ली के अधीन नहीं होगा। डीएमके सरकार के मुखिया स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु की भूमि स्वाभिमान और वीरता की भूमि है। इसने कभी वर्चस्व की अनुमति नहीं दी है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु दिल्ली के कंट्रोल से बाहर है। स्टालिन ने कहा, हम गुलाम नहीं हैं जो धमकी के आगे झुक जाएंगे। सिर्फ अमित शाह ही नहीं, कोई भी शाह हम पर शासन नहीं कर सकता। यह तमिलनाडु है। ▶10पर

फेसबुक, एक्स, इंस्टा ने नहीं सुनी नेपाल सरकार की बात, अब प्रतिबंध लगाने की तैयारी

काठमांडू ,19 अप्रैल (एजेंसियां)।

नेपाल सरकार की ओर से बार-बार आग्रह करने के बाद भी कई सोशल मीडिया साइट्स ने नेपाल में सरकारी निर्देशों के मुताबिक पंजीकरण कराने से इनकार कर दिया। इससे नाराज नेपाल सरकार ने अब इन सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर ली है।

नेपाल सरकार के कानून के मुताबिक कराना होगा पंजीकरण

नेपाल सरकार के प्रवक्ता एवं सूचना-संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने शनिवार को काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि जिन सोशल मीडिया साइट्स ने नेपाल में अपना पंजीकरण नहीं कराया है, उन पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी चल रही है। पहले तीन महीना और फिर बाद में एक महीने का समय दिया गया। इसके बाद भी सोशल प्लेटफार्म फेसबुक, एक्स, वाट्सएप और इंस्टाग्राम ने नेपाल में पंजीकरण नहीं कराया है।

कहा कि 19 अप्रैल को अंतिम एक महीने की समय सीमा भी समाप्त हो चुकी है, इसलिए रविवार को नेपाल में पंजीकरण नहीं करने वाले सभी सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय किया जाएगा। नेपाल के नियम कानून को नहीं मानने वाले, नेपाल सरकार की सूचना को बेवास्त करने वाले सोशल मीडिया कंपनियों पर प्रतिबंध आवश्यक है।

नेपाल सरकार अपने कानून के मुताबिक फेसबुक, एक्स, वाट्सएप और इंस्टाग्राम पर प्रतिबंध लगाएगी।

नेपाल सरकार द्वारा सूचना जारी करने के बाद अब तक सिर्फ यूट्यूब, वाइबर, वीचैट और टिकटॉक ने नेपाल में अपना पंजीकरण कराया है। बाकी कंपनियों ने नेपाल सरकार के इस फरमान का जवाबी पत्र तक नहीं भेजा है। फेसबुक, वाट्सएप, मैसेंजर जैसी सोशल मीडिया साइट्स चलने वाली मेटा कंपनी ने तो नेपाल सरकार के साथ वर्चुअल मेटिंग तक से इंकार कर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

खाना बनाते वक्त नाव में हुआ धमाका 143 की मौत, कई दर्जन हो गए लापता

मबंडाका। दक्षिण अफ्रीकी देश कांगो में ईंधन ले जा रही एक बड़ी नाव में खाना बनाते वक्त धमाका हो गया। इसके बाद लोग घबरा गए और भगदड़ मच गई। इससे नाव असंतुलित होकर पलट गई। जिसके कारण 143 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई दर्जन लापता हो गए। अधिकारियों के मुताबिक यह घटना राजधानी मबंडाका के पास रूकी और कांगो नदी के संगम के पास हुई। इस जगह पर यह दुनिया की सबसे गहरी नदी है। नाव तय सीमा से ज्यादा लोगों को लेकर यात्रा कर रही थी, तभी अचानक हुए विस्फोट से उस पर आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया और नाव पलट गई। स्थानीय नागरिक समाज के नेता जोसेफ लोकोंडो ने कहा कि हमारी टीम ने शवों को दफनाने में मदद की है। मरने वालों लोगों की मौत जलने की वजह से हुई है तो कई लोग डूबने की वजह से मारे गए। फिलहाल स्थानीय लोग और प्रशासन मदद के लिए अपना काम कर रहा है। हम शवों की तलाश कर रहे हैं। जांच के लिए पहुंचे प्रतिनिधि मंडल के प्रमुख जोसेफिन लोकुम के मुताबिक इस घटना के बाद लोगों की तलाश जारी थी। हमने बुधवार को 131 शवों को बरामद किया, जबकि गुरुवार और शुक्रवार को हमें 12 शव और मिले हैं। इन शवों में से कई की हालत बहुत खराब है और कई बुरी तरह से जले हुए हैं। लोकुमु ने बताया कि शुरुआती जांच में अभी यह सामने आया है कि एक महिला ने नाव पर ही भोजन पकाने के लिए आग जलाई थी। वहां से थोड़ी ही दूरी पर बहुत ही ज्वलनशील ईंधन रखा हुआ था। आग के संपर्क में आते ही ईंधन में तेज विस्फोट हो गया, जिससे तत्काल ही कई लोगों की मौत हो गई ।

टाइप-5 डायबिटीज को लेकर चिकित्सा जगत में नई हलचल

न्यूयॉर्क। हाल ही में कम जानी-पहचानी बीमारी टाइप-5 डायबिटीज को लेकर चिकित्सा जगत में नई हलचल मच गई है। हाल ही में थाईलैंड के बैंकॉक में आयोजित इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन (आईडीएफ) की बैठक में इसे पहली बार औपचारिक रूप से टाइप-5 डायबिटीज नाम दिया गया।

यह मधुमेह की एक अनोखी किस्म है, जो खासतौर पर कमजोर और कुपोषित युवाओं में पाई जाती है। इस बीमारी का पहली बार ज़िक्र 1955 में जमैका में हुआ था, जहां इसे जे-टाइप डायबिटीज कहा गया था। 1960 के दशक में भारत, पाकिस्तान और अफ्रीका जैसे देशों में कुपोषित किशोरों और युवाओं में इसके लक्षण देखे गए। 1985 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएच) ने इसे एक अलग प्रकार की डायबिटीज माना, लेकिन 1999 में शोध की कमी के कारण यह मान्यता वापस ले ली गई। अब, करीब सात दशक बाद, दुनिया फिर से इस बीमारी को गंभीरता से लेने लगी है। विशेषज्ञों का कहना है कि टाइप-5 डायबिटीज, टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज से पूरी तरह अलग है। पहले माना जाता था कि यह बीमारी इंसुलिन रेजिस्टेंस के कारण होती है, लेकिन अब यह साफ हो चुका है कि इन मरीजों के शरीर में इंसुलिन बनता ही नहीं है।

पोटैशियम से भरपूर फल और सब्जियां खाकर नियंत्रित कर सकते हैं हाई ब्लडप्रेशर

ओटावा। डॉक्टरों की माने तो पोटैशियम से भरपूर फल और सब्जियां खाने से हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में

मदद मिल सकती है। कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ वाटरलू के वैज्ञानिकों ने पाया कि खाने में पोटेशियम की मात्रा बढ़ाकर और नमक (सोडियम) की मात्रा घटाकर ब्लड प्रेशर को बेहतर ढंग से कंट्रोल किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, आमतौर पर हमें कम नमक खाने की सलाह दी जाती है, लेकिन हमारा अध्ययन बताता है कि केले या ब्रोकली जैसे पोटैशियम से भरपूर खाद्य पदार्थ खाने से ब्लड प्रेशर पर और भी अच्छा असर पड़ सकता है। पोटैशियम और सोडियम दोनों ही ऐसे तत्व हैं जो शरीर में मांसपेशियों की क्रिया और पानी की मात्रा को नियंत्रित करते हैं। इस अध्ययन को अमेरिकन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी- रीनल फिजियोलॉजी में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं ने कहा कि पुराने समय में इंसान ज्यादा फल और सब्जियां खाते थे, जिससे शरीर इस तरह की डाइट के हिसाब से ढल गया था - जिसमें पोटैशियम ज्यादा और सोडियम कम होता था। लेकिन के पश्चिमी खानपान में नमक ज्यादा और पोटैशियम कम होता है। शायद इसी कारण विकसित देशों में हाई ब्लड प्रेशर ज्यादा पाया जाता है, जबकि दूरदराज के इलाकों में यह कम होता है।

जेलों में सक्रिए इस्लामी गिरोह : चला रहे शरिया अदालतें, कहते हैं धर्म बदलो या मार खाओ

लंदन,19 अप्रैल (एजेंसियां)।

ब्रिटेन की हाई सिक्योरिटी जेलों में इस्लामी कट्टरपंथी गिरोहों ने आतंक का माहौल बना रखा है। एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के अनुसार, ये गिरोह जेल कर्मचारियों को डराने-धमकाने के साथ-साथ गैर-मुस्लिम कैदियों को जबरन इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। जो कैदी इन गिरोहों की बात नहीं मानते, उन्हें हिंसा और धमकियों का सामना करना पड़ता है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि जेल प्रशासन का नियंत्रण कमजोर पड़ता दिख रहा है।

ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्रिटेन की हाई सिक्योरिटी जेलों, जैसे कि एचएमपी फ्रैंकलैंड, व्हाइटमूर, और फुल सटन, में इस्लामी गिरोहों ने पूरे विंग पर कब्जा जमा लिया है। इस गिरोह को ब्रदरहुड के नाम से जाना जाता है और यह गैर-मुस्लिम कैदियों को धर्म परिवर्तन करो या मार खाओ का अल्टीमेटम दे रहे हैं। जो कैदी इन गिरोहों में शामिल होने या इस्लाम अपनाने से इनकार करते हैं, उन्हें हिंसक हमलों, धमकियों, या अलग-थलग यूनिट में भेजे जाने का खतरा रहता है।

2022 में आतंकवाद संबंधी कानून के स्वतंत्र समीक्षक जोनाथन हॉल केसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि जेल प्रशासन इस्लामी समूहों के प्रभाव को लंबे समय तक कम करके आंकता रहा है। उन्होंने कहा, जेलों में धार्मिक आधार पर स्व-विभाजन ने हिंसक इस्लामवादी गतिविधियों के लिए उपजाऊ जमीन तैयार की है। कुछ जेलों में तो शरिया अदालतें स्थापित की गई हैं, जो इस्लामी कानून के उल्लंघन पर कोड़े मारने जैसी सजा देती हैं। इस्लामी गिरोहों का आतंक केवल कैदियों तक सीमित नहीं है। हाल ही में, मैनचेस्टर एरेना बम विस्फोट (2017) के दोषी हाशेम अबेदी ने एचएमपी फ्रैंकलैंड में तीन जेल अधिकारियों पर घरेलू हथियारों और गर्म तेल से हमला किया, जिसमें दो अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना ने जेलों में बढ़ते खतरे को उजागर किया है। जेल अधिकारियों का कहना है कि इस्लामी गिरोहों के प्रभाव को रोकने के लिए बनाए गए सेपरेशन सेंटर्स अब अप्रभावी हो चुके हैं। इन केंद्रों में केवल 28 जगहें हैं, लेकिन इनका उपयोग पूरी तरह नहीं हो रहा, क्योंकि कैदियों को वहां भेजने की प्रक्रिया जटिल है और मानवाधिकार कानूनों के उल्लंघन का डर रहता है। मुस्लिम कैदियों की संख्या में वृद्धि न्याय मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इंग्लैंड और वेल्स की जेलों में मुस्लिम कैदियों की संख्या 2002 में 5,500 से बढ़कर 2024 में लगभग 16,000 हो गई है, जो कुल जेल आबादी का 18 प्रतिशत है। यह संख्या सामान्य आबादी में मुस्लिमों के अनुपात (6.5 प्रतिशत) से कहीं अधिक है। इनमें से 99 प्रतिशत कैदी गैर-आतंकवादी अपराधों के लिए सजा काट रहे हैं, लेकिन वे इस्लामवादी गिरोहों में शामिल होकर जेल के भीतर शक्ति हासिल कर रहे हैं।

अमेरिका ने साफ कर दिया वो यूक्रेन का क्रीमिया इलाका रूस को दिलाकर रहेगा

वॉशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध चल रहा है। इसे रोकने के लिए तमाम प्रयास सफल नहीं हो पाए हैं। अमेरिका यहां शांति बहाल कराने की कोशिश कर रहा है। जबकि यूक्रेन का आरोप है कि अमेरिका पक्षपात कर रहा है और निष्पक्ष न्याय में विश्वास नहीं कर रहा है। उसका कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप रूस का फायदा करवाना चाहते हैं। वहीं अमेरिका ने खुलकर जता दिया है कि वह क्रीमिया के यूक्रेनी इलाके को भी रूस को ही दिलवा देना चाहता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों को अल्टिमेटम देते हुए कहा है कि अगर दोनों अड़ियल रवैया अपनाते हैं तो वह पीस डील को ही छोड़ देंगे। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शुक्रवार को कहा कि अगर तत्काल युद्धविराम को लेकर कोई प्रगति नहीं होती है तो अमेरिका इससे दूरी बना लेगा। 2014 में क्रीमिया पर रूस ने कब्जा कर लिया था। इसके बाद रूस ने यहां जनमत संग्रह भी करवाया था। हालांकि वैश्विक समुदाय ने इसे रूस का हिस्सा मानने से इनकार कर दिया था। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की बार-बार कह चुके हैं कि वह इसे रूस को सौंपने को तैयार नहीं है। हालांकि अगर अमेरिका पीस डील के बदले इस मामले में रूस का साथ देने को तैयार हो जाता है तो उसे बड़ा फायदा मिलने वाला है। इसी बहाने क्रीमिया को रूस का हिस्सा माना जा सकता है। फिलहाल पुतिन ने भी डोनाल्ड ट्रंप की पीस डील को मानने से इनकार किया है। क्रीमिया को लेकर अमेरिका विदेश मंत्रालय ने कोई स्पष्ट बात नहीं कही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता अब ऐसे स्तर पर पहुंच चुकी है, जिसमें कुछ निष्कर्ष निकलना चाहिए, लेकिन दोनों में से कोई भी देश उनके (ट्रंप) युद्ध समाप्त कराने के प्रयासों का समर्थन नहीं कर रहा है।ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, अगर किसी कारण से दोनों में से कोई एक पक्ष इसे बहुत कठिन बना देता है तो हम कह देंगे कि आप मूर्ख हैं और फिर हम इसे छोड़ देंगे।

अमेरिका और ईरान इटली में न्यूक्लियर डील पर करेंगे बात

वाशिंगटन,19 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की चेतावनी के बीच ईरान न्यूक्लियर डील पर बातचीत को राजी हो गया है। इटली की राजधानी रोम में अमेरिका और ईरान के बीच बात होगी। इस बातचीत में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची और अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकाफ शामिल होंगे। दोनों देशों की बातचीत पर विश्व की निगाहें लग गई हैं।

ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर अमेरिका खासा नाराज है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बीते दिनों ईरान को न्यूक्लियर प्रोग्राम को छोड़ने को कहा था। साथ ही चेतावनी दी थी कि यदि न्यूक्लियर डील नहीं छोड़ी तो ईरान को इसका खामियाजा भुगतना होगा। व्हाइट की सचिव कैरोलिन लीविट ने रोम में होने वाली बैठक की पुष्टि करते हुए बताया कि अमेरिका नहीं चाहता कि ईरान परमाणु हथियार हासिल कर सके। अब ईरान के पास दो विकल्प हैं, या तो वह न्यूक्लियर डील छोड़े या फिर खामियाजा भुगतने को तैयार रहे। हालांकि संकेत दिए हैं कि अमेरिका अभी कुछ दिनों तक इसी तरह की बातचीत का क्रम जारी रखना चाहता है।गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच यह बातचीत दूसरी बार हो रही है। इससे पहले 12 अप्रैल को दोनों देशों के बीच ओमान में वार्ता का एक क्रम चल चुका है। इस बैठक की मध्यस्थता ओमान के विदेश मंत्री बदर-अल-बुसैदी ने की थी। ईरान बना सकता है छह परमाणु बमभले अमेरिका के राष्ट्रपति ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोक रहे हों, लेकिन इस मामले में वह अब काफी आगे तक जा चुका है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु एजेंसी के सूत्रों का दावा है कि ईरान ने करीब 60 फीसदी शुद्धता का 275 किलो यूरेनियम बना लिया है। इससे कम से कम छह परमाणु बन बनाए जा सकते हैं।

संकट से जूझ रही पाकिस्तानी एयरलाइंस, अब निजी हाथों में देने की तैयारी

पाकिस्तान के प्राधिकारियों ने सरकारी विमानन कंपनी 'पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस' को बेचने के प्रयास विफल रहने के बाद इसकी बिक्री की नए सिरे से कोशिश करने का फैसला किया है। नकदी संकट से जूझ रही पीआईए के निजीकरण पर सालों से विचार किया जा रहा है और इसके लिए 2024 में बोली लगाई गई थी लेकिन सरकार बड़ा खरीदार आकर्षित करने में विफल रही और बोली लगाने वाली एकमात्र कंपनी ने मात्र 10 अरब रुपए की पेशकश की जिसे अस्वीकार कर दिया गया था। पाकिस्तान के निजीकरण और निवेश मंत्री अब्दुल अलीम खान ने पिछले महीने कहा था कि पीआईए के निजीकरण का काम मई तक पूरा कर लिया जाएगा। निजीकरण आयोग की बैठक में अगले सप्ताह से बिक्री प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया गया है। बयान में कहा गया कि पीआईएसीएल के पृथक्करण के लिए रुचि की अभिव्यक्ति का एक नया विज्ञापन अगले सप्ताह प्रकाशित करने की योजना है। इसमें कहा गया कि एजेंडे के शेष मदों पर विचार करने के लिए बैठक की जाएगी।

विदेशी ताकतों की कठपुतली बनें यूनुस बनेंगे बांग्लादेश की तबाही का सबब

शेख हसीना का वर्चुअल संबोधन वाला वीडियो फिर हुआ वायरल

ढाका,19 अप्रैल (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग की प्रमुख शेख हसीना ने अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर तीखा हमला बोला है। अपने एक वर्चुअल संबोधन में हसीना ने यूनुस को सत्ता का भूखा और विदेशी शक्तियों की कठपुतली करार देते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने देश को तबाही की राह पर धकेलने की गहरी साजिश रची है। शेख हसीना का यह वीडियो एक बार फिर तेजी से वायरल हुआ है और चर्चा का विषय बना हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने लगभग 8 मिनट के इस वीडियो संदेश में यूनुस पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है, कि यह आत्मकेंद्रित और पैसों का लालची व्यक्ति बांग्लादेश की आजादी की पहचान को मिटाने पर तुला है। बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के साथ मिलकर यूनुस ने अवामी लीग के नेताओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। देशभर में हमारे समर्थकों के कारोबार, अस्पताल और यहां तक कि स्मारकों तक को आग के हवाले किया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, यूनुस, आग से खेलोगे तो वो तुम्हें जला देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके नेतृत्व में बनाए गए मुक्ति योद्धा स्मारकों को जलाया जा रहा है और आजादी के नायकों का अपमान खुलेआम किया जा रहा है। हसीना ने आरोप लगाया कि यूनुस के कार्यकाल में बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति चरमराई है। उन्होंने कहा, हजारों कारखाने बंद हो चुके हैं, डॉक्टरों को बर्खास्त किया जा रहा है, और पुलिस की वर्दी ऐसे राजनीतिक कार्यकर्ताओं को दी गई है जो किसी भी तरह से उपयुक्त नहीं हैं,। अबू सईद की मौत पर सनसनीखेज खुलासा संबोधन में शेख हसीना ने बीते वर्ष कोटा आंदोलन के दौरान मारे गए अबू सईद की मौत पर भी सनसनीखेज खुलासा किया।

नाव में खाना बनाते समय हुआ धमाका, 143 लोगों की गई जान, कई दर्जनों हुए लापता

कांगो ,19 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीकी देश कांगो में एक भयावह नाव हादसे में कम से कम 143 लोगों की मौत हो गई है, जबकि दर्जनों लोग अब भी लापता हैं। यह दर्दनाक घटना मंगलवार को राजधानी मबंडाका के पास रूकी और कांगो नदी के संगम पर हुई, जहां दुनिया की सबसे गहरी नदी मानी जाती है।

बताया जा रहा है कि यह नाव तय सीमा से ज्यादा यात्रियों को लेकर यात्रा कर रही थी। इसी दौरान नाव पर मौजूद एक महिला खाना बना रही थी, तभी आग पास रखे अत्यधिक ज्वलनशील ईंधन से संपर्क में आ गई और जोरदार विस्फोट हो गया। इससे नाव में आग लग गई और कुछ ही देर में अफरा-तफरी के बीच नाव पलट गई। घटना के बाद राहत और बचाव कार्य जारी है। जांच प्रतिनिधिमंडल की प्रमुख जोसेफिन लोकुमु ने बताया कि अब तक 145 शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें कई शव बुरी तरह जले हुए हैं, जिससे उनकी पहचान मुश्किल हो रही है।

स्थानीय नागरिक संगठनों और प्रशासन की मदद से शवों का अंतिम संस्कार किया जा रहा है। नागरिक नेता जोसेफ लोकोंडो ने बताया कि कई लोग विस्फोट में जलकर मारे गए, जबकि कई लोग डूबने से जान गंवा बैठे। लापता लोगों की तलाश और राहत कार्य युद्धस्तर पर जारी है। इस हादसे ने कांगो में जल परिवहन की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ट्रंप के फैसले को चुनौती: भारतीयों समेत 1100 से अधिक छात्रों के निर्वासन की आशंका

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसलों से प्रभावित अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की मदद के लिए एक बड़ा मुकदमा दायर किया गया है। इस मुकदमे में अदालत से अनुरोध किया गया है कि इन छात्रों की कानूनी स्थिति फिर से बहाल की जाए। इस फैसले से करीब 1100 से ज्यादा विदेशी छात्र प्रभावित हुए हैं, जिन्हें अमेरिका से निकाले जाने का डर सता रहा है। मार्च के अंत से अब तक 170 से ज़्यादा यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में पढ़ रहे करीब 1,100 छात्रों के वीज़ा या कानूनी स्थिति को खत्म कर दिया गया। ये सब बिना किसी उचित सूचना के हुआ। मीडिया रिपोर्ट की माने तो अभी और भी छात्रों के ट्रंप के इस फैसले से प्रभावित होने की संभावना है। वहीं छात्रों का कहना है कि उन्हें न तो कोई चेतावनी दी गई, न ही सफाई का मौका मिला। कुछ मामलों में तो बहुत पुराने और मामूली ट्रैफिक उल्लंघन को भी बहाना बना लिया गया। बता दें कि यह मुकदमा अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) और उससे जुड़े कई संगठनों ने मिलकर दायर किया है। ये न्यू इंग्लैंड और प्यूर्टो रिको के 100 से अधिक छात्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मामले में एसीएलयू न्यू हैम्पशायर के कानूनी निदेशक गिल्स बिस्नोनेट ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय छात्र हमारे कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का एक अहम हिस्सा हैं। किसी भी सरकार को यह अधिकार नहीं है कि वो छात्रों की स्थिति अचानक खत्म कर दे और उन्हें उनकी पढ़ाई पूरी किए बिना देश से निकालने की कोशिश करे। ट्रंप के इस फैसले से भारत और चीन के भी कई छात्र प्रभावित हुए है। इसमें भारत के मणिकांत पासुला, जो न्यू हैम्पशायर के रिवियर यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स कर रहे थे, अब अमेरिका में पढ़ाई पूरी करने और नौकरी की संभावना खो चुके हैं।

अफगानिस्तान में भूकंप के तेज झटके, दिल्ली जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान भी हिला

काबुल/नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान में शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किये गये। भूकंप के झटके पाकिस्तान, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भी महसूस किए गए।

राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र ने बताया कि रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गयी। केंद्र ने बताया कि अफगानिस्तान में शनिवार को दोपहर बाद 12:17 बजे (भारतीय समयानुसार) यह भूकंप आया। दिल्ली-एनसीआर और जम्मू-कश्मीर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए।

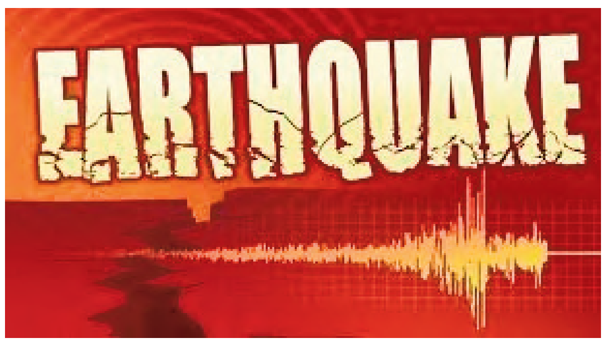

अफगानिस्तान में अभी भूकंप से हताहतों और नुकसान के बारे में कोई प्रारंभिक रिपोर्ट नहीं मिली है। इसके अलावा भारत में भी अभी तक किसी नुकसान या हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है।

अफगानिस्तान के अलावा पाकिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किये गये। राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र ने पूर्वाह्न 11:47 बजे (स्थानीय समयानुसार) 5.9 तीव्रता का भूकंप बताया। भूकंप का केंद्र अफ़गानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र के पास 94 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था।

पाकिस्तान के इस्लामाबाद, लाहौर, रावलपिंडी, पेशावर और खैबर पख्तूनख्वा के कई इलाकों जैसे लोअर डीर, बाजौर, मलकंद, नौशेरा, डीर बाला, शबकदर और मोहमंद समेत पूरे पाकिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे निवासियों में अफरातफरी का माहौल देखा गया। अभी तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की रिपोर्ट सामने नहीं आयी है।

इससे पहले पिछले शनिवार को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और खैबर पख्तूनख्वा तथा पंजाब प्रांतों के कुछ हिस्सों में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया था।

पाकिस्तान भूकंपीय गतिविधि के मद्देनजर अत्यधिक संवेदनशील स्थान बना हुआ है। वर्ष 2005 का भूकंप हाल के दिनों का सबसे विनाशकारी भूकंप था, जिसमें 74,000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

दिल्ली की अदालत ने मकोका मामले में नरेश बाल्यान समेत सात आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ायी

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

दिल्ली की एक अदालत ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान और अन्य छह आरोपियों की न्यायिक हिरासत शनिवार को 23 अप्रैल तक बढ़ा दी।

ड्यूटी जज जितेंद्र सिंह ने जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बाल्यान, रितिक उर्फ पीटर, रोहित उर्फ अन्ना, सचिन चिकारा, साहिल उर्फ पोली, विजय उर्फ कालू और ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा की पेशी के बाद उन सभी की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी।

सरकारी वकील वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये और जांच अधिकारी सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) नरेश अदालत के समक्ष पेश हुए और साहिल उर्फ पोली तथा विजय उर्फ कालू की न्यायिक हिरासत चार दिन बढ़ाने की मांग की। अदालत ने अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनने के बाद सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी।

पुलिस ने गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू द्वारा कथित रूप से चलाये जा रहे संगठित अपराध सिंडिकेट के खिलाफ मामला दर्ज किया है और पुलिस हिरासत के दौरान चार अप्रैल को मकोका के प्रावधानों के तहत गैंगस्टर नंदू के सगे भाई ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा का बयान दर्ज किया।

इस मामले में अदालत ने एक मार्च को दिल्ली पुलिस को बालियान के खिलाफ जांच पूरी करने के लिए 60 दिन का और समय दिया था, जिसे चार दिसंबर 2024 को गिरफ्तार किया गया था।

रोगग्रस्त होकर नहीं की जा सकती विकसित भारत की संकल्पना : शाह

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि विकसित भारत की संकल्पना रोगग्रस्त होकर नहीं की जा सकती ,इसीलिए यह बहुत ज़रूरी है कि देश का हर नागरिक स्वस्थ रहे।

श्री शाह ने शनिवार को यहां विश्व यकृत (लीवर) दिवस के अवसर पर यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश के सामने आज़ादी की शताब्दी के समय 2047 में एक विकसित भारत की रचना करने का लक्ष्य रखा है जो हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो और विश्व का नेतृत्व करे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना रोगग्रस्त होकर नहीं की जा सकती और इसीलिए ये बहुत ज़रूरी है कि हर नागरिक स्वस्थ रहे।

उन्होंने कहा कि आज विश्व यकृत दिवस के अवसर पर पूरे देश की जनता को अपने यकृत के प्रति सजग, प्रयत्नशील और पूरी जानकारी के साथ यकृत को स्वस्थ रखने का संकल्प लेना चाहिए।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि संस्थान ने एक विशेष योजना का शुभारंभ किया है और यह अभिनव पहल यकृत को स्वस्थ रखने के प्रति देश में जागरूकता फैलाने में सफल होगी। उन्होंने कहा कि वेदों में कहा गया है कि आहार ही औषधि है और आज इस थीम को स्वीकार कर पूरा विश्व आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 से 2025 तक 11 साल में मोदी सरकार ने हॉलिस्टिक दृष्टिकोण के साथ देश के नागरिकों को स्वस्थ बनाने के अनेक कार्यक्रम चलाए हैं। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय एक ऐसी पद्धति विकसित करने का काम कर रहा है जिससे हम बीमार ही न हों। उन्होंने कहा कि आज बड़े-बड़े एलोपैथिक अस्पताल भी अपने यहां आयुष का विंग खोल रहे हैं। विश्व योग दिवस की कल्पना में ही व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को समाहित किया गया था।

आधुनिकता के दौर में विलुप्त हो गई शादी, ब्याह से डोली की परम्परा

देवरिया, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

कभी शादी, ब्याह में शाही सवारी मानी जाने वाली डोली आज आधुनिकता के दौर में विलुप्त होती जा रही है और आज के नवयुवक अब डोली को इतिहास के पन्नों से समझने का प्रयास करते दिख रहे हैं।

वैसे तो पूरे देश से ही डोली का नाता रहा है लेकिन डोली का नाता बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से यह संबंध और विशेष रहा है। बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलो में 80 के दशक तक शादी ब्याह में डोली से जाने की परम्-परा कायम रही। लेकिन उसके बाद धीरे-धीरे समाज में डोली अपने अस्तित्व को लेकर संघर्ष करती दिखी। इसका कारण धीरे-धीरे समाज में आधुनिकता का पैर पसारना और डोली के स्थान पर शादी ब्याह में मोटर गाड़ियों का चलन आ जाना माना गया। आज के वर्तमान परिवेश में डोली की परम्परा करीब-करीब विलुप्त के कगार पर पहुँच चुकी है और कहार भी डोली उठाने के अपने पुश्तैनी व्यवसाय को छोड़ने को मजबूर हो गए हैं।

इस सम्बन्ध में 80 वर्षीय डा. रविन्द्र द्विवेदीने कहा कहा कि एक जमाना था जब, शादी ब्याह में बारात के वक्त में डोली का अहम रोल माना जाता था।इसके बिना दरवाजा यानी बारात नहीं लगती थी, लेकिन बदलते दौर के इस वक्त में डोली की प्रथा अब धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रही है। उन्होंने कहा कि इस रोजगार से जुड़े कई लोग बेरोजगार हो गए हैं। उनका कहना है अब तो क्षेत्र जवाब में इक्का-दुक्का डोली दिख जाए तो यह बड़ी बात है।

डा. रविन्द्र द्विवेदी का कहना है कि आज की युवा पीढ़ी को यह जानना बेहद जरूरी है कि आखिर डोली क्या होती है, डोली प्रथा क्या थी। उन्होंने कहा कि डोली की प्रथा बहुत ही प्राचीन प्रथा रही है।

लेकिन बदलते जमाने ने डोली के स्थान पर शादी ब्याह में लग्जरी गाड़ियों ने स्थान ले लिया है। उन्होंने कहा कि डोली प्रथा का इतिहास काफी पुराना है। उन्होंने कहा कि एक जमाना वो था जब डोली राजाओं और उनकी रानियों के लिए यात्रा का प्रमुख साधन हुआ करती थी। इसे ढोने वालों को कहार कहा जाता था।

उन्होंने बताया कि शादी के लिए बारात निकलने से पूर्व दूल्हे की सगी संबंधी महिलाएं बारी-बारी से दूल्हे के साथ डोली में बैठती थी।

इसके बदले कहारों को यथाशक्ति दान देते हुए शादी करने जाते दूल्हे को आशीर्वाद देकर भेजती थी। दूल्हे को लेकर कहार उसकी ससुराल तक जाते थे। विदा हुई दुल्हन अपने ससुराल डोली में ही जाती थी। इस दौरान जब डोली गांवों से होकर गुजरती थी, तो महिलाएं और बच्चे कौतूहलवश डोली रुकवा देते थे तथा कहांरो को पानी पिलाकर ही जाने देते थे। जिसमें अपनेपन के साथ मानवता और प्रेम भरी भारतीय संस्कृति के दर्शन होते थे लेकिन आज डोली प्रथा लगभग समाप्त हो चुकी है।

अभिनेत्री शिला ने किया एक ही हीरो के संग 130 फिल्में

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है नाम

जानिए उस एक्ट्रेस के बारे में, जिसने अपने 60 साल के करियर में 500 फिल्मों में काम किया, दर्जनों हिट फिल्में दीं। और तो और ऐसे कारनामे किए कि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज हो गया। यह 60 और 70 के दशक की सबसे महंगी एक्ट्रेस रही, और हीरो से भी ज्यादा फीस लेती थी। पता है यह कौन है? इस एक्ट्रेस ने एक ही हीरो के के साथ 130 फिल्मों में काम करके रिकॉर्ड बना दिया था।इस एक्ट्रेस का नाम है शीला, जो मलयालम सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस रही हैं। फिल्मों में उनकी जोड़ी एक्टर प्रेम नज़ीर के साथ बनती थी, और बेहद पसंद की जाती थी। प्रेम नजीर भी शीला को अपना लक मानते थे।

शीला का असली नाम, इस एक्टर ने फिल्मों में किया था लॉन्च

मलयाली परिवार में पैदा हुईं शीला का असली नाम सेलीन है। लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम बदल लिया था। उन्हें फिल्मों में एक्टर एमजीआर लेकर आए थे। तब शीला 17 साल की थीं। उन्होंने ही सेलीन का नाम बदलकर शीला देवी रखा था। शीला ने तमिल फिल्मों से साल 1962 में एक्टिंग डेब्यू किया था, और उसी साल उन्होंने मलयालम फिल्मों में भी कदम रखे।

प्रेम नज़ीर संग 130 फिल्में, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम

इसके बाद शीला ने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा, और दो दशक के वक्त में करीब 475 अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में काम किया। फिल्मों में प्रेम नजीर के साथ उनकी जोड़ी खूब पसंद की गई और तहलका मचा दिया था। ये जोड़ी इतनी हिट थी कि साथ की गईं 130 फिल्मों में से 50 सुपरहिट रही थीं। शीला ने प्रेम नज़ीर के साथ 130 फिल्मों में बतौर हीरोइन काम किया। इस कारण उनका और प्रेम नज़ीर का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है।

शीला के नाम एक और रिकॉर्ड ये भी

यही नहीं, शीला के नाम एक और रिकॉर्ड दर्ज है। दरअसल साउथ की एकमात्र एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने कोई फिल्म लिखी और डायरेक्ट भी की। वह एक पेंटर भी हैं। उन्होंने एक बार होटल ली-मेरीडियन में अपनी पेंटिंग्स की प्रदर्शनी लगाई थी, जिसमें 93 पेंटिंग्स बिकी थीं। उनसे इकट्ठा किए गए पैसों को चेन्नई बाढ़ के पीड़ितों को डोनेट कर दिया गया था।

साल 1983 में फिल्मों से ले लिया रिटायरमेंट

शीला ने 70 के दशक तक फिल्मों में खूब काम किया, और फिर साल 1983 में रिटायरमेंट ले लिया। इसके बाद वह तमिलनाडु के ऊटाकामुंड में बस गईं। अपने करियर में उन्होंने नेशनल अवॉर्ड से लेकर केरल स्टेट फिल्म अवॉर्ड और लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड समेत कई सम्मान जीते।

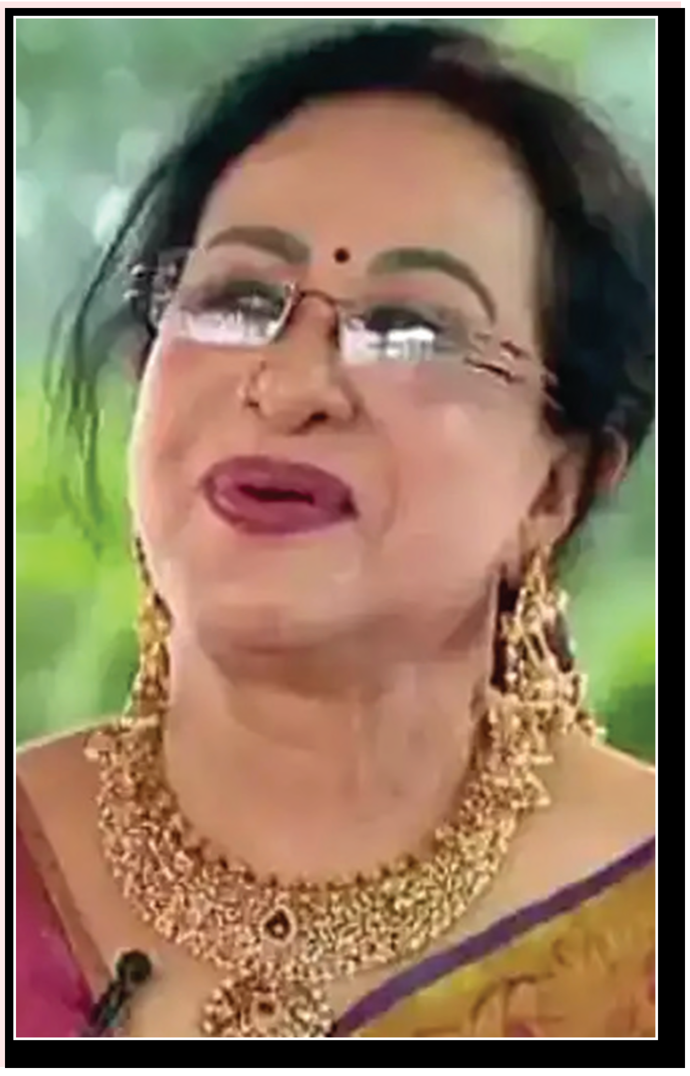

ऐसे किरदार पसंद हैं जो रियल और नेचुरल दिखें : पूजा हेगड़े

साउथ के सुपरस्टार सूर्या और एक्ट्रेस पूजा हेगड़े की जोड़ी जल्द ही बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाली है। दोनों की आने वाली फिल्म 'रेट्रो' का इंतजार फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित यह रोमांटिक एक्शन ड्रामा 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के पोस्टर्स और अब तक सामने आई झलकियों ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में पूजा हेगड़े ने फिल्म से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि जब वो पहली बार निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज से फिल्म की कहानी सुनने जा रही थीं, तो उन्हें साफ कहा गया कि बिना मेकअप और हेयरस्टाइल के आना है। इस पर पूजा ने खुशी जताई और कहा कि उन्हें ऐसे किरदार पसंद हैं जो रियल और नेचुरल दिखें। इसी पल से उन्हें इस फिल्म से एक खास जुड़ाव महसूस हुआ।

फिल्म की कहानी पारिवेल कन्नन नाम के एक शख्स पर आधारित है, जिसका किरदार निभा रहे हैं सूर्या। पारिवेल एक ऐसा इंसान है जो अपने पुराने हिंसक जीवन को पीछे छोड़कर, प्यार और सुकून की तलाश में है। रुक्मिणी (पूजा हेगड़े) के साथ उसे एक नई शुरुआत की उम्मीद नजर आती है, लेकिन किस्मत उन्हें फिर एक बार अलग कर देती है। कहानी प्यार, खोए रिश्ते और आत्म-खोज की एक भावुक यात्रा पर आधारित है, जिसमें एक्शन और इमोशन दोनों का जबरदस्त मेल है।

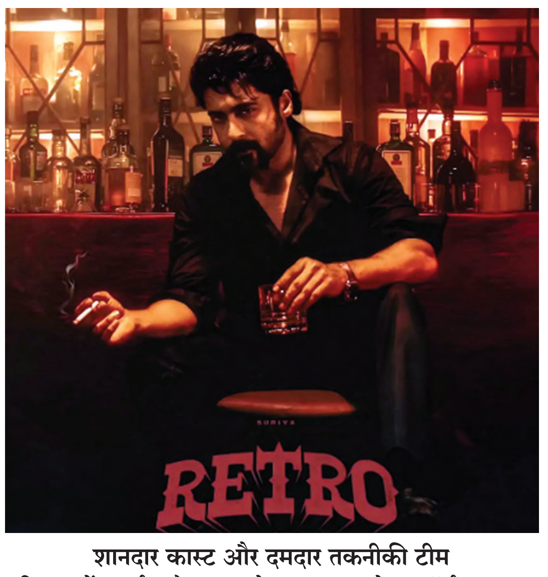

शानदार कास्ट और दमदार तकनीकी टीम

फिल्म में सूर्या और पूजा के अलावा जोजू जॉर्ज, जयराम, नासर, प्रकाश राज और सुजीत शंकर जैसे अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी श्रेयस कृष्णा ने निभाई है, जबकि म्यूजिक दिया है संतोष नारायणन ने। एडिटिंग शफीक मोहम्मद अली ने की है।

रेट्रो का निर्माण सूर्या और ज्योतिका की कंपनी 2ऊएंटरटेनमेंट के तहत हुआ है। यह फिल्म न सिर्फ एक मजबूत कहानी लेकर आ रही है, बल्कि सूर्या और पूजा हेगड़े जैसे सितारों की परफॉर्मेंस भी इसे खास बनाएगी। 'रेट्रो' निश्चित ही साल 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है।

सस्पेंस नहीं, मिस्ट्री से भरी सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म निकिता रॉय, पहला लुक रिवील

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा एक बार फिर दर्शकों को एक दिलचस्प कहानी सुनाने के लिए तैयार हैं। उनकी आगामी फिल्म निकिता रॉय का पहला पोस्टर हाल ही में जारी किया गया है जिसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी एलान कर दिया गया है। फिल्म सस्पेंस न सही, लेकिन मिस्ट्री से भरी रहने वाली है।

सोनाक्षी सिन्हा की आगामी फिल्म निकिता रॉय एक हॉरर-मिस्ट्री जॉनर की फिल्म है। इससे पहले अभिनेत्री ने हॉरर फिल्म ककुड़ा में काम किया था जिसके लिए उन्हें खूब सराहना मिली थी। अब वह एक और मिस्ट्री हॉरर लेकर आ रही हैं। उनकी पिछली फिल्म भले ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई, लेकिन निकिता रॉय सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म से अभिनेत्री का पहला पोस्टर भी दमदार है।

निकिता रॉय से सोनाक्षी का पहला लुक

19 अप्रैल यानी शनिवार को सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी आगामी फिल्म निकिता रॉय से पहला पोस्टर शेयर कर दिया है। पोस्टर सस्पेंस से भरा है। एक्ट्रेस के साथ-साथ पोस्टर में अर्जुन रामपाल और परेश रावल भी हैं। तीनों अपने-अपने इंटेंस लुक में हैं। पोस्टर में फिल्म के डायरेक्टर कुश सिन्हा भी दिख रहे हैं।

फिल्म का पहला पोस्टर शेयर किए जाने के साथ-साथ यह भी अनाउंस कर दिया गया है कि यह कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म इसी साल 30 मई को बड़े पर्दे पर रिलीज की जाएगी। पोस्ट के साथ सोनाक्षी सिन्हा ने कैप्शन में लिखा है, बिना किसी सस्पेंस... वो पिक्चर में देख लेना। मेरी रहस्यमयी अगली निकिता रॉय का पहला लुक यहां है। फिल्म 30 मई 2025 को सिनेमाघर में रिलीज हो रही है। इस फिल्म का निर्देशन सोनाक्षी के भाई कुश सिन्हा कर रहे हैं।बात करें सोनाक्षी सिन्हा की अगली फिल्म निकिता रॉय की कहानी की तो यह एक डरावनी और रहस्य से भरी फिल्म होगी। यह एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है जिसमें रहस्य और तनाव भरपूर होगा। इस फिल्म को आनंद मेहता, प्रकाश नंद बिजलानी, शक्ति भटनागर, महनाज शेख और प्रेम राज जोशी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

हॉस्टल की दीवारों के पीछे का खौफ दहला देगा दिल!

हॉरर फिल्में और सीरीज देखने पर थोड़ा डर जरूर महसूस होता है, लेकिन इस जॉनर के शौकीन समझ सकते हैं कि ऐसी वेब सीरीज का अपना एक अलग ही मजा होता है। अमेजन प्राइम वीडियो पर खौफ वेब सीरीज रिलीज हुई है। इसकी चर्चा ओटीटी लवर्स के बीच लंबे समय से चल रही थी। बिग बॉस फैंस, तो इसमें चुम दरांग के रोल को लेकर एक्साइडेट थे। अब सीरीज की स्ट्रीमिंग शुरू हो चुकी है। अगर आप वीकेंड पर इस हॉरर शो को देखने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले रिव्यू पढ़ लें। इससे आपको पता चल जाएगा कि खौफ की कहानी क्या है।

खौफ की कहानी एक वर्किंग वुमन हॉस्टल में सेट है, जो वहां की लड़कियों के लिए डर का केंद्र बना हुआ है। छोटे शहर से नौकरी और आजादी की तलाश में आना आज के समय में हर तीसरी लड़की की कहानी को दर्शाता है, लेकिन सीरीज देखते ही देखते खौफ का रूप ले लेती है, जब उन लड़कियों के अतीत की कहानियां पुराने जख्मों पर नमक लगाने का काम करती है, तो कई तरह की डरावनी घटनाएं शुरू हो जाती हैं।

खौफ की कहानी में बड़ा ट्विस्ट आता है, जब ग्वालियर की एक लड़की मधु (मोनिका पंवार) की महिलाओं के हॉस्टल में एंट्री होती है। जहां पहले से ही कुछ डरी हुई महिलाएं (प्रियंका सेठिया, चुम दरांग, रिया शुक्ला, सुची मल्होत्रा) रहती हैं और रात के समय वापस लौटने पर थोड़ा असहज और डर महसूस करती हैं। मधु की एंट्री के बाद इस डरावने हॉस्टल की कहानी आगे बढ़ती है और कई रोचक मोड़ आते हैं, जिन्हें देखकर आपकी रूह कांप सकती है। इस सीरीज में रजत कपूर एक रहस्यमयी हकीम के किरदार में नजर आते हैं, जो पुरानी दिल्ली की तंग गली में बसता है। उनका किरदार अपने अजीब इलाज के लिए जाना जाता है। एक पुलिसवाली और सिंगल मदर (गीतांजलि कुलकर्णी) अपने बेटे के कारण थोड़ा परेशान रहती है, क्योंकि उसका बेटा चुपचाप हकीम के लिए गलत काम करता है। वह परेशान मां अपनी तकलीफ को हॉस्टल की वार्डन (शालिनी वत्स) से सांझा करती हैं।

हॉस्टल में भटकती आत्माएं, खुद अचानक चालू होने वाला ग्राइंडर मिक्सर, खून से लथपथ हमले, और पुरुषों से महिलाओं का बदला जैसे सीन्स डर पैदा करते हैं।

खौफ सीरीज को देखने के बाद इसका सबसे मजबूत पक्ष महिलाओं का किरदार लगा है। एक्टिंग की बात करें, तो मोनिका पंवार ने अपने रोल के साथ न्याय किया है। सीरीज में पुराने जख्मों से जूझ रही महिला अचानक आत्मविश्वास से भर जाती है। इतना ही नहीं, उसका एक्स ब्वॉयफ्रेंड के साथ रिश्ता भी अच्छे से दिखाया गया है, जो आज के युवा को रिलेशनशिप से जुड़ी जरूरी सीख देता है। अगर इसके कमजोर पक्ष की बात करें, तो वह साइकेट्रिस्ट (शिल्पा शुक्ला) का किरदार है। जिस तरह से उसकी एंट्री सीरीज में होती है, वह कहानी के साथ थोड़ा फिट नहीं हो पाती है। वहीं, हकीम के किरदार को थोड़ा डरावना बनाने की कोशिश की गई है, लेकिन वह ज्यादा प्रभावशाली साबित नहीं होता है।

खौफ सीरीज को वीकेंड पर देखा जा सकता है। हमारी तरफ से इसे 2.5 स्टार की रेटिंग दी जा रही है। अगर आपको हॉरर जॉनर पसंद है, तो इसे देख सकते हैं। सीरीज की कास्ट में मोनिका पंवार, शालिनी वत्स, गीतांजलि कुलकर्णी, रजत कपूर, प्रियंका सेठिया, चुम दरांग, रिया शुक्ला, सुची मल्होत्रा, सत्यम शर्मा, सुधाकर मणि, गगन अरोड़ा, डेलजाद हीवाले और शिल्पा शुक्ला शामिल है। वहीं, इसका निर्देशन पंकज कुमार और सूर्या बालकृष्णन ने किया है।

प्रेग्नेंट हैं क्या...?

अमीषा पटेल की बिकिनी फोटोज में दिखाई दिया बेबी बंप!

गदर 2 एक्ट्रेस अमीषा पटेल 49 साल की उम्र में जितनी फिट और फाइन दिखती हैं उससे उनसे हर कोई इंस्पायर होता है। एक्ट्रेस ने ऋतिक रोशन के साथ पिल्म कहो ना प्यार है से डेब्यू किया था और इसके बाद गदर की सकीना बनकर सबका दिल जीत लिया।हालांकि अब अमीषा पटेल की एक लेटेस्ट फोटो ने फैंस को कंफ्यूज कर दिया है। एक्ट्रेस ने ग्रीन कलर की मोनोकिनी में पोज देते हुए एक फोटो शेयर की है जिसमें वो उनका पेट काफी दिखाई दे रहा है। उनकी लेटेस्ट फोटो देखकर फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि वो प्रेग्नेंट हैं?

अमीषा के लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट के अनुसार अभिनेत्री दुबई में छुट्टियां मना रही हैं। एक्ट्रेस ने कई फोटोज और वीडियोज शेयर की है जिसमें उन्होंने ग्रीन कलर की मोनोकिनी बिकनी के ऊपर व्हाइट कलर की शर्ट पहनी है। एक्ट्रेस इसी के साथ पूल में आईस्क्रीम खाती नजर आईं। वहीं एक फोटो में उन्होंने केवल बिकिनी पहनी है जिसमें उनका पेट साफ दिखाई दे रहा है। अमीषा ने अपने बाल खुले रखे हैं और टोपी के साथ धूप वाला काला चश्मा भी पहना हुआ है।

हालांकि, सोशल मीडिया पर तस्वीरें सामने आने के तुरंत बाद फैंस आश्चर्य में पड़ गए। उन्हें लगा कि अभिनेत्री प्रेग्नेंट हैं? एक प्रशंसक ने पूछा। प्रेग्नेंट लग रहे हो..??? या मेरी गलतफेहमी है??? एक अन्य ने लिखा - क्या आप प्रेग्नेंट हैं? एक तीसरी ने कमेंट किया-वह प्रेग्नेंट लग रही हैं। हालांकि कई फैंस उनकी तारीफ भी करते नजर आए। कुछ ने उन्हें खूबसूरत कहा, तो कुछ ने अभिनेत्री को हॉटी कहकर बुलाया।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अमीषा की कहो ना प्यार है इस साल जनवरी में सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुई। एक इंटरव्यू में अपनी इस फिल्म के बारे में बात करते हुए अमीषा ने कहा,एक सामान्य लड़का और लड़की-नेक्स्ट-डोर होने से हम सनसनी बन गए। रोहित और सोनिया पूरे देश के क्रश बन गए। यह कोई साधारण फिल्म नहीं थी। लोगों ने किरदारों को जिया है!

अजित कुमार का विदेशों में धमाका

तमिल सिनेमा के सुपरस्टार अजित कुमार की हालिया रिलीज फिल्म गुड बैड अग्ली बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। रिलीज के महज 8 दिनों के अंदर ही फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर कमाई का एक नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है।

एक्शन कॉमेडी जॉनर की गुड बैड अग्ली इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में शुमार हो गई है। अधिक रविचंद्रन के निर्देशन में बनी फिल्म के आगे सनी देओल की मूवी जाट का भी जादू नहीं चल पाया है। दोनों फिल्में एक ही दिन सिनेमाघरों में आई थीं। गुड बैड अग्ली का वर्ल्डवाइड बिजनेस का नया डाटा जानकर हैरान रह जाएंगे। गुड बैड अग्ली भारतीय सिनेमाघरों में खूब धूम मचा रही है। सिर्फ दो भाषाओं में रिलीज इस फिल्म ने 100 करोड़ रुपये के पार कमाई कर ली है और यह आंकड़ा सिर्फ घरेलू बॉक्स ऑफिस का है। दूसरी ओर वर्ल्डवाइड में इसने 8 दिन के अंदर एक नया रिकॉर्ड बना लिया है। मैत्री मूवी मेकर्स के मुताबिक, अजित कुमार स्टारर फिल्म ने मात्र 8 दिन के अंदर वर्ल्डवाइड 200 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है।बात करें फिल्म की कहानी की तो यह -घ नाम के एक ऐसे गैंगस्टर के इर्द-गिर्द घूमती है जिसे रेड ड्रैगन के नाम से भी जाना जाता है। वह मुंबई का एक खूंखार डॉन था, जिसने 2007 में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया ताकि वह अपनी पत्नी राम्या और बेटे विहान के साथ शांति से जिंदगी जी सके। तभी उसकी जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आता है कि उसे अपना गैंगस्टर वाला रूप दोबारा अपनाना पड़ता है। फिल्म में अजित कुमार तीन अलग-अलग किरदार में नजर आ रही हैं। तृषा कृष्णन, अर्जुन दास, प्रिया प्रकाश वॉरियर और राहुल देव जैसे कलाकार अहम भूमिका में हैं।

सूर्याष्टक पाठ से सूर्यदेव की मिलेगी विशेष कृपा

प्रबल भाग्य से तेज रफ्तार से बढ़ेगा करियर

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को ग्रहों का राजा माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अगर सूर्यदेव को आत्मा का प्रतीक माना जाता है। इसके अलावा सूर्यदेव भाग्य, मान-सम्मान, अधिकारीवर्ग, नेतृत्व क्षमता, पिता, शक्ति और ऊर्जा के कारक माने जाते हैं। सूर्यदेव की कृपा से व्यक्ति को भाग्य का साथ हर कदम पर मिलता है। सूर्यदेव की कृपा से व्यक्ति न केवल करियर में सफलता पाता है बल्कि उसका मान-सम्मान भी बढ़ता जाता है। इसका अर्थ यह है कि व्यक्ति को प्रबल भाग्य के लिए सूर्यदेव की कृपा प्राप्त करना बहुत जरूरी है। आपको अगर मेहनत करने के बाद भी सफलता नहीं मिल पा रही है, तो तुरंत फल पाने के लिए आपको सूर्याष्टक का पाठ जरूर करना चाहिए।

सूर्यदेव को प्रसन्न करने के लिए सूर्याष्टक पाठ

आदि देव नमस्तुभ्यं प्रसीद मम भास्कर:।
दिवाकर नमस्तुभ्यं प्रभाकर नमोऽस्तुते ।।
सप्ताश्वरथ मारुढ़ं प्रचण्डं कश्यपात्पजम्।
श्वेत पद्मधरं तं देवं तं सूर्यं प्रणमाम्यहम् ।।
लोहितं रथमारुढं सर्वलोक पितामहम्।
महापाप हरं देवं तं सूर्य प्रणमाम्यहम्
त्रैगुण्यं च महाशूरं ब्रह्मा विष्णु महेश्वरं।
महापापं हरं देवं तं सूर्य प्रणमाम्यहम् ।।
वृहितं तेज: पुञ्जच वायुराकाश मेव च।
प्रभुसर्वलोकानां तं सूर्य प्रणमाम्यहम् ।
बन्धूक पुष्प संकाशं हार कुंडल भूषितम्।
एक चक्र धरं देवं तं सूर्यं प्रणमाम्यहम् ।
तं सूर्य जगत् कर्तारं महातेज: प्रदीपनम्।
महापाप हरं देवं तं सूर्य प्रणमाम्यहम् ।
तं सूर्य जगतां नाथं ज्ञान विज्ञान मोक्षदम्।
महापापं हरं देवं तं सूर्यं प्रणमाम्यहम्
सूर्याष्टकं पठेन्नित्यं गृहपीड़ा प्रणाशनम।
अपुत्रो लभते पुत्रं दरिद्रो धनवान भवेत।
अभिषं मधु पानं च य: करोत्तिवेदिने।
सप्तजन्म भवेद्रोगी जन्म-जन्म दरिद्रता।
स्त्री तेल मधुमां-सा नित्य स्त्यजेन्तु रवेद्रिने।
न व्याधि: शोक दारिद्रयं सूर्यलोकं सगच्छति

सूर्याष्टक पाठ करने के नियम

-रविवार के दिन जल्दी उठकर सूर्यदेव को जल अर्पित करें। इसके बाद कम से कम 7 बार सूर्याष्टक का पाठ जरूर करें।

-सूर्याष्टक का पाठ रविवार के दिन करना सबसे ज्यादा उत्तम है लेकिन आप रोजाना सूर्योदय के समय पर सूर्याष्टक का पाठ कर सकते हैं।

-सूर्याष्टक का पाठ करने से पहले नमक का सेवन न करें।

-शुरुआत में 7 रविवार जरूर करें सूर्याष्टक का पाठ।

त्रिपुष्कर योग में आज मनाई जाएगी भानु सप्तमी

वैदिक पंचांग के अनुसार रविवार 20 अप्रैल को भानु सप्तमी है। यह पर्व हर महीने कृष्ण और शुक्ल पक्ष के दिन मनाया जाता है। रविवार के दिन पड़ने पर भानु सप्तमी का महत्व और बढ़ जाता है। इस शुभ तिथि पर आत्मा के कारक सूर्य देव की पूजा की जाती है। साथ ही दान-पुण्य किया जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि रविवार 20 अप्रैल को भानु सप्तमी है। वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि पर कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इनमें दुर्लभ त्रिपुष्कर योग का भी संयोग बन रहा है। इन योग में सूर्य देव की पूजा करने से साधक को अक्षय और अमोघ फल की प्राप्ति होगी। यह पर्व पूर्णतया सूर्य देव को समर्पित होता है। इस शुभ अवसर पर साधक गंगा नदी में स्नान करते हैं। साथ ही मां गंगा और सूर्य देव की पूजा करते हैं। सुविधा न होने पर घर पर पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करते हैं। इसके बाद भक्ति भाव से सूर्य देव की पूजा करते हैं।

धार्मिक मत है कि सूर्य देव की उपासना करने से साधक को हर काम में सफलता मिलती है। साथ ही शारीरिक एवं मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। भानु सप्तमी पर साधक अपनी इच्छा अनुसार अन्न, जल और धन का दान भी करते हैं। अगर आप जाने-अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति और जॉब में तरक्की पाना चाहते हैं, तो भानु सप्तमी के दिन गंगा स्नान कर सूर्य देव की पूजा करें। वहीं, पूजा के समय मां गंगा के नामों का जप करें।

तिथि – वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि 19 अप्रैल को शाम 06:21 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि का समापन 20 अप्रैल को शाम 07 बजे होगा। उदया तिथि की गणना से 20 अप्रैल को भानु सप्तमी है।

त्रिपुष्कर योग– भानु सप्तमी पर दुर्लभ त्रिपुष्कर योग का संयोग बन रहा है। इस योग का संयोग

दोपहर 11:48 मिनट से बन रहा है। वहीं, त्रिपुष्कर योग का समापन शाम 07 बजे होगा। इस दौरान सूर्य देव की पूजा एवं उपासना करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी।

शुभ योग – भानु सप्तमी पर सिद्ध योग का संयोग है। सिद्ध योग देर रात 12 13 मिनट तक है। भानु सप्तमी पर सिद्ध योग में सूर्य देव की पूजा करने से शुभ कामों में सफलता मिलेगी। साथ ही सभी बिगड़े काम बनने लगेंगे। इसके अलावा, आरोग्यता का वरदान भी मिलता है। इस शुभ अवसर पर पूर्वाषाढा और उत्तराषाढा नक्षत्र का भी संयोग है।

पूजा विधि –भानु सप्तमी के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर नहा लें और साफ-सुथरे कपड़े पहनें। फिर सूर्य को तांबे के लोटे से अर्घ्य दें। इसमें शुद्ध जल के साथ थोड़ा लाल चंदन, अक्षत (चावल) और लाल फूल डालें। अर्घ्य देते समय सूर्य मंत्र का जाप करें। मंत्र इस प्रकार है – 'ॐ घृणि सूर्याय नमः'। फिर हाथ जोड़कर व्रत का संकल्प लें और सूर्य देव की पूजा करें। उन्हें लाल फूल, धूप, नैवेद्य और अक्षत अर्पित करें। सूर्य देव की आरती करें और भानु सप्तमी की कथा सुनें या पढ़ें। इसके बाद किसी ब्राह्मण को भोजन कराएं और गाय को हरा चारा खिलाएं। दिन के अंत में जरूरतमंद लोगों को कुछ दान देना भी बहुत पुण्य का काम माना गया है। व्रत का पारण मीठे भोजन से करें और कोशिश करें कि इस दिन नमक न खाएं।

महत्व –पौराणिक मान्यता के अनुसार, जब पहली बार सूर्य का प्रकाश धरती पर पड़ा था, उस दिन शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि थी। तभी से इस तिथि को भानु सप्तमी के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन जो भी भक्त सच्चे मन से व्रत रखता है और पूजा करता है, उस पर सूर्य देव की विशेष कृपा होती है। माना जाता है कि इस व्रत से शरीर की बीमारियां दूर होती हैं, आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन में नई ऊर्जा आती है।

त्रिपुष्कर योग में भानु सप्तमी पूजा का मनोवांछित फल

भानु सप्तमी पर दुर्लभ त्रिपुष्कर योग का संयोग बन रहा है। इस योग का संयोग सुबह 11:48 बजे बन रहा है। वहीं, त्रिपुष्कर योग का समापन शाम 07 बजे होगा। इस दौरान सूर्य देव की पूजा एवं उपासना करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी।

भानु सप्तमी पर सिद्ध योग, बनेगे बिगड़े काम

ज्योतिषाचार्य के अनुसार भानु सप्तमी पर सिद्ध योग का भी संयोग है। सिद्ध योग देर रात 12 13 बजे तक है। भानु सप्तमी पर सिद्ध योग में सूर्य देव की पूजा करने से शुभ कामों में सफलता मिलेगी। साथ ही सभी बिगड़े काम बनने लगेंगे। इसके अलावा, आरोग्यता का वरदान भी मिलता है। इस शुभ अवसर पर पूर्वाषाढ़ और उत्तराषाढ़ नक्षत्र का भी संयोग है।

क्यों मनाते हैं भानु सप्तमी

ज्योतिषाचार्य के अनुसार जब पहली बार सूर्य का प्रकाश धरती पर पड़ा था, उस दिन शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि थी। तभी से हर सप्तमी को भानु सप्तमी के रूप में मनाया जाता है। इसलिए हर महीने में कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष की सप्तमी पर भानु सप्तमी मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन जो भी भक्त सच्चे मन से व्रत रखता है और पूजा करता है, उस पर सूर्य देव की विशेष कृपा होती है। माना जाता है कि इस व्रत से शरीर की बीमारियां दूर होती हैं, आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन में नई ऊर्जा आती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

एकादशी पर लाभ देंगे तुलसी से जुड़े यह कार्य, बनी रहेगी श्रीहरि कृपा

पंचांग के अनुसार, इस बार वरूथिनी एकादशी का व्रत 24 अप्रैल को किया जाएगा। एकादशी के दिन तुलसी का महत्व और भी बढ़ जाता है। ऐसे में रूथिनी एकादशी के दिन तुलसी से संबंधित कुछ नियमों का ध्यान रखकर भगवान विष्णु के साथ-साथ मां लक्ष्मी की भी कृपा के पात्र बन सकते हैं।

मिलेगी विष्णु जी की कृपा

भगवान विष्णु का भोग तुलसी के बिना अधूरा माना जाता है। ऐसे में एकादशी के दिन विष्णु जी के भोग में तुलसी जरूर शामिल करें। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि एकादशी के दिन तुलसी तोड़ना वर्जित होता है, ऐसे में आप एक-दो दिन पहले ही तुलसी के पत्ते उतारकर रख सकते हैं।

जरूर करें ये काम

एकादशी के दिन शाम के समय तुलसी के पास घी का दीपक भी जलाएं और तुलसी मंत्रों का जाप कर आरती करें। इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और साधक को सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। आप पूजा के दौरान तुलसी जी के इन मंत्रों का जप कर सकते हैं –

महाप्रसाद जननी सर्व सौभाग्यवर्धिनी,

आधि व्याधि हरा नित्यं तुलसी त्वं नमोस्तुते।।

तुलसी नामाष्टक मंत्र –

वृंदा वृंदावनी विश्वपूजिता विश्वपावनी। पुष्पसारा नंदनीय तुलसी कृष्ण जीवनी।।
एतभामांष्टक चैव स्त्रोतं नामर्थं संयुतम। य: पठेत तां च सम्पूज्य सौश्रमेघ फलंलमेता।।

भूलकर भी न करें ये काम

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, एकादशी तिथि पर तुलसी में जल अर्पित नहीं करना चाहिए और न ही इस दिन पर तुलसी के पत्ते तोड़ने चाहिए। इसी के साथ तुलसी के आस-पास साफ-सफाई का भी पूरा ध्यान रखें।

तुलसी को गंदे या फिर जूठे हाथों से नहीं छूएं। इन सभी नियमों को नरजअंदाज करने से आपका एकादशी व्रत खंडित हो सकता है। अगर आप एकादशी व्रत नहीं भी करते हैं, तब भी इन नियमों का ध्यान रखना जरूरी है।

आज त्रिदेव की कृपा का लाभ दिलाएगा त्रिपुष्कर योग

मेष-कर्क समेत अन्य राशियों को होगा अप्रत्याशित धन लाभ

आज सप्तमी तिथि का संयोग बना है। और दिन रविवार होने से दिन और तिथि के स्वामी सूर्यदेव होंगे। और तो और कल सूर्यदेव का शुभ योग रवियोग भी वर्तमान रहेगा। और कल के दिन चंद्रमा धनु उपरांत मकर राशि में उत्तराषाढा नक्षत्र से संचार कर रहा है। और इसके साथ ही कल के दिन त्रिपुष्कर योग का भी संयोग बना है जो त्रिदेवों की कृपा का लाभ दिलाने वाला योग है जिसके प्रभाव से मेष, कर्क, तुला, वृश्चिक और मीन राशि के जातकों को भाग्य कई क्षेत्रों से लाभ और कामयाबी प्रदान करेगा। तो आइए जानते हैं इसके साथ कल रविवार के उपाय भी, जिससे आपका दिन भाग्यशाली बनेगा।

मेष राशि– मेष राशि के जातकों के लिए रविवार का दिन त्रिदेव की कृपा से शानदार रहने वाला है। कल कारोबार में नए मौके मिलेंगे। साहसिक फैसले आपको अच्छा धन लाभ दिलाएंगे। तांबे, खनिज, सीमेंट आदि से जुड़ा काम करने वालों को अच्छा मुनाफा होगा। आय के साधनों में बढ़ोतरी होगी। सुख-सुविधाओं में इजाफा होने से मन खुश रहेगा। कार्यक्षेत्र में तरक्की के नए अवसर प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा जातकों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। कम मेहनत में ज्यादा लाभ कमाने के आसार हैं। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति के मार्गदर्शन की मदद से आपको लाभ होगा। पुराना उधार वापस मिल सकता है। आत्मविश्वास में इजाफा होगा। दांपत्य जीवन सुख-शांति भरा रहेगा। जीवनसाथी की मदद से आप लाभ कमाने में कामयाब होंगे। पिता का सहयोग प्राप्त होगा। संपत्ति से जुड़े कार्यों में लाभ होगा।

मेष राशि : सुबह सूर्यदेव को रोली डालकर तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं। इस दौरान एहि सूर्य सहस्त्रांशो तेजो राशे जगत्पते। अनुकम्पयं मां भक्त्या गृहाणार्घ्यं दिवाकर मंत्र का जप करें।

कर्क राशि – कर्क राशि के जातकों की किस्मत रविवार के दिन सूर्य की कृपा से चमकेगी। कल अचानक धन लाभ हो सकता है। नौकरी की तलाश में भटक रहे जातकों को कल प्राइवेट सेक्टर से कोई खुशखबरी प्राप्त हो सकती है। कारोबार के लिहाज से दिन अनुकूल रहने वाला है। कल रचनात्मक कार्यों से जुड़े जातकों को विशेष रूप से सफलता मिल सकती है। यातायात और टूरिज्म सेक्टर से जुड़े कर्क राशि के लोग अच्छी कमाई करेंगे। भोग-विलास और सुख-सुविधाओं के साधनों में बढ़ोतरी होगी। व्यापार के सिलसिले में किसी यात्रा पर जा सकते हैं। यह यात्रा आपके लिए मनचाहा परिणाम दिलाने वाली होगी। परिवार में कल खुशियों का माहौल रहेगा। संतान की तरफ से कोई खुशखबरी मिल सकती है। किसी धार्मिक आयोजन की तैयारी कर सकते हैं। कुल मिलाकर कल भाग्य का साथ मिलने वाला है।

कर्क राशि : सूर्य देव को अर्घ्य देने के बाद 108 बार ॐ घृणि सूर्याय नम: मंत्र का जप करें।

तुला राशि – तुला राशि वालों के लिए रविवार का दिन कारोबार के लिहाज से जबरदस्त रहने वाला है। कल आपकी आय में इजाफा होगा। किसी पुराने क्लाइंट का भरोसा आप पर फिर बन सकता है और आपको अच्छा सौदा हासिल हो सकता है। कार्यक्षेत्र में विरोधी सक्रिय जरूर होंगे, लेकिन आप अपनी विवेकशीलता के दम पर उन्हें पराजित करने में सफल होंगे। नौकरी आदि की तलाश कर रहे लोगों को नया काम मिल सकता है। सोना, अगरबत्ती, इत्र, पान आदि का काम करने वालों को अच्छा मुनाफा कमाने का मौका मिलेगा। नौकरी में तरक्की के नए अवसर प्राप्त होंगे। भाइयों में प्रेम बना रहेगा। पिता का सहयोग मिलेगा। अगर निवेश करने की योजना बना रहे हैं तो संपत्ति आदि में धन लगाना फायदेमंद हो सकता है। जीवनसाथी के साथ संबंध प्रेमपूर्वक रहेंगे। विवाह योग्य जातकों के लिए शादी का रिश्ता आ सकता है।

तुला राशि : तुला राशि वाले सुबह-शाम घर के द्वार पर घी का दीया जलाएं। सुबह सूर्य को अर्घ्य देने के बाद सूर्य चालीसा का पाठ करें।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि वालों के लिए रविवार का दिन भाग्यशाली रहने वाला है। कल आपकी आय के साधनों में बढ़ोतरी हो सकती है। तकनीक, आयात-निर्यात, इलेक्ट्रॉनिक्स का काम करने वालों को कल विशेष रूप से लाभ हो सकता है। पार्टनरशिप में काम करने वालों के लिए दिन खास तौर पर अच्छा रहने वाला है। धन लाभ के आसार हैं। किसी पुराने विवाद में आपके पक्ष में फैसला हो सकता है। माता का सहयोग प्राप्त होगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन ठीकठाक रहने वाला है। घरेलू कार्यों में जीवनसाथी का सहयोग मिलने से मन खुश रहेगा। ससुराल से लाभ हो सकता है। करीबी मित्रों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। बाहर घूमने की योजना बना सकते हैं। प्रेम संबंधों में पार्टनर के साथ तालमेल बना रहेगा। बच्चों की शिक्षा को लेकर चली आ रही किसी परेशानी का समाधान निकल सकता है।

वृश्चिक राशि : स्नान-ध्यान के बाद पूजन के दौरान 1 माला गायत्री मंत्र का जप करें। गाय को गुड़ और रोटी खिलाएं।

सिंह राशि – भानु सप्तमी 2025 पर हने शुभ योग का फायदा सिंह राशि वालों को मिलेगा। सिंह राशि वालों के मान सम्मान में अच्छी वृद्धि होगी और अपनी वाणी व कौशल से सभी का दिल जीतने में सफल रहेंगे। समाज के कई खास लोगों के साथ आपका उठना बैठना शुरू होगा, जिससे आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। शुभ योग के प्रभाव से सिंह राशि वालों को धन प्राप्ति के कई अवसर मिलेंग और आपको प्रतिभा दिखाने का मौका भी मिलेगा।

मकर राशि – भानु सप्तमी 2025 पर बन रहे शुभ योग से मकर राशि वालों को शत्रुओं से मुक्ति मिलेगी और आपके विचारों से लोग काफी प्रभावित भी होंगे, जिसकी वजह से आपके सलाह भी लेंगे। आपके द्वारा की गई मेहनत का पूरा फल मिलेगा और सफलता आपको ऊंचाइयों पर ले जाएगी। नौकरी व कारोबार करने वालों की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा और आप अधिक प्रेरित भी होंगे।

सुबह उठते ही भूलकर भी न देखें ये पांच चीजें, कार्यों में आ सकती हैं रुकावटें

आज के समय में हर कोई इंसान चाहता है कि उसका जीवन खुशहाल हो। उसे किसी भी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े, लेकिन अगर आप वास्तु के नियम का पालन नहीं करते हैं, तो इससे आपके जीवन में कई तरह की समस्याएं आ सकती हैं और मां लक्ष्मी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, सुबह उठते ही कुछ चीजों को भूलकर भी नहीं देखना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि कुछ चीजों को देखने से मन में नकारात्मक ऊर्जा आती है। साथ ही दिन खुशियों से भरा नहीं होता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि सुबह उठते ही किन चीजों को भूलकर भी नहीं देखना चाहिए?

भूलकर भी न देखें ये चीजें

वास्तु शास्त्र के अनुसार, रात के समय जूठे बर्तन नहीं छोड़ने चाहिए। अगर किसी वजह से रात को जूठे बर्तन साफ नहीं कर पाएं, तो उन्हें सुबह उठते के साथ ही न देखें। ऐसा माना जाता है कि सुबह उठने के साथ ही जूठे बर्तनों को देखने से मन में नकारात्मक ऊर्जा का आगमन होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, रात को जूठे बर्तन छोड़ने से घर में मां अन्नपूर्णा का वास नहीं होता है, जिसकी वजह से व्यक्ति को जीवन में अन्न की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

वास्तु शास्त्र की मानें तो घर या ऑफिस में बंद घड़ी को रखना अशुभ माना जाता है। घड़ी को लगाने के लिए पूर्व और उत्तर दिशा को शुभ माना जाता है। सुबह उठते ही बंद घड़ी को देखने से दिन खराब हो सकता है और कामों में बाधा का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए अगर आपके भी घर में बंद घड़ी है, तो उसे ठीक करवा लें या घर से बाहर निकाल दें।

इसके अलावा सुबह उठते ही अपनी या किसी व्यक्ति की परछाई को देखना अशुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, परछाई को देखने से कामों को पूरा करने के लिए समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा उठते ही कूड़ेदान और झाड़ू को भी नहीं देखना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि इन चीजों को देखने से व्यक्ति आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

जिज्ञासा

जेटलैग क्या है?

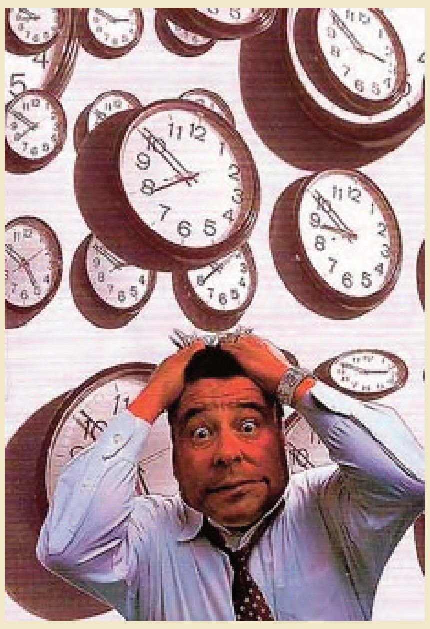

जब आप हवाई सफर करते हैं, तो दूसरे देश में पहुंचकर ज्यादा थकावट महसूस होती है। क्या आप जानते हैं कि ऐसा क्यों होता है?

वैज्ञानिक भाषा में इस तरह होने को जैटलैग कहा जाता है। यानी अलग-अलग समयचक्र वाले देशों में जाने पर थकान ज्यादा महसूस होती है। वैज्ञानिकों ने अब पता लगाया है कि आदमी के दिमाग में दो समय केंद्र होते हैं, जिनमें से एक तो घड़ी के मुताबिक चलता है और दूसरा दिन निकलने और रात होने के प्रभाव में रहता है। वैज्ञानिकों के अनुसार जब दिमाग के ये दोनों केंद्र आपस में तालमेल नहीं बिठा पाते, तो जैटलैग महसूस होता है। वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि इन कारणों का पता लगाए जाने के बाद ऐसी कोई दवाई बनाई जा सकती है, जिससे जैटलैग पर काबू पाया जा सके। असल में दिमाग में सुपराशियास्मेटिक न्यूक्लियस नाम के एक छोटा-सा हिस्सा होता है जो नींद, हारमोन और शरीर के तापमान के उतार-चढाव को नियंत्रित करता है। कहा जाता है कि दिमाग का यही हिस्सा दिन निकलने और दिन ढलने जैसे बाहरी तत्वों के असर में रहता है। दिमाग का दूसरा छोटा हिस्सा 24 घंटे के चक्र से प्रभावित होता है और यह बाहरी तत्वों से अप्रभावित रहता है।

हमारा राष्ट्रीय जलीयजीव डॉलफिन

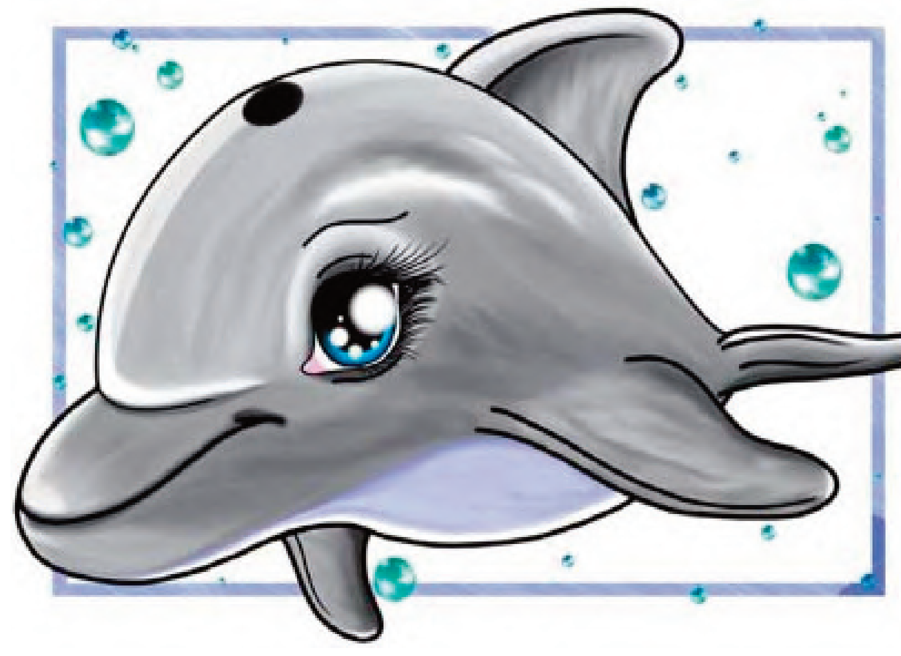

बच्चो, आज से कुछ देर पहले हमने आपको अपने देश के चिन्हों के बारे में बताया था। अपने देश की अन्य जरूरी और राष्ट्रीय वस्तुओं के बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए। इसलिए आइए आज आपको देश की कुछ अन्य चीजों के बारे में बताते हैं, जिन्हें देश के प्रतीक के रूप में पहचाना जाता है। यह ऐसी चीजें हैं, जिनके बारे में आपने सुना तो होगा, लेकिन यह पता नहीं होगा कि ये हमारे राष्ट्र से जोड़कर देखी जाती हैं। आइए इन पर एक नजर डालें—

राष्ट्रीय नदी

गंगा नदी भारत की राष्ट्रीय नदी है। यह हमारे देश की सबसे लंबी नदी है, जो पर्वतों, घाटियों और मैदानों में 2,510 किलोमीटर की दूरी तय करती है। यह हिमालय के गंगोत्री ग्लेशियर में भागीरथि नदी के नाम से बर्फ के पहाड़ों के बीच जन्म लेती है। इसमें आगे चलकर अन्य नदियां जुड़ती हैं, जैसे कि अलकनंदा, यमुना, सोन, गोमती, कोसी और घाघरा। गंगा नदी का बेसिन विश्व के सबसे अधिक उपजाऊ क्षेत्र के रूप में जाना जाता है और यहां सबसे अधिक घनी आबादी निवास करती है। नदी पर दो बांध बनाए गए हैं- एक हरिद्वार में और दूसरा फरक्का में। इस नदी को शास्त्रों में भी पवित्र नदी कहा गया है। मुख्य धार्मिक आयोजन नदी के किनारे स्थित शहरों में किए जाते हैं जैसे वाराणसी, हरिद्वार और इलाहाबाद। बंगाल की खाड़ी में मिलकर इसकी यात्रा पूरी होती है।

जलीय जीव

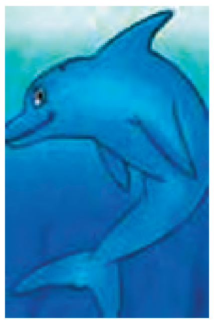

आपको यह जरूर पता होना चाहिए कि डॉलफिन मछली हमारा राष्ट्रीय जलीय जीव है। मगर इसमें एक बात ध्यान में रखें कि जिस डॉलफिन को राष्ट्रस जलीय जीव की सज्ञा दी गई है, वो मीठे पानी की डॉलफिन है। खास बात यह है कि यह हमारी पवित्र नदी गंगा में ही पाई जाती है। यह केवल शुद्ध और मीठे पानी में ही जीवित रह सकती है। प्लेटेनिस्टा गेंगेटिका नामक यह मछली लंबे नोकदार मुंह वाली होती है और इसके ऊपरी तथा निचले जबड़ों में दांत भी दिखाई देते हैं। इनकी आंखें लैंस रहित होती हैं और इसलिए ये केवल प्रकाश की दिशा का पता लगाने के साधन के रूप में कार्य करती हैं। इस स्तनधारी जंतु का माथा होता है जो सीधा खड़ा होता है। इन्हें स्थानीय भाषा में इसे सुसु कहा जाता है क्योंकि यह सांस लेते समय ऐसी ही आवाज निकालती हैं। इस प्रजाति को भारत, नेपाल, भूटान और बंगलादेश की गंगा, मेघना और ब्रह्मपुत्र नदियों में तथा बंगलादेश की कर्णफूली नदी में देखा जा सकता है। पिछले समय में इस प्रजाति का बड़ी तादाद में शिकार किया गया, जिस कारण ये अब संकट में आ गई है। भारत सरकार ने इसे वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम 1972 में शामिल किया है।

राष्ट्रीय पेड़

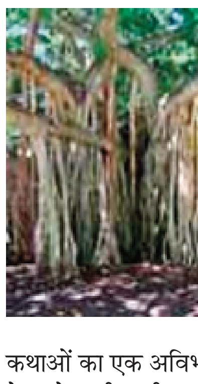

भारतीय बरगद का पेड़ फाइकस बैंगालेंसिस, जिसकी शाखाएं और जड़ें एक बड़े हिस्से में एक नए पेड़ के समान लगने लगती हैं, को राष्ट्रीय पेड़ बनाया है। इसके लंबे जीवन की विशेषता के कारण इसे अनश्वर माना जाता है। यह भारत के इतिहास और लोक कथाओं का एक अविभाज्य अंग है। आज भी बरगद के पेड़ को ग्रामीण जीवन का केंद्र बिंदु माना जाता है और गांव की परिषद इसी पेड़ की छाया में बैठक करती है। देश के विभिन्न इलाकों में इस पेड़ की पूजा की जाती है। शहरों में इस पेड़ की संख्या बहुत कम हो चुकी है। हम सबको इस ओर ध्यान देना चाहिए।

राष्ट्रीय पंचांग

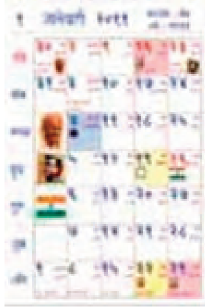

हमारा राष्ट्रीय कैलेंडर शक संवत पर आधारित है, चैत्र इसका माह होता है। राष्ट्रीय कैलेंडर की तिथियां ग्रेगोरियम कैलेंडर की तिथियों से स्थाई रूप से मिलती-जुलती हैं। सामान्यत: 1 चैत्र 22 मार्च को होता है और लीप वर्ष में 21 मार्च को।

राष्ट्रीय पशु

राजसी बाघ, तेंदुआ टाइग्रिस धारीदार जानवर है। इसका मोटा पीला लोमचर्म का कोट होता है, जिस पर गहरी धारीदार पट्टियां होती हैं। लावण्यता, ताकत, फुर्तीलापन और अपार शक्ति के कारण बाघ को भारत के राष्ट्रीय जानवर के रूप में गौरवान्वित किया है। ज्ञात आठ किस्मों की प्रजाति में से शाही बंगाल टाइगर (बाघ) उत्तार पूर्वी क्षेत्रों को छोड़कर देश भर में पाया जाता है और पड़ोसी देशों में भी पाया जाता है, जैसे नेपाल, भूटान और बांग्लादेश। भारत में बाघों की घटती जनसंख्या की जांच के लिए अप्रैल 1973 में प्रोजैक्ट टाइगर (बाघ परियोजना) शुरू किया गया।

राष्ट्रीय फल

अंत में एक और जरूरी बात। हमारा राष्ट्रीय फल एक गूदे दार फल है, जो पकने पर खाया जाता है। अगर यह कच्चा हो, तो इसका आचार डाला जाता है। जी हां, यह मेग्नीफेरा इंडिका का फल अर्थात आम है, जो गर्म इलाकों का सबसे अधिक महत्वपूर्ण और व्यापक रूप से उगाया जाने वाला फल है। इसका रसदार फल विटामिन ए, सी तथा डी का एक समृद्ध स्त्रोत है। भारत में विभिन्न आकारों, मापों और रंगों के आमों की 100 से अधिक किस्में पाई जाती हैं। आम को बहुत पुराने समय से भारत में उगाया जाता रहा है। कवि कालीदास ने इसकी प्रशंसा में गीत लिखे हैं।

बारिश के बाद इन्द्रधनुष क्यो?

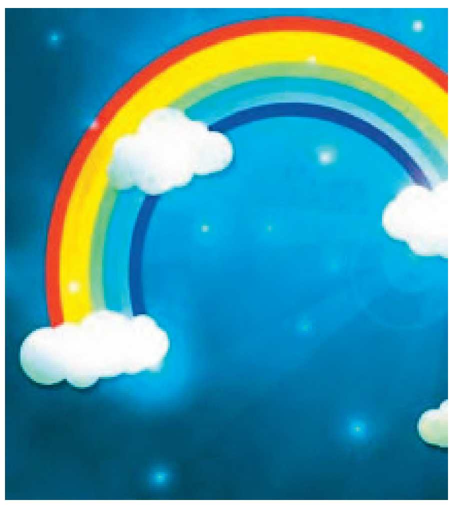

बच्चो, बारिश होकर हटने के बाद जब एकदम धूप निकलती है, तो आपको आसमान पर आसमान में इंद्रधनुष दिखाई देता है। क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों और कैसे होता है?

आसमान में इंद्रधनुष का बनना असल में बारिश की नन्ही बूंदों का कमाल है। बारिश के दिनों में बारिश की नन्ही-नन्ही बूंदें प्रि म का काम करती हैं। इंद्रधनुष के बनने का सिद्धांत यह है कि जब प्रकाश एक माध्यम से दूसरे माध्यम में प्रवेश करता है, तो थोड़ा सा झुक जाता है।

एक नन्ही बूंद में दो सतहें होती है। जब सूर्य का प्रकाश बूंद के अंदर प्रवेश करता है, तो पहली सतह से टकराकर वह थोड़ा झुक जाता है। अब यह हम जानते ही हैं कि सूर्य के प्रकाश में सात रंग होते हैं, तो रंगों के बंडल बूंद में प्रवेश करने के बाद अलग-अलग रंग अपने-अपने हिसाब से झुकते हैं और सातों रंग दिखाई देने लगते हैं। और फिर जब अलग-अलग हुए रंग दूसरी सतह से बाहर निकलते हैं, तो फिर से थोड़ा-थोड़ा झुक जाते हैं और एक रंग का एक पट्टा दूसरे से अलग हो जाता है। इस तरह दो बार झुकने के कारण हमें रंगीन धनुष जैसी आकृति आसमान में दिखाई देती है, जिसे हम इंद्रधनुष कहते हैं। लाल रंग का प्रकाश कम मुड़ता है और इसलिए वह इंद्रधनुष में सबसे ऊपर दिखाई देता है, जबकि बैंगनी रंग का प्रकाश सबसे ज्यादा मुड़ता है इसलिए वह सबसे नीचे होता है।

सागरमथा

माउंट एवरैस्ट बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए धर्म का प्रतीक है। नेपाल में माउंट एवरैस्ट को सागरमथा कहा जाता है, जिसका अर्थ है आकाश में माथा...

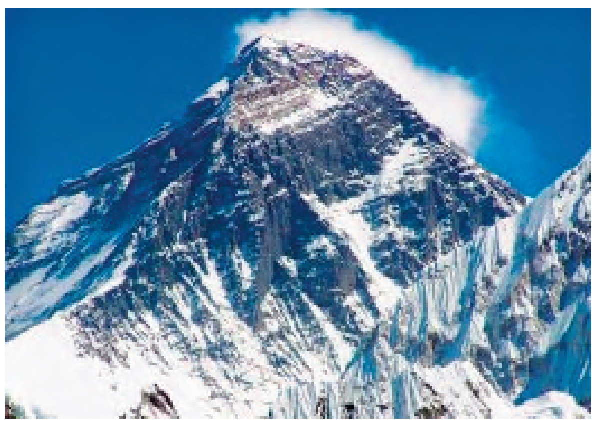

माउंट एवरैस्ट दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है। इसकी ऊंचाई 8,848 मीटर (29,028 फुट) है। दुनिया की सबसे ऊंची ईमारत बुर्ज दुबई से भी यह करीब साढ़े बारह गुना ऊंची है। कई वैज्ञानिकों का मानना है कि इसकी ऊंचाई हर साल एक इंच बढ़ जाती है।

तिब्बती भाषा बोलने वाले माउंट एवरैस्ट को 'चोमोलूंगमा' कहते हैं, जिसका अर्थ है 'देवी, दुनिया की मां'। इसका नाम सर जॉर्ज एवरैस्ट के नाम पर रखा गया। वह 1829 से 1843 तक भारत में सर्वेयर जनरल थे। माउंट एवरैस्ट की लोकेशन व ऊंचाई रिकॉर्ड करने वाले वह पहले व्यक्ति थे। 1856 में इस बात की पुष्टि की गई कि यह दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है।

माउंट एवरैस्ट ग्लेशियर्स से ढंका हुआ है। यहां का तापमान शून्य से 45 डिग्री सैल्यिस नीचे तक गिर सकता है। यहां इतनी ठंड होती है कि प्लास्टिक भुरभुरा हो जाता है, बैटरियां काम करना बंद कर देती हैं और थूक जमीन पर पहुंचने से पहले ही जम जाती है।

माउंट एवरैस्ट की ऊंचाई दुनिया भर के पर्वतारोहियों को आकर्षित करती है। अब तक करीब चार हजार लोगों ने इस चुनौती को पूरा करने की कोशिश की है। इनमें से अधिकतर कोशिशें मॉनसून से पहले मई में और मॉनसून के बाद सितंबर व अ तूबर के महीनों के दौरान की गईं।

25,000 वर्ग फुट की ऊंचाई पर समुद्र के तल की अपेक्षा ऑक्सीजन केवल एक-तिहाई ही है। इस कारण हाइपोथर्मिया व फ्रोस्ट-बाइट की समस्याओं के अलावा फेफड़ों व दिमाग से संबंधित परेशानियां भी हो सकती हैं। जो पर्वतारोही अपने साथ ऑक्सीजन लेकर चढ़ाई करते हैं, उनमें भी कमजोरी, फैसला लेने में कठिनाई, सिर दर्द, नॉजिया, डबल विजन और कई बार मतिभ्रम के लक्षण देखने को मिलते हैं। इसके बावजूद कई पर्वतारोहियों ने बगैर ऑक्सीजन के एवरैस्ट की चोटी तक पहुंचने में सफलता हासिल की है।

- 29 मई, 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नॉर्वे एवरैस्ट की चोटी पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति थे।
- सबसे तेज गति से पहाड़ की चोटी पर पहुंचने का रिकॉर्ड फ्रांस के जीन-मार्क बॉयविन के नाम है। वह पैराग्लाइडर से केवल 11 मिनट में एवरैस्ट की चोटी पर उतरने में सफल रहे।
- नेपाल के मोनो मुलेपति और पेम दोरजी शेरपा ने 30 मई, 2005 को यहां विवाह रचाया। शादी की रस्मों को पूरा करने के लिए वे एक पुजारी को भी अपने साथ लेकर गए। वो भी एक पर्वतारोही था।
- 76 साल की उम्र में एवरैस्ट की चोटी पर चढ़ने वाले मिन बहादुर शेरचन सबसे बड़ी उम्र के थे।
- नेपाल का 15 वर्षीय तेंबा तशेरी माउंट एवरैस्ट पर चढ़ने वाला सबसे छोटी उम्र का व्यक्ति था।
- 16 मई, 1973 को एवरैस्ट की चोटी पर पहुंचे वाली पहली महिला जापान की जूंको तबई थी।
- माउंट एवरैस्ट की चोटी पर सबसे ज्यादा समय बिताने का रिकॉर्ड बाबू चिरी शेरपा के नाम है। उन्होंने यहां साढ़े इक्कीस घंटे बिताए।

गुरुवे नमः

घर में हमें माता-पिता, बड़े भाईबहनों और परिवार के अन्य सदस्यों से शिक्षा मिलती है और घर से बाहर स्कूल और कॉलेज में हमारे शिक्षक हमें शिक्षा प्रदान करके जीवन जीने का सही रास्ता दिखाते हैं। हमारे जीवन में शिक्षक का स्थान बड़ा ऊंचा है। इसलिए शिक्षक को राष्ट्रनिर्माता भी कहा जाता है।

हमारे महापुरुषों ने भी गुरु को ईश्वर से बड़ा दर्जा दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर ईश्वर और गुरु दोनों इकट्ठे सामने आ जाएं, तो वह पहले अपने गुरु को ही नमन करेंगे।

बच्चे तो कच्ची मिट्टी के समान होते हैं, जिन्हें शिक्षक ही सुघड़ और सुंदर मूर्ति का आकार देकर जीने की राह सिखाते हैं। शिक्षक ही शिष्य के गुण पहचान कर उसे तराशते हैं। शिक्षक का प्रोत्साहन, मार्गदर्शन और आर्शीवाद शिष्यों को ऊंचा मुकाम हासिल करने में मदद करता है। जो बच्चे अपने शिक्षक की बताई बातों को अपनाते हैं, वे सफलता की मंजिल आसानी से पा लेते हैं।

शिक्षा के बिन जीवन आधूरा है और गुरु के बगैर ज्ञान पाना संभव नहीं है। महान अध्यापकों की सेवाओं को याद करने और पूरे साल हमें तराशने का काम करने वाले हमारे अध्यापकों को हम साल में एक दिन समर्पित करते हैं और उसे मनाते हैं शिक्षक दिवस के रूप में।

5 सितंबर को देशभर में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के पहले राष्ट्रपति व सुप्रसिद्ध दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन का इस दिन जन्मदिन होता है। यह दिवस ज्ञान की सौगात देने वाले शिक्षक को नमन करने का दिन है। शिक्षक दिवस अपने आदरणीय आध्यापकों के प्रति पूर्णतया आदरभाव रखने का संकल्प करने का भी दिवस है।

वादा करें कि आप हमेशा अपने अध्यापकों का सम्मान करेंगे और उन्हें प्यार देंगे। उनके आर्शीवाद और अपनी लगन से कड़ी मेहनत करके देश के अच्छे नागरिक बनेंगे। लेकिन याद रहे कि आपका प्यार सिर्फ एक दिन का मोहताज न रहे, बल्कि झ्रताउम्र आप अपने शिक्षकों को वही प्यार व सम्मान दें।

वह था एक मूर्ख गधा

बाल कहानी

किसी जंगल में एक शेर रहता था। एक सियार उसका सेवक था। एक बार एक हाथी से शेर की लड़ाई हो गई। शेर बुरी तरह घायल हो गया। वह चलने-फिरने में भी असमर्थ हो गया। आहार न मिलने से सियार भी भूखा था।

शेर ने सियार से कहा-'तुम जाओ और किसी पशु को खोजकर लाओ।' सियार किसी जानवर की खोज करता हुआ एक गांव में पहुंच गया। वहां उसने एक गधे को घास चरते हुए देखा। सियार गधे के पास गया और बोला-'मामा, प्रणाम! बहुत दिनों बाद आपके दर्शन हुए हैं। आप इतने दुबले कैसे हो गए?' गधा बोला-'भाई, कुछ मत पूछो। मेरा स्वामी बड़ा कठोर है। वह पेटभर कर घास नहीं देता।' सियार ने कहा-'मामा, उधर नदी के किनारे एक बहुत बड़ा घास का मैदान है। आप वहीं चलें और मेरे साथ आनंद से रहें।' गधे ने कहा-'भाई, मैं तो गांव का गधा हूं। वहां जंगली जानवरों के साथ मैं कैसे रह सकूंगा?' सियार बोला- 'मामा, वह बड़ी सुरक्षित जगह है। वहां किसी का कोई डर नहीं है। तीन और गधे वहां रहते हैं।' चाहो तो उन तीनों दोस्त बना सकते हो। गधा लालच में आ गया। गधे को लेकर धूर्त सियार वहां पहुंचा, जहां शेर छिपा हुआ बैठा था। शेर ने पंजे से गधे पर प्रहार किया लेकिन गधे को चोट नहीं लगी और वह डरकर भाग खड़ा हुआ।

तब सियार ने नाराज होकर शेर से कहा-'तुम एकदम निकम्मे हो गए! शेर झेंपता हुआ बोला-'मैं उस समय तैयार नहीं था, इसीलिए चूक हो गई।' सियार ने कहा 'अच्छा, अब तुम पूरी तरह तैयार होकर बैठो, मैं उसे फिर से लेकर आता हूं।' वह फिर गधे के पास पहुंचा। गधे ने सियार को देखते ही कहा-'तुम तो मुझे मौत के मुंह में ही ले गए थे। पता नहीं वह क्या था।' सियार ने हंसते हुए कहा-'अरे तो बिल्कुल कायर निकले! वह तो गधा था, तुम्हें देखने आया था। अब वह तुम्हें याद कर रहा है।' गधा बातों में आ गया। इस बार शेर नहीं चूका। भोजन करने से पहले शेर स्नान करने के लिए चला गया। इस बीच सियार ने उस गधे का दिल और दिमाग खा लिया। शेर स्नान करके लौटा तो नाराज होकर बोला- 'ओ सियार के बच्चे! तूने मेरे भोजन को जूठा क्यों किया? तूने इसके हृदय और सर क्यों खा लिए ?'

धूर्त सियार गिड़गिड़ाता हुआ बोला-'महाराज, मैंने तो कुछ भी नहीं खाया है। इस गधे का दिल और दिमाग था ही नहीं, यदि इसके होते तो यह दोबारा मेरे साथ कैसे आ सकता था।'

हम बताएं, आप बनाएं

तेज रफ्तार से पहुंचाए संदेश

जब हम किसी वस्तु को छूते हैं, तो हम अपने दिमाग तक यह संदेश 124 मील प्रति घंटे की रफ्तार से भेजते हैं। हमारे शरीर में हर सेकंड 25 मिलियन नई कोशिकाएं यानी सैल्स बनते हैं, जो लगभग कनेडा की जनसंख्या के बराबर है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,अ

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। अनचाहा कोई मेहमान आज आपके घर पर आ सकता है जिसके आने से आपको घर के उन सामानों पर भी खर्चा करना पड़ सकता है जिनको आपने अगले महीने पर टाला हुआ था। आज आपका मन ख़ुश होगा और आप अपने दोस्तों व परिवार के सदस्यों पर पैसे ख़र्च करने का आनंद लेंगे। प्रेम हमेशा आत्मीय होता है और यही बात आप आज अनुभव करेंगे। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से ख़ास तोहफ़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रगति निश्चित है। आप ख़ुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे- जो आपको आर्थिक फ़ायदा पहुँचाएंगे। ऐसे कामों में सहभागिता करने के लिए अच्छा समय है, जिसमें युवा लोग जुड़े हों। इस राशि के जातक आज खाली वक़्त में रचनात्मक काम करने का प्लान तो बनाएंगे लेकिन उनका यह प्लान पूरा नहीं हो पाएगा। अगर थोड़ी-सी कोशिश की जाए तो जीवनसाथी के साथ आज का दिन आपकी ज़िन्दगी के सबसे रोमानी दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। पैसा अचानक आपके पास आएगा, जो आपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। परिवार वालों का हँसी-मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का-फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आज जीवन के कई अहम मुद्दों पर आप घरवालों के साथ बैठकर बात कर सकते हैं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा।

कर्क – ही,हू,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आज आपका धन कई चीज़ों पर खर्च हो सकता है, आपको आज अच्छा बजट प्लान करने की आवश्यकता है इससे आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे- साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा। आपके मन में आज अपने किसी खास को लेकर निराशा रहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। ज़ेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी सेहत का ख़याल रखें। आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएं जब आप उन योजनाओं को भली-भांति अध्ययन कर लें। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ऊर्जा और उत्साह का अतिरेक आपको घेर लेगा और आप सामने आने वाले सभी मौक़ों का भरपूर फ़ायदा उठाएंगे। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। जीवनसाथी के साथ ख़रीदारी मज़ेदार रहेगी। यह आप दोनों के बीच की समझ में भी इज़ाफ़ा होगा। जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज खाली वक़्त में रचनात्मक काम करने का प्लान तो बनाएंगे लेकिन उनका यह प्लान पूरा नहीं हो पाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी गलत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। आपके जीवनसाथी की सुस्ती आपके कई कामों पर पानी फेर सकती है। आपको महसूस हो सकता है कि आप अपना दिन बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक़्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम-से-कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप आज ऊर्जा से भरपूर होंगे और कुछ असाधारण करेंगे। व्यापार में मुनाफ़ा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर ख़ुशी ला सकता है। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। यात्रा के चलते रूमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। यह शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खाते-पीते वक़्त सावधान रहें। लापरवाही बीमारी की वजह बन सकती है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। आपके दिन की शुरुआत शानदार होगी और इसलिए आज पूरे दिन आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तली-भुनी खाने की चीज़ों से किनारा करें। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। आज समय की नज़ाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफ़िस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएंगे। असंतुलित की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 20 अप्रैल 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 07:03 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा प्रातः 11:48 तक
योग : सिद्ध रात्रि 12:11 तक
करण : विष्टि प्रातः 06:49 तक
चन्द्रराशि : धनु सायं 06:05 तक
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:33 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा प्रातः 06:47 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में राजस्थान को मिला बेस्ट परफॉर्मर स्टेट का अवार्ड

जयपुर,19 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान को एक और उपलब्धि मिली है। राजस्थान को केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की तरफ से लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में बेस्ट परफॉर्मर का अवार्ड मिला है। यह अवार्ड LEADS 2024 की रिपोर्ट के आधार पर राजस्थान को दिया गया है।

राजस्थान को LEADS 2024 रिपोर्ट में लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में सुगमता को प्रोत्साहित करने और राज्य में लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में नियामक वातावरण में सुधार के लिए यह अवार्ड दिया गया है। यह रिपोर्ट केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा जारी की गई है। चार कैटेगिरी में से एक में यह अवार्ड राजस्थान को दिया गया है।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा LEADS की रिपोर्ट निर्धारित दस मानदंडों के आधार पर जारी की जाती है। इसके तहत राज्य में लॉजिस्टिक्स पॉलिसी का निर्माण, लॉजिस्टिक्स प्लान का निर्माण, पीएम गतिशक्ति योजना का राज्य में उपयोग, मानव संसाधन को बढ़ावा देना, ग्रीन लॉजिस्टिक्स को बढावा देना, केंद्र सरकार की परियोजनाओं का राज्य में सुविधा प्रदान करना, पीपीपी मोड का विकास, लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देना, नियामक वातावरण में सुधार, साथ ही यूनीफाइड लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म का उपयोग जैसे मानदंड निर्धारित किए गए है। प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने बताया कि निवेश अनुकूल औद्योगिक वातावरण सुनिश्चित करने के क्रम में राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 जारी की जा चुकी है यह नीति राजस्थान को लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करेगी।उन्होंने बताया कि राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है। साथ ही देश के राष्ट्रीय राजमार्गों का बड़ा नेटवर्क और दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क राजस्थान में ही है। इसके अलावा 8 इनलैंड कंटेनर डिपो, 7 एयरपोर्ट और 2 एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स हमें लॉजिस्टिक्स और व्यापार के क्षेत्र में मजबूत स्थिति प्रदान कर रहे हैं। राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 राजस्थान की भौगोलिक स्थिति का लाभ लेते हुए औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देगी और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाते हुए उद्योगों को भी आगे बढ़ने के भरपूर अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा जारी राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 में राजस्थान को लॉजिस्टिक्स के लिए पसंदीदा गंतव्य स्थल बनाने के लिए कई आकर्षक प्रावधान किए गए हैं। इनमें कई तरह की विशेष छूट और अनुदान शामिल हैं। वेयरहाउस, साइलो, कोल्ड स्टोरेज, इनलैण्ड कन्टेनर डिपो, कन्टेनर फ्रेट स्टेशन, एयर फ्रेट स्टेशन, कार्गो टर्मिनल, ट्रकर पार्क इत्यादि के लिए 5 से 50 करोड़ रुपए तक इलिजिबल फिक्स कैपिटल इन्वेस्टमेंट (ईएफसीआई) की 25 प्रतिशत तक कैपिटल सब्सिडी दस वर्षों तक देने का प्रावधान किया गया है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति के स्वागत को जयपुर तैयार

जयपुर,19 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड (जेडी) वेंस 21 अप्रैल को भारत यात्रा पर आ रहे हैं। उनके स्वागत के लिए जयपुर में जोर-शोर से तैयारियां की जा रही हैं। वे चार दिन की भारत यात्रा पर रहेंगे, जिस दौरान 'पिंक सिटी' का भी भ्रमण करेंगे।

उपराष्ट्रपति वेंस फिलहाल इटली में अपने परिवार के साथ हैं और सोमवार (21 अप्रैल) को भारत पहुंचेंगे। वह सबसे पहले दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे, जिसके बाद उसी शाम जयपुर के लिए रवाना हो जाएंगे। जयपुर एयरपोर्ट पर उनका रेड कार्पेट वेलकम किया जाएगा। वेंस 21 से 24 अप्रैल तक जयपुर में रहेंगे। 22 अप्रैल की सुबह वह ऐतिहासिक आमेर किले का दौरा करेंगे, जहां उनका पारंपरिक राजस्थानी अंदाज में स्वागत किया जाएगा। वेंस और उनके परिवार को जोधपुरी साफा पहनाया जाएगा और राजस्थानी कठपुतली शो, लोक नृत्य, पारंपरिक भोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम दिखाए जाएंगे।

इसके बाद वे राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में होने वाले यूएस-इंडिया बिजनेस समिट में हिस्सा लेंगे और दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों को लेकर अपना विजन साझा करेंगे। 23 अप्रैल को वे अमेरिकी वायुसेना के विशेष विमान से आगरा जाकर ताजमहल का दीदार करेंगे। वहां लगभग तीन घंटे रुकने के बाद वे दोपहर में फिर से जयपुर लौट आएंगे और उसी दिन जयपुर सिटी पैलेस भी देखेंगे।

जयपुर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, जिनमें राजस्थान पुलिस के सादे कपड़ों में अधिकारी, 20 गाड़ियों का काफिला और विशेष एम्बुलेंस शामिल हैं। आमेर किले को वेंस की यात्रा के दौरान ढाई घंटे के लिए आम जनता के लिए बंद रखा जाएगा।

मुर्शिदाबाद हिंसा के विरोध में दौसा में विहिप का प्रदर्शन

दौसा,19 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुई हिंसा के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को गांधी तिराहा पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग उठाई गई।

विहिप के विभाग मंत्री परमानंद शर्मा ने कहा कि वक्फ कानून के विरोध की आड़ में संपूर्ण बंगाल को हिंसा की आग में झोंक दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदुओं पर संगठित रूप से हमले किए जा रहे हैं, और सरकार की भूमिका निष्क्रिय ही नहीं, बल्कि कई जगहों पर दंगाइयों को सहयोग देने वाली रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि स्थिति को बिगड़ने से पहले नियंत्रण में लेने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं और दंगाइयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। विहिप जिलाध्यक्ष रूपेंद्र शर्मा ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाना जरूरी हो गया है। वहीं जिला सह मंत्री रोहित खंडेलवाल ने ममता सरकार पर संविधान विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह केवल वोट बैंक की राजनीति के लिए कानून व्यवस्था की अनदेखी कर रही है।

गहलोत का भजनलाल सरकार पर हमला

लू से बचाव के उपायों पर हाईकोर्ट की चिंता को बताया जायज

जयपुर,19 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार पर बढ़ते तापमान और लू के प्रकोप से निपटने में बदइंतजामी का आरोप लगाते हुए कहा है कि इस मामले में हाईकोर्ट की चिंता बिल्कुल जायज है। उन्होंने कहा कि पिछली साल 30 मई को हाईकोर्ट ने लू से होने वाली मौतों पर स्वत: संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को आवश्यक निर्देश दिए थे, लेकिन सरकार ने उन निर्देशों को लागू नहीं किया।

गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने इस साल गर्मी आने तक भी आमजन की रक्षा के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं की है। उन्होंने कहाकि लू से लोगों के जीवन को बचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि लोग असमय मृत्यु का शिकार न हों। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हाईकोर्ट ने पिछले साल भी लू से होने वाली मौतों पर चिंता जताई थी और सरकार को आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा था। लेकिन, सरकार ने उन निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया, जिसके कारण आज फिर हाईकोर्ट को इस मामले में दखल देना पड़ रहा है। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार को तत्काल प्रभाव से लू से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। अस्पतालों में लू से प्रभावित लोगों के लिए पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए और लोगों को लू से बचने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए।

हरियाणा में अब अवैध गर्भपात की दवा बेचने पर होगी सख़्ती

चंडीगढ़,19 अप्रैल (एजेंसियां)। बेटियों के हित में हरियाणा सरकार ने एक महत्वपूर्ण और ठोस पहल की है। सरकार में लिंगानुपात में गिरावट को देखते हुए सरकार ने अब फैसला किया है कि अवैध रूप से गर्भपात की गोली (एमटीपी किट) बेचने वाले पर पुलिस सीधे कार्रवाई करेगी। सरकार इस अपराध को संज्ञेय अपराध मानेगी। अब पुलिस को बिना वारंट के ऐसे लोगों को जेल भेजने की अनुमति होगी और कम से कम तीन साल की सजा होगी। अभी तक की व्यवस्था में एमटीपी किट बेचना तब तक अपराध नहीं माना जाता था, जब तक कि सबूत न मिले कि इसका इस्तेमाल गर्भपात के लिए किया जा रहा है। इस कमजोरी को देखते हुए कई दुकानदार खुलेआम यह दवा बेच रहे थे। ड्रग एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट में भी एमटीपी किट की अवैध बिक्री पर सख्त सजा का कोई सीधा उल्लेख नहीं था - केवल मामूली जुर्माना या छोटी सजा दी जाती थी।

हाल ही में फर्जी ग्राहक बनाकर छापेमारी की गई, कई मामलों में लोग पकड़े भी गए, लेकिन ढीले कानून के कारण वे जल्दी ही छूट गए। सरकार अब इस उदार व्यवस्था को खत्म करने की कोशिश कर रही है और अपराधियों को आसानी से बच निकलने से रोकने के लिए एक बड़ा कानूनी संशोधन पारित कर रही है।

यह फैसला न केवल कानून से जुड़ा है, बल्कि बेटियों की भविष्य की सुरक्षा से भी जुड़ा है। इस बदलाव को लागू करना हरियाणा में लिंगानुपात को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। सरकार के इस कदम से न केवल कठोर दंड का रास्ता खुलेगा, बल्कि समाज को यह स्पष्ट संकेत भी जाएगा कि अब बेटियों के अधिकारों पर कोई समझौता नहीं होगा।

हरियाणा को बनाएंगे मैन्यूफैक्चरिंग का हब : सैनी

चंडीगढ़,19 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प पर आगे बढ़ते हुए आने वाले दिनों में हरियाणा को मैन्युफैक्चरिंग का हब बनाएंगे। पिछले 10 वर्षों में हमारी उद्योग अनुकूल तथा श्रमिक कल्याण नीतियों के चलते हरियाणा प्रदेश भारत के सबसे प्रगतिशील औद्योगिक शक्ति केंद्रों के रूप में स्थापित हुआ है। उन्होंने यह बात शुक्रवार को गुरुग्राम के मानेसर स्थित भारतीय कॉर्पोरेट मामले संस्थान में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ बजट उपरांत बैठक को संबोधित करते हुए कही।

नायब सिंह सैनी ने बैठक में पहुंचे प्रदेश भर के उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को श्री गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान को याद करते हुए नमन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि वर्ष 2047 में विकसित भारत बने। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए इस बार के बजट में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के बजट को बढ़ाकर 1848 करोड़ 12 लाख रुपए कर दिया है जोकि पिछली बार की तुलना में 129 फीसदी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि इस बार के बजट में उद्योग जगत विशेषकर निर्माण, टैक्सटाइल, स्टार्टअप आदि के प्रतिनिधियों के सुझावों को भी शामिल किया गया है। बैठक में पहुंचे उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने उनके सुझावों को बजट में शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी जताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष के बजट में औद्योगिक श्रमिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए कई उपाय शामिल किए गए हैं। जिसमें श्रमिकों की आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सभी औद्योगिक क्षेत्रों में 300 अटल किसान श्रमिक कैंटीन खोली जाएंगी ताकि श्रमिक भाईयों को उचित दर पर पौष्टिक भोजन मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण व मेक इन हरियाणा के उद्देश्य के साथ औद्योगिक नीतियों को केंद्र में रख कर हरियाणा प्रदेश एक विनिर्माण केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश अपने औद्योगिक संस्थानों की प्रगति के बलबूते आज जीएसटी कलेक्शन में पूरे देश में पांचवें स्थान पर है।

गुरुग्राम गैस पाइपलाइन हादसा मामला

बिजली लाइन के नीचे न हो गैस पाइप लाइन : विज

गुरुग्राम,19 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री अनिल विज ने गुरुग्राम में हाल ही में गैस पाइपलाइन में लगी आग की घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने इस मामले में एसीएस की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित करने का निर्देश दिया है, जो यह सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में बिजली लाइनों के नीचे गैस पाइपलाइन न बिछाई जाएं। कमेटी यह भी जांच करेगी कि क्या वर्तमान में बिछाई गई पाइपलाइन सभी मानकों के अनुरूप है। पत्रकारों से बातचीत में विज ने बताया कि गुरुग्राम में हुई घटना गंभीर है। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि बिजली फीडर के नीचे गैस पाइपलाइन कैसे बिछाई गई, जबकि यह पूरे शहर में फैली हुई है। उन्होंने इस बात की भी जांच की बात कही कि गैस पाइपलाइन पहले बिछाई गई या बिजली फीडर। उन्होंने कहा कि दोनों के आसपास होने से भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है।

गर्मी के मौसम में बिजली की उपलब्धता को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में ऊर्जा मंत्री विज ने कहा कि इस बार बिजली की कोई कटौती नहीं होगी और सरकार ने पूरी तैयारी कर रखी है। उन्होंने कहा कि उनके पास पर्याप्त बिजली है। बिजली के फाल्ट से बचने के लिए उन्होंने सभी सब-स्टेशनों पर ट्रांसफार्मर बैंक और गाड़ियां रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिन स्थानों पर तारें और कंडक्टर कमजोर हैं, उन्हें बदलने के लिए कहा गया है।

बंडारू ने धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में सामुदायिक रेडियो के

इरादा रेडियो का किया शुभारंभ

चंडीगढ़,19 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार को धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में सामुदायिक रेडियो 'इरादा रेडियो' का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने 'इरादा रेडियो' के स्थापना समारोह में बतौर अतिथि शिरकत की। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इंडियन रिसोर्स एंड डेवलपमेंट एसोसिएशन (इरादा) के द्वारा कुरुक्षेत्र में सामुदायिक रेडियो स्टेशन इरादा रेडियो स्थापित किया जा रहा है, जिसका प्रसारण 88.4 मेगाहर्ट्ज पर किया जाएगा। इसके लिए मैं राजपाल जी, डॉ कृष्ण कुमार जी व इरादा रेडियो की पूरी टीम को हार्दिक बधाई देता हूं।

रेडियो जनसंचार के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी शुरुआत थी। यह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा जनसंचार के सबसे पुराने और सबसे आसान तरीकों में से एक है। रेडियो ने अपनी शुरुआत से लेकर आज तक लोगों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। रेडियो की सेवाओं का समाज कल्याण में ऐतिहासिक योगदान रहा है। भारत में रेडियो की शुरुआत समाचार प्रसारण से हुई। बाद में, रेडियो पर मनोरंजन के साथ-साथ जीवन के विभिन्न पहलुओं, समाज, संस्कृति, स्वास्थ्य और कृषि आदि को लेकर जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जाने लगे। जिसके फलस्वरूप यह लोगों के लिए जागरूकता से मानव कल्याण का एक सशक्त माध्यम बन गया। मुझे पूरा विश्वास है कि 'इरादा रेडियो' श्रोताओं के लिए एक नया और

रोमांचक अनुभव लेकर आएगा तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम होगा। साथ ही श्रोताओं को सही सूचना उपलब्ध करवाने में मील का पत्थर साबित होगा। आपकी आवाज़ हर घर में गूँजे और सबका दिल जीते।इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. बी. वी. रमन्ना रेड्डी-निदेशक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र, धर्मवीर मिर्जापुर-चैयरमैन पशुधन विकास बोर्ड, धुमन सिंह किरमच-उपाध्यक्ष सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड, स्वामी हरिओम दास-संचालक, वात्सल्य वाटिका स्कूल और डॉक्टर ए. आर. चौधरी, डीन स्टूडेंट वेलफेयर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने भी अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संस्था के सचिव राजपाल पांचाल ने बताया कि कार्यक्रम में डॉ. कृष्ण कुमार, वीरेंद्र कश्यप, अर्चना, नीलम, अरविंद, सुनीता सैनी आदि का योगदान महत्वपूर्ण रहा। इसके अलावा, कार्यक्रम में विज्ञान संचालक दर्शन लाल बवेजा, रण सिंह, समाजसेवी साहब सिंह खंडवा, खिलाड़ी सोनिया तथा प्रगतिशील किसान युधिष्ठिर कुमार को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम समाज के विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित शख्सियतों की उपस्थिति में आयोजित किया गया और इसका उद्देश्य समुदाय में जागरूकता बढ़ाना और सकारात्मक परिवर्तन लाना है।

राणा सांगा पर सपाइयों की बेजा टिप्पणी पर बोले योगी आदित्यनाथ

ये जिन्नावादी हैं, अपने महापुरुषों का अपमान करते हैं

लखनऊ/गोरखपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

शूरवीर राणा सांगा के खिलाफ अभद्र एवं अमर्यादित टिप्पणी करने वाले सपा सांसद रामजीलाल सुमन के समर्थन में उतरे अखिलेश यादव की बेजा प्रतिक्रिया पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा जवाब दिया है। योगी ने कहा, ये ऐसे लोग हैं जो जिन्ना का महिमामंडन करते हैं और राणा सांगा जैसे महापुरुषों का मान मर्दन करते हैं।

सीएम योगी ने कहा, विपक्ष के लोग देश में जातीय संघर्ष करवाना चाहते हैं। सपा का एक संसद महाराणा सांगा का अपमान करता है। जबकि समाजवादी पार्टी जिन्ना का महिमामंडन करती है। सबका साथ सबका विकास अभियान को आगे नहीं बढ़ने देना चाहती। समाज को जातीय आधार पर बांट कर रख देना चाहती है। आत्मनिर्भर और विकसित भारत में ही हर जाति और समुदाय का हित है। महर्षि वाल्मीकि की जन्मस्थली लाला-पुर का विकास सपा ने ही रोक दिया था। उल्लेखनीय है कि सपा नेता अखिलेश यादव ने कहा था कि आगरा हिंसा के पीछे सरकार की फंडिंग है ताकि यह दिखाया जा सके कि राजपूत समाज उनके साथ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्ष के लोग जाति के नाम पर लोगों को फिर से लड़ाना चाहते हैं। इसके लिए वे महापुरुषों के नाम का बेजा इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत ने संविधान निर्माण के साथ ही 1952 में अनुसूचित जाति जनजाति अति पिछड़ी जाति और महिलाओं को मत देने का अधिकार दिया। यह बाबा साहेब के कारण ही हो पाया। उन्होंने कहा कि अनेकता में एकता का संदेश देने वाला भारत का संविधान बाबा साहेब ने दिया। यह प्रत्येक नागरिक को सम्मान देता है। सीएम ने कहा आखिर वो कौन से कारण थे जिनके कारण बाबा साहेब पीड़ित थे। बाबा साहेब ने संविधान तैयार किया,लेकिन कांग्रेस ने उसमें संशोधन किए।

इससे बाबा साहेब परेशान हुए। कांग्रेस उनको संविधान सभा में नहीं भेजना चाहती थी। लेकिन उनकी लोकप्रियता के कारण उन्हें शामिल किया गया और ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष बने। लेकिन बाबा साहेब ने ऐसा संविधान दिया जो भारत को दुनिया में सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित करता है। समाजवादी पार्टी ने अपने गठन के बाद षडयंत्र किए जिसके कारण समाज में अराजकता पैदा हो। कांग्रेस ने तो 1952 के पहले आम चुनाव में बाबा साहेब को हरवाया था। उनके 78 हजार वोट को रद्द करवा दिया। 1954 के उपचुनाव में कांग्रेस ने बाबा साहेब के निजी सचिव को तोड़कर चुनाव लड़वा दिया। इसमें भी वह हार गए। आज कांग्रेस के नेतृत्व करने वाले राहुल गांधी को संविधान की प्रति लेकर घूमता देखता हूं तो लगता है यही कांग्रेस थी जो उनका विरोध करती थी। अपने 65 वर्षों में बाबा साहेब ने जो कर दिया वो और कोई नहीं कर पाया। कांग्रेस ने ज्यादातर समय यूपी और देश में शासन किया लेकिन एक भी स्मारक नहीं बनाया।

इंग्लैंड के जिस भवन में रहकर बाबा साहेब ने डिग्री ली थी उसे वहां की सरकार बेच रही थी। मोदी सरकार ने उसे लेकर स्मारक बनाया। बाबा साहेब के पांच तीर्थ बनने में सपा, कांग्रेस या आरजेडी किसी का योगदान नहीं है। 26 नवंबर को संविधान दिवस के नाम से मनाया जाता है।

बाबा साहेब के नाम पर भाषण देने वाले अनेक आएंगे लेकिन उनके आदर्शों पर चलने वाली केवल भाजपा है। उन्होंने कहा था अपने अनुयायियों से की शिक्षित बनो, अन्याय के खिलाफ संगठित रहो। हैदराबाद में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा था लेकिन बाबा साहेब ने पत्र लिख कहा था कि निजाम के सामने झुकना नहीं, किसी भी हाल में इस्लाम को न स्वीकारना।

कुशीनगर में मुसहर जाति के लोग भूख से मरते थे, कोई ध्यान नहीं देता था। पीएम स्वामित्व योजना में यूपी में एक करोड़ लोगों को जमीन के पट्टे आवंटित कर दिए। ये काम सपा, बसपा और कांग्रेस ने क्यों नहीं किया। संसद के तौर पर जब कुशीनगर में मुसहर जाति के लोगों के पास गया तब पता चला कि उनके राशन कार्ड सपा के पदाधिकारियों के पास थे। वो गरीबों का राशन उठते थे। डबल इंजन की सरकार जीरो पावर्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ रही है। 2017 के पहले यूपी में लोगों को राशन क्यों नहीं मिल पाता था। इंसेफलाइटिस को पूरी तरह समाप्त किया जा चुका है। बाबा साहेब अनुसूचित जाति के लोगों से कहते थे शिक्षित बनो। सपा ने कांशीराम के नाम से बने विश्वविद्यालय को उर्दू फारसी अरबी विश्वविद्यालय बना दिया।

ये लोग केवल वोट बैंक के रूप में अनुसूचित जाति को इस्तेमाल करना चाहते हैं। इन्होंने चार बार के शासन में गरीबों को मकान और राशन तक नहीं दिलवाया। अनुसूचित जाति को छात्रवृत्ति रोक दी। ये कार्य करते थे कि विकास हो लेकिन मेरा हो परिवार का हो। परिवार के आगे नहीं निकल पाए। मोदी सबको साथ लेकर चलते हैं। आज ये लोग एक्पोज न हो इसके लिए जाति के नाम पर फिर से लड़ना चाहते है। इसके लिए महापुरुषों के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं।

लखनऊ में सांसद खेल महाकुंभ शुरू

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया उद्घाटन

लखनऊ, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में सांसद खेल महाकुंभ का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि एक समय था, जब लोग खेलों के महत्व को समझे बिना कहा करते थे कि खेलोगे कूदोगे तो होगे खराब, पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब। लेकिन, मैं समझता हूं कि नई कहावत मार्केट में आ गई है कि पढ़ोगे, लिखोगे और खेलोगे तो बनोगे उससे भी बड़े नवाब। आज माता-पिता अपने बच्चों को लिएंडर पेस, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, रोहित शर्मा, पीवी सिंधु की तरह बड़ा खिलाड़ी बनते हुए देखना चाहते हैं।

राजधानी लखनऊ स्थित केडी सिंह बाबू स्टेडियम में शनिवार को सांसद खेल महाकुंभ की शुरुआत हुई। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसका उद्घाटन किया। इस मौके पर रक्षामंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से कई सांसदों ने अपने क्षेत्र में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कर समाज के विकास के लिए एक नई राह तैयार की है। इस कड़ी में अब लखनऊ का नाम भी जुड़ गया है। किसी भी समाज के विकास के लिए यह जरूरी है कि खेल और खिलाड़ियों को महत्व दिया और उन्हें समझा जाए।

रक्षामंत्री ने कहा कि लखनऊ शहर अपने स्पोर्टिंग कल्चर के लिए उत्तर प्रदेश में ही नहीं, देश विदेश में भी जाना जाता रहा है।

जिन महान हॉकी खिलाड़ी केडी सिंह बाबू के नाम से यह स्टेडिमय जाना जाता है, उन्होंने यहां पर काफी लंबा समय बिताया है। हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद ने भी लखनऊ को खासा समय दिया है। यहां की खेल संस्कृति को उन्होंने संवारा और निखारा है। उनके बेटे अशोक कुमार और ओलंपियन जमन लाल शर्मा की भी यह कर्मभूमि रही है।

राजनाथ ने कहा, एक समय था जब इसी केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर शीशमहल ट्रॉफी के नाम पर क्रिकेट टूर्नामेंट होता था। टीम इंडिया के बड़े-बड़े खिलाड़ी यहां खेलते नजर आते थे। भले ही वह टूर्नामेंट अब नहीं होता, लेकिन उसकी स्मृतियां आज भी लोगों के जेहन में कायम हैं। आज यह सांसद खेल महाकुंभ भी लखनऊ के स्पोर्टिंग कैलेंडर से जुड़ चुका है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्पोर्टिंग कल्चर का विकास हुआ है। पहले भारतीय खिलाड़ी जीतने से अधिक पार्टिसिपेट पर ही संतुष्ट हो जाया करते थे। लेकिन, आज भारत के खिलाड़ी पूरी दुनिया में जहां भी खेले, उन्हें गंभीरता से लिया जाता है। यह बहुत ही गौरव का विषय है। इसका सबसे बड़ा कारण बदलावों के बीच हमारी केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की स्पोर्ट्स फ्रेंडली पॉलिसी भी है। आज खेलो इंडिया के तहत तीन हजार से अधिक खिलाड़ियों को प्रति माह 50 हजार रुपए की सहायता दी जा रही है। जो उन्हें प्रशिक्षण, आहार, किट और उपकरण सहित अन्य जरूरतों को पूरा करने में मदद करती है। जमीनी स्तर पर खेलो इंडिया केंद्रों पर इस समय हजारों खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। मैं सभी खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और परिजनों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आज महाकुंभ जो यहां आयोजित किया गया है, उसके परिणाम आने वाले वर्षों में साफ दिखाई देंगे। जब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक हासिल कर लखनऊ की धरती पर लौटेंगे।

रक्षा मंत्री ने कहा, खेलों को हम लोग गंभीरता से लेते हैं। आज हमारी सरकार 2026 में होने वाले ओलंपिक खेलों का आयोजन गुजरात में करने का पूरा प्रयास कर रही है। वहीं अन्य विश्व स्तरीय खेलों का आयोजन भारत में हो, इसका भी प्रयास चल रहा है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने प्रचारकों को दिया निर्देश

शताब्दी वर्ष में प्रत्येक बस्ती में आयोजित होंगे हिंदू सम्मेलन

अलीगढ़, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के प्रवास के दौरान जिला और विभाग प्रचारकों के साथ बैठकें हुईं। पंच परिवर्तन के पांच और शाखा विस्तार के सात बिंदुओं पर प्रचारकों के साथ चर्चा की। विजय दशमी पर प्रत्येक बस्ती में गणवेशधारी स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण तथा हिंदू सम्मेलन आयोजित करने का लक्ष्य तय किया गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने ब्रज प्रांत में संघ कार्य के विस्तार के मंत्र जिला और विभाग प्रचारकों को दिए। ब्रज प्रांत के प्रवास पर अलीगढ़ आए संघ प्रमुख ने 18 अप्रैल को दो सत्रों में प्रचारकों के साथ बैठकें कीं। कार्य विस्तार के तहत पंच परिवर्तन के पांच और शाखा विस्तार के सात बिंदुओं पर प्रचारकों के साथ चर्चा की। शताब्दी वर्ष में संघ के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने की रणनीति तैयार की गई। विजय दशमी पर प्रत्येक बस्ती में गणवेशधारी स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण तथा हिंदू सम्मेलन आयोजित करने का लक्ष्य तय किया गया।

संघ प्रमुख ब्रज प्रांत के प्रवास पर 17 अप्रैल की शाम को अलीगढ़ आए। यहां 21 अप्रैल तक मथुरा रोड स्थित केशव सेव-ाधाम परिसर में स्थित डॉ.शन्न-ोरानी सरस्वती कन्या महाविद्यालय में रुकेंगे। 18 अप्रैल को उन्होंने ब्रज प्रांत के 29 जिलों के जिला प्रचारक और 8 विभागों के विभाग प्रचारकों के साथ सुबह और शाम के दो सत्रों में बैठकें कीं। पहले सत्र में पंच परिवर्तन पर चर्चा हुई, जिसमें कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, सामाजिक समरसता, स्व का जागरण और नागरिक कर्तव्य शामिल हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि इन बिंदुओं पर आधारित कार्य करके परिवारों को मजबूत करना है, पर्यावरण को शुद्ध करना है और सभी तरह के मतभेद भुलाकर समाज को एकजुट करना है। इसी तरह अपनी सांस्कृतिक विरासत का बोध करते हुए समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना है। इस संबंध में प्रचारकों को साहित्य भी दिया गया।

दूसरे सत्र की बैठक में शाखा विस्तार पर जोर दिया गया। इसके तहत प्रत्येक बस्ती में घर-घर जाकर संघ के स्वयंसेवक संपर्क करेंगे और संघ की जानकारी देंगे। इसी तरह प्रत्येक बस्ती में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। जिला केंद्रों पर नागरिक गोष्ठियों का आयोजन, नगर केंद्रों पर सामाजिक सद्भाव बैठकें होंगी। अभियान के तहत अधिकतम शाखाएं लगाई जाएंगी। युवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा संघ के स्थापना दिवस विजय दशमी पर प्रत्येक बस्ती में अधिकतम गणवेशधारी स्वयंसेवकों के कार्यक्रम होंगे। संघ प्रमुख के साथ बैठक के बाद सभी जिला प्रचारक और विभाग प्रचारक अपने-अपने क्षेत्रों में रवाना हो गए।

गोरखपुर में 1498 करोड़ की 146 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

पूरी दुनिया देख रही है नया उत्तर प्रदेश : योगी

गोरखपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज जनपद गोरखपुर में 1498 करोड़ रुपए लागत की 146 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को टूलकिट, प्रतीकात्मक चेक व चाभी, प्रमाण पत्र, लैपटॉप तथा पांच आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने बच्चों का अन्नप्राशन तथा महिलाओं की गोदभराई की। विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं होता। जो लोग विकास नहीं कर सकते वे लोग जाति, मत, पंथ, मजहब, क्षेत्र और भाषा के आधार पर सामाजिकता के ताने-बाने को छिन्न भिन्न कर सकते हैं। वर्ष 2017 के पहले का प्रदेश और वर्ष 2014 के पहले का भारत भ्रष्टाचार के आतंक में डूबा हुआ था। विश्वास का वातावरण नहीं था, नौजवान भटक रहा था, नक्सलवाद और आतंकवाद देश की सुरक्षा को चुनौती दे रहा था। विगत 10 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हम एक नया भारत देख रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का भारत विकास के नित नए

प्रतिमान स्थापित कर रहा है। आज के भारत ने आतंकवाद व नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने के संकल्प के साथ जो कार्य प्रारम्भ किया, वह सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंच कर दुनिया के सामने मॉडल बना है। विकास और विरासत का अद्भुत समन्वय स्थापित करते हुए नया भारत 140 करोड़ भारतवासियों के जीवन में परिवर्तन करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में नए भारत का नया उत्तर प्रदेश और नए उत्तर प्रदेश का नया गोरखपुर दुनिया के सामने है। नए उत्तर प्रदेश में अन्नदाता किसानों का सम्मान है। नारी गरिमा तथा व्यापारियों की सुरक्षा व नौजवानों के रोजगार की गारण्टी भी नए उत्तर प्रदेश में है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत 08 वर्षों के इस विकास यात्रा को आपने बदलते हुए परिवेश में देखा है। नौजवानों को मिलने वाली नौकरियों, बेटियों और बहनों को मिलने वाली सुरक्षा तथा अन्नदाता किसानों के जीवन में होने वाले परिवर्तन को देखा है। वर्ष 2017 से पहले गोरखपुर में विद्युत आपूर्ति कम होती थी। शहर में 05 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में सप्ताह में रोटेशन में विद्युत आपूर्ति होती थी। आज 24 घंटे विद्युत आपूर्ति हो रही है। पहले गोरखपुर से बड़हलगंज पहुंचने में 03 घंटे लगते थे। आज मात्र 45 मिनट में बड़हलगंज से गोरखपुर आ सकते हैं। पहले भटहट से गोरखपुर आने में 01 घण्टा लगता था। आज भटहटसे गोरखपुर के लिए 4-लेन सड़क बन गई है। भटहट में आयुष विश्वविद्यालय बन रहा है। यह परिवर्तन एक सकारात्मक सोच के कारण ही हो पाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले यहां स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव था। लोगों को इंसेफेलाइटिस, मलेरिया, डेंगू जैसी अनेक बीमारियों का सामना करना पड़ता था। गोरखपुर के नौजवानों के सामने पहचान का संकट था। नौजवान पलायन को मजबूर था। पूर्वी उत्तर प्रदेश में मुसहर जनजाति भुखमरी का शिकार होती थी। बुन्देलखण्ड में किसान आत्महत्या करने के लिए मजबूर था। बेटी व बहन घर से बाहर निकलने तथा व्यापारी व्यापार करने में असुरक्षा महसूस करता था। आज उत्तर प्रदेश माफिया, गुण्डा, दंगा मुक्त हो गया है। 'एक जनपद-एक उत्पाद', 'एक जनपद-एक मेडिकल कॉलेज' पर कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले भूमि के लिए गोरखपुर विकास प्राधिकरण और किसानों के मध्य संघर्ष होता था। हमने उनकी समस्याओं का समाधान किया। आज गरीबों के लिए मकान बन रहे हैं। फर्टिलाइजर कारखाना, सैनिक स्कूल, पिपराइच की चीनी मिल पुनः प्रारम्भ हो गई है। गोरखपुर में सड़कों का नया जाल बिछ चुका है। लखनऊ, वाराणसी, नेपाल, कुशीनगर और देवरिया को 4-लेन की कनेक्टविटी के साथ जोड़ा गया है। आज गोरखपुर एयर कनेक्टिविटी के साथ जुड़ चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिन विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास हो रहा है, यह परियोजनाएं गोरखपुर की सभी 09 विधानसभाओं के लिए हैं। पहले कोई सोचता था कि गोरखपुर में फर्टिलाइजर कारखाना फिर से प्रारम्भ होगा। गोरखपुर में एम्स आएगा, गोरखपुर से 14 फ्लाइटें चलेंगी। बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक बनेगा, आयुष विश्वविद्यालय बनेगा। पिपराइच की चीनी मिल, बड़हलगंज में होम्योपैथिक कॉलेज चल पाएगा। कोई सोचता था कि गीडा में उद्योग आएंगे। गोरखपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का लिंक एक्सप्रेस-वे आएगा, लेकिन आज यह सब हकीकत है। पहले कोई सोचता भी नहीं था कि रामगढ़ताल झील का रूप लेगा, आज यह हकीकत में एक विश्वस्तरीय झील है। यह झील गोरखपुर, पूर्वी उत्तर प्रदेश, नेपाल तथा बिहार के लोगों के लिए पर्यटन के आकर्षण का केन्द्र बनी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब एक सकारात्मक सोच बनती है, तभी विकास आगे बढ़ता है। आज गोरखपुर का विकास देखकर लोग आश्चर्यचकित हो जाते हैं कि यह वही गोरखपुर है, जो पहले था। आज कोई भी वाराणसी, प्रयागराज, लखनऊ, अयोध्या, मेरठ, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, आगरा सहारनपुर तथा अन्य तमाम जनपदों में जाता है तो कहता है कि विकास हुआ है। आज उत्तर प्रदेश नई पहचान बना रहा है। बेटियां बिना भय के स्कूल जा रही हैं, नौजवान स्थानीय स्तर पर रोजगार प्राप्त कर रहा है, यही परिवर्तन है। आज नए उत्तर प्रदेश में बिना भेदभाव के सभी को योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। नए उत्तर प्रदेश में स्थानीय हस्तशिल्पियों को आगे बढ़ाने के लिए एक जनपद-एक उत्पाद योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, पी0एम0 विश्वकर्मा योजना सुचारू ढंग से संचालित हो रही हैं। स्ट्रीट वेण्डरों के लिए भी एक नई योजना आयी है। स्वामित्व योजना के अंतर्गत घरौनी वितरित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नए उत्तर प्रदेश में कोई भूखा नहीं मर सकता। आज प्रदेश में 15 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन की सुविधा का लाभ मिल रहा है। कुछ ही दिनों में जीरो पॉवर्टी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए डबल इंजन सरकार एक नए कार्यक्रम को लेकर आ रही है। हर ग्राम पंचायत में ऐसे परिवार, जो किसी कारणवश शासकीय योजनाओं से वंचित रह गये हैं, उनका सर्वे कराया गया है। उन सभी को अपने-अपने जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में योजनाओं से आच्छादित करने का कार्य प्रदेश सरकार कर रही है। जिसके पास मकान नहीं है, उनको पक्का मकान मिलेगा। जिनके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है, उन्हें आयुष्मान कार्ड प्राप्त होगा। जिनके पास राशन कार्ड नहीं है, उन्हें राशन कार्ड मिलेगा। जिन पात्र व्यक्तियों को पेंशन का लाभ नहीं मिल पा रहा है, उन्हें पेंशन का लाभ मिलेगा। जिनके पास रोजगार नहीं है, उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास डबल इंजन सरकार कर रही है।

बसपा में घर वापसी का दौर, संगठन की मजबूती पर जोर

मुरादाबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

बहुजन समाज पार्टी में घर वापसी का दौर चल रहा है। वापसी के साथ संगठन की मजबूती पर जोर दिया जा रहा है। गिरीश चंद्र की पार्टी में वापसी के बाद इन नेताओं की भी नजर है। आकाश आनंद और नगीना के पूर्व सांसद गिरीश चंद्र की वापसी के बाद अब पश्चिमी यूपी के पूर्व बसपा नेताओं पर पार्टी की नजर है। बसपा से निकाले गए या छोड़कर गए कुछ नेता पार्टी में वापसी की राह देख रहे हैं। इसमें पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक भी शामिल हैं। पूर्व नेताओं की घर वापसी कर बसपा संगठन को मजबूत करना चाहती है।

वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में बसपा का प्रदर्शन निराशाजनक था। इसके बाद से पार्टी का जनाधार लगातार गिरता जा रहा है। 2012 से 2024 के बीच हुए तीन विधानसभा चुनावों में बसपा मंडल में एक भी सीट नहीं जीत सकी। हालांकि, 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन के सहारे पार्टी मंडल की तीन सीटें जीतने में सफल रही थी, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में अकेले उतरी बसपा 2019 की सफलता को नहीं दोहरा पाई।

वहीं बसपा के गिरते जनाधार के बीच हाथी के साथी भी लगातार बिछड़ते चले गए। कभी पश्चिमी यूपी में पार्टी का चेहरा रहे 15 से अधिक पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री और पदाधिकारी अब बसपा में नहीं हैं। कुछ को बसपा प्रमुख मायावती ने अनुशासनहीनता का हवाला देकर पार्टी से निकाल दिया तो कुछ ने खुद ही पार्टी से किनारा कर लिया। माफी मांगने पर पिछले दिनों भतीजे आकाश आनंद की बसपा में वापसी हो गई। इसके बाद बृहस्पतिवार को पूर्व सांसद गिरीश चंद्र को दोबारा पार्टी में शामिल कर लिया गया। यही नहीं, गिरीश चंद्र को बिजनौर और अमरोहा के मुख्य सेक्टर प्रभारी की जिम्मेदारी भी सौंप दी गई। वहीं चार माह पहले पार्टी से निकाले गए प्रमोद निरंकारी को फिर से रामपुर का जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

इसके साथ ही बसपा ने संगठन को दोबारा से मजबूत करने के लिए नए सिरे से काम करना शुरू कर दिया है। पार्टी की नजर उन नेताओं पर है, जो पूर्व में बसपा से जुड़े थे और किसी कारणवश पार्टी से निकाले गए या खुद ही पार्टी छोड़कर गए चले गए थे। ऐसे कुछ नेता पार्टी के संपर्क में भी हैं।

गुजरात ने आईपीएल में हासिल किया अपना सबसे बड़ा लक्ष्य, दिल्ली को हराकर शीर्ष पर पहुंची टीम

अहमदाबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के हाईवोल्टेज मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स का सामना गुजरात टाइटंस से हुआ। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली की टीम ने बोर्ड पर 203 रन लगाए। जवाब में गुजरात की टीम ने बल्लेबाजी में कमाल का प्रदर्शन किया और 7 विकेट से मैच जीत लिया। गुजरात की ओर से उनके खतरनाक बल्लेबाज जोस बटलर ने शानदार बल्लेबाजी की। बटलर ने सिर्फ 54 गेंद पर 97 रन की पारी खेली। लेकिन वो विराट कोहली का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए।

जोस बटलर ने गुजरात के खिलाफ कमाल की बल्लेबाजी की। बटलर के बल्ले से इस मुकाबले में सिर्फ 54 गेदों पर नाबाद 97 रन की पारी आई। इस पारी में

बटलर ने 11 चौके और 4 लंबे छक्के लगाए। मैच में भले ही बटलर की सेंचुरी नहीं लगी, लेकिन वो अपनी टीम को 200 से ज्यादा का टारगेट चेज कराने में कामयाब रहे। यह पहला मौका है जब गुजरात की टीम ने आईपीएल में 200 से ज्यादा का टारगेट चेज किया है।

अगर आज के मैच में बटलर 97 रन के बजाय शतक लगाते तो वो आईपीएल के एक बड़े रिकॉर्ड के मामले में विराट कोहली की बराबरी कर लेते। विराट कोहली के आईपीएल में सबसे ज्यादा 8 शतक हैं। वहीं लिस्ट में दूसरे नंबर पर बटलर हैं जिन्होंने 7 शतक इस लीग में लगाए हैं। दिल्ली के खिलाफ शतक से बटलर इस लिस्ट में विराट के पास टॉप पर पहुंच जाते।

आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक

विराट कोहली– 8 शतक

जोस बटलर– 7 शतक

क्रिस गेल– 6 शतक

शुभमन गिल– 4 शतक

केएल राहुल– 4 शतक

गुजरात की बेहतरीन जीत

गुजरात टाइटंस ने कांटे के मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हरा दिया। इस मैच में गुजरात की टीम 203 रन का पीछा कर रही थी। गुजरात की टीम में बटलर के 97 रन के अलावा शेरफेन रदरफोर्ड ने 43 रन की पारी खेली। वहीं साई सुदर्शन के बल्ले से 36 रन निकले।

न्यूज ब्रीफ

सीनियर खिलाड़ियों से सलाह लें बाबर आजम : जहीर अब्बास

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जहीर अब्बास ने कहा है कि खराब दौर से गुजर रहे बल्लेबाज बाबर आजम को सीनियर खिलाड़ियों से सलाह लेनी चाहिये। अब्बास ने कहा कि इससे बाबर को पता चलेगा कि वह कहां गलती कर रहे हैं। उसमें सुधार कर वह पहले की तरह बेहतर बल्लेबाजी कर पायेंगे। अब्बास ने कहा कि जिस प्रकार से बाबर किसी से बात नहीं कर रहे उससे लगता है कि वह घमंडी हैं और किसी से सलाह लेना अपमान समझते हैं। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज रहे जहीर ने कहा कि कई बार ऐसा हुआ है जब पाकिस्तानी और भारतीय खिलाड़ियों ने खराब दौर से गुजरने के दौरान एक–दूसरे से सलाह मांगी थी। उन्होंने कहा कि साल 2016 में यूनिस खान ने मोहम्मद अजहरुद्दीन से बात की और इंग्लैंड में दोहरा शतक लगाया। वहीं साल 1989–90 में भारत के पाकिस्तान दौरे पर अजहरुद्दीन ने मुझसे सलाह मांगी थी। तब भी रन नहीं बना पा रहा था। ऐसे में मैंने उसे बल्लेबाजी की ग्रिप बदलने के लिए कहा था जिससे उसे लाभ मिला। इसके अलावा सईद अनवर ने भी खराब दौर में सुनील गावस्कर से सलाह मांगी थी। गौरतलब है कि बाबर पिछले काफी समय से रन बनाने में विफल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अलावा वह अब पाक सुपर लीग में भी असफल रहे हैं।

वानखेड़े स्टेडियम पर अपने नाम से पेवेलियन बनने पर सम्मानित अनुभव कर रहा : रोहित

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि उनके नाम पर कोई स्टैंड बनेगा। रोहित ने कहा कि मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) द्वारा वानखेड़े स्टेडियम के दिवेचा पवेलियन लेवल 3 का नाम बदलकर रोहित शर्मा स्टैंड करने के फैसले से वह गर्व और सम्मान का अनुभव कर रहे हैं। ये उनके लिए भावुक कर देने वाला क्षण है। इस क्रिकेटर ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया, जब वह आजाद मैदान में अंडर–16 प्रशिक्षण के बाद मुंबई रणजी खिलाड़ियों को देखने जाते थे। उन्होंने कहा कि साल 2003–04 में, हम रणजी खिलाड़ियों को देखने ट्रैक पर जाते थे। तब से ही वानखेड़े से पुड़ी मेरी कई यादें हैं। स्टेडियम के पुनर्निर्माण के बाद हमने विश्व कप जीता। अब अपने नाम पर स्टैंड देखना अवास्तविक लगता है। रोहित ने 2007 में भारतीय टीम की ओर से डेब्यू किया था। वह 2007 टी20 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा थे। उन्होंने अब तक 159 टी20आई, 273 एकदिवसीय और 67 टेस्ट मैच खेले हैं। पिछले साल बारबाडोस में टी20 विश्व कप जीतने के बाद उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कर दिया था। रोहित को 26 मई से शुरू होने जा रहे मुंबई टी20 लीग के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। 2018 में शुरू हुई टी20 मुंबई लीग, एमसीए द्वारा आयोजित एक प्रमुख घरेलू टी20 टूर्नामेंट है, जो युवा प्रतिभाओं के लिए मंच प्रदान करती है।

फ्रेजर को अभी टीम में बनाये रखे कैपिटल्स : बदानी

अहमदाबाद। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हेमंग बदानी को उम्मीद है कि इस आईपीएल सत्र में अबतक विफल रहे दिल्ली कैपिटल्स के युवा बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर–मैकगर्क आने वाले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। फ्रेजर अब तक इस सत्र में छह मैचों में केवल 55 रन ही बना पाये हैं। वहीं इस बल्लेबाज ने पिछले सत्र के नौ मैचों में 330 रन बनाए थे। दिल्ली टीम अभी छह मैचों में से पांच में मिली जीत के बाद अंक तालिका में नंबर एक पर है। बदानी को उम्मीद है फ्रेजर को टीम का समर्थन मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि फ्रेजर एक ऐसा खिलाड़ी है जो हमें अच्छी शुरुआत देता है और वह एक मैच विजेता है हालांकि पिछले साल की तुलना में उसका प्रदर्शन इस साल अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि अभी टीम मजबूत स्थिति में है और उसे अवसर दे सकती है। साथ ही कहा अगर एक बार फ्रेजर लय हासिल कर लें तो आगे के मैचों में टीम के लिए अच्छा होगा।

एफ 1 : क्रिस्टियन हॉर्नर का बड़ा बयान, 2026 में भी रेड बुल का हिस्सा रहेंगे मैक्स वर्स्टापेन

जेद्दाह

फॉर्मूला वन की दुनिया में मैक्स वर्स्टापेन के भविष्य को लेकर चल रही तमाम अटकलों के बीच रेड बुल टीम प्रिंसिपल क्रिस्टियन हॉर्नर ने बड़ा बयान दिया है। हॉर्नर ने शुक्रवार को साफ किया कि वर्स्टापेन अगले सीजन भी रेड बुल के साथ ही नजर आएंगे और टीम में किसी तरह का कोई संकट नहीं है।

अफवाहों पर लगाया ब्रेक

पिछले कुछ दिनों से खबरें थीं कि रेड बुल के मोटरस्पोर्ट सलाहकार हेल्मुट मार्को की चिंता के बाद वर्स्टापेन अपने एग्जिट क्लॉज का इस्तेमाल कर सकते हैं। माना जा रहा था कि मर्सिडीज और एस्टन मार्टिन उन्हें साइन करने के इच्छुक हैं। हालांकि, हॉर्नर ने सऊदी अरब ग्रां प्री के दौरान स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, टीम के बाहर बहुत शोर है। मैक्स ने कल अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। हम कार को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं और मैक्स उसका अहम हिस्सा हैं। बाकी सब अफवाहें हैं।

एस्टन मार्टिन का 88 मिलियन डॉलर का ऑफर

इटली के अखबार गजेट्टा डेल्लो स्पोर्ट ने बिना किसी आधिकारिक स्रोत के खबर दी थी कि एस्टन मार्टिन, सऊदी फंडिंग के साथ वर्स्टापेन को तीन साल के लिए हर साल 88 मिलियन डॉलर देने को तैयार है। हालांकि, एस्टन मार्टिन टीम बॉस एंडी कोवेल ने फिलहाल 2026 के लिए फर्नांडो अलोंसो और लांस स्ट्रोल पर फोकस करने की बात कही है।

मर्सिडीज में नहीं बनती जगह – जेम्स वाउल्स

मर्सिडीज और वर्स्टापेन की संभावित डील को लेकर भी चर्चाएं थीं, लेकिन मर्सिडीज के पूर्व रणनीति प्रमुख और अब विलियम्स टीम बॉस जेम्स वाउल्स ने इस संभावना को खारिज किया। उन्होंने कहा, वर्स्टापेन शानदार ड्राइवर हैं, लेकिन वह कुछ मुश्किलें भी साथ लाते हैं। मर्सिडीज के पास बेहतरीन टीम कल्चर है और दो शानदार ड्राइवर हैं। मुझे नहीं लगता वहां उनके लिए जगह है।

क्राइसिस मीटिंग की खबर भी अफवाह

रेड बुल टीम की बहरीन में हुई एक बैठक को क्राइसिस समिट बताने की खबरों पर भी हॉर्नर ने सफाई दी। उन्होंने कहा, अगर आप अपनी इंजीनियरिंग टीम के साथ रेस की समीक्षा करते हैं, तो उसे संकट बैठक नहीं कहा जा सकता। हम जानते हैं कि कार में क्या दिक्कतें हैं और उन्हें दूर करने के लिए आगामी रेस में कई अपग्रेड लाने की योजना है।

मुंबई इंडियंस ने अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगायी अपने स्टार खिलाड़ियों की प्रतिमाएं

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) के टर्मिनल 2 आगमन पर अपने चार स्टार खिलाड़ियों की प्रतिमाएं लगायी हैं। टीम ने जिन खिलाड़ियों की प्रतिमाएं लगायीं वे हैं। रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव फ्रेंचाइजी ने साथ ही कहा, ये चारों सिर्फ मुंबई के लिए नहीं खेले हैं, वे मुंबई की तरह ही खेले हैं निडर और अजेय की तरह। साथ ही कहा किमुंबई इंडियंस नई पीढ़ियों को प्रेरित करना जारी रखती है, यह पहल प्रशंसकों को टीम के करीब लाने और इन दिग्गजों द्वारा बनाई गई विरासत का सम्मान करने की दिशा में एक और कदम है। गौरतलब है कि साल 2008 में उद्घाटन वर्ष से लेकर अब तक के सफर में मुम्बई इंडियंस चेन्नई की टीम ने सबसे अधिक पांच बार खिताब जीता है। इस प्रकार वह लीग चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ ही सबसे सफल फ्रेंचाइजी भी है। सीएसके ने भी पांच बार खिताब जीता है। टीम के पास बुमराह जैसा तेज गेंदबाज और ऑलराउंडर पंड्या जैसा कप्तान है।

एशेज सीरीज के बाद गाबा मैदान पर नहीं होंगे क्रिकेट मुकाबले

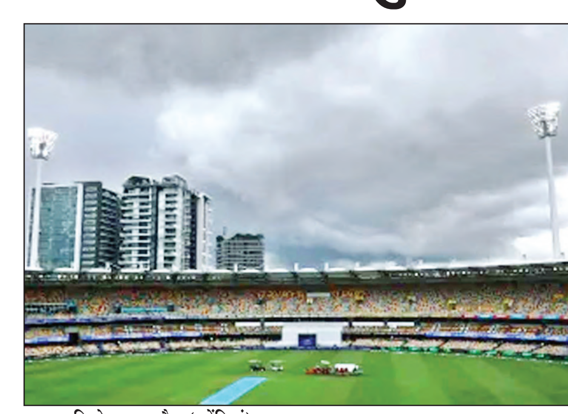

ब्रिस्बेन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन स्टेडियम में अब प्रशंसकों को क्रिकेट मुकाबले देखने को नहीं मिलेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज के बाद यह मैदान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले लेगा। इस मैदान पर दशकों से क्रिकेट और ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग (एएफएल) मुकाबले होते रहे हैं। को 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के बाद ध्वस्त कर दिया जाएगा। गाबा स्टेडियम को क्रिकेट और फुटबॉल का गढ़ माना जाता है पर अब क्वींसलैंड सरकार ने इस ऐतिहासिक मैदान की जगह विक्टोरिया पार्क में एक नया, अत्याधुनिक स्टेडियम बनाने की घोषणा की है। यह स्टेडियम करीब 63,000 दर्शकों की क्षमता वाला होगा और भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए उपयोग में लाया जाएगा।

गाबा स्टेडियम को क्रिकेट की दुनिया में ऑस्ट्रेलिया का एक ऐसा मैदान माना जाता है जहां उसे हमेशा ही जीत मिलती रही है हालांकि साल 2021 में भारतीय क्रिकेट टीम ने इस मैदान पर जीतक मेजबान टीम का अजेय वाला रिकार्ड तोड़ दिया था। भारतीय टीम ने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के दौरान ऑस्ट्रेलिया को साल 1988 के बाद पहली बार इस मैदान पर पराजित किया था। गाबा स्टेडियम लंबे समय से पुरानी संरचना और सीमित सुविधाओं के कारण निशाने पर बना हुआ था। इसे मैदान के पुनर्निर्माण की पहले योजना थी पर भारी भरकम खर्च को देखते हुए रद्द कर दिया गया। लोग इस स्टेडियम के भी भारी रकम खर्च करने के खिलाफ थे जिसे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया दबाव में था। वहीं सरकार ने अब तय किया है कि गाबा की जगह एक नया अत्याधुनिक स्टेडियम बनाया जाएगा, जो आधुनिक खेल सुविधाओं से परिपूर्ण होगा और इससे क्वींसलैंड के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलेंगे। नए स्टेडियम के निर्माण में लगभग 3.8 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की लागत आएगी। इसे क्रिकेट, एएफलएल फुटबॉल और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाएगा।

मैकलरेन के चालक अभ्यास सत्र के बाद गैराज से बाहर आते हुए

सउदी अरब में मैकलरेन के चालक ब्रिटेन के नोरिस दूसरे अभ्यास सत्र के बाद गैराज से बाहर आते हुए।

ऑबामेयांग के लेट गोल की बदौलत अल क़दीसिया ने अल नस्र को 2–1 से हराया

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रिंस मोहम्मद बिन फहद स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए सऊदी प्रो लीग मुकाबले में पियरे–एमरिक ऑबामेयांग के देर से किए गए विजयी गोल की बदौलत अल क़दीसिया ने अल नस्र को 2–1 से हराया। इस हार के साथ ही अल नस्र की खिताबी दौड़ को बड़ा झटका लगा है।

पहले हाफ में अल क़दीसिया ने बनाई बढ़त

मैच की शुरुआत से ही अल क़दीसिया ने आक्रामक खेल दिखाया और 35वें मिनट में तुर्की अल–अम्मार के आसान टैप–इन गोल की मदद से 1–0 की बढ़त हासिल कर ली। इस गोल की नींव रखी ऑबामेयांग ने, जो लगातार विपक्षी डिफेंस के पीछे दौड़ लगाकर दबाव बना रहे थे। उनकी तेज़ शॉट को गोलकीपर बेंटो ने रोका, लेकिन रिबाउंड पर अल–अम्मार ने कोई गलती नहीं की।

अल नस्र का आक्रमण, डुरान ने गंवाया सुनहरा मौका

दूसरे हाफ में अल नस्र ने बराबरी की पूरी कोशिश की। 57वें मिनट में क्रिस्टियानो रोनाल्डो गेंद को काबू नहीं कर पाए, जिसके बाद जॉन डुरान को शानदार मौका मिला, लेकिन उनका शॉट गोल के ऊपर चला गया। यह मौका अल नस्र के लिए मैच बदलने वाला हो सकता था।

सादियो माने ने दिलाई बराबरी

84वें मिनट में ब्राज़ीली मिडफील्डर ओतावियो के बेहतरीन क्रॉस पर सादियो माने ने शानदार टच के बाद गेंद को गोलकीपर के पास से गोल में डालकर स्कोर 1–1 कर दिया। इस गोल के बाद अल नस्र के खेमें में खुशी लौट आई थी।

ऑबामेयांग ने फिर रचा इतिहास

लेकिन माने के गोल के महज तीन मिनट बाद ऑबामेयांग ने नाहितान नांदेज़ के क्रॉस पर हेडर लगाकर अल क़दीसिया को फिर से बढ़त दिला दी। यह गोल निर्णायक साबित हुआ और अल नस्र को हार झेलनी पड़ी।

अंक तालिका में हाल

इस जीत के बावजूद अल क़दीसिया पांचवें स्थान (55 अंक, 28 मैच) पर बना हुआ है। वहीं, हार के बाद अल नस्र तीसरे स्थान (64 अंक) पर है और अब वह लीग लीडर अल इत्तिहाद से आठ अंक पीछे रह गया है। इससे उसकी खिताबी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

वीर चोत्राणी और अनाहत सिंह वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप एशिया क्वालिफायर्स के फाइनल में

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)।

मलेशिया के कुआलालंपुर में खेले जा रहे वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप क्वालिफाइंग इवेंट (एशिया) में भारत के वीर चोत्राणी और अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। वीर चोत्राणी ने सेमीफाइनल मुकाबले में हांगकांग, चीन के आठवें वरीय ची हिम वोंग को 3–1 (11–7, 11–6, 7–11, 11–4) से हराया। वेर अब फाइनल में पाकिस्तान के टॉप सीड मोहम्मद असीम खान और मलेशिया के तीसरे वरीय अमीशेनराज चंद्रन में से किसी एक के खिलाफ खिताबी भिड़ंत करेंगे। महज 17 साल की अनाहत सिंह ने भी अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए सेमीफाइनल में हांगकांग, चीन की आठवीं वरीय हेलेन टैंग को सीधे गेमों में 3–0 (11–2, 11–7, 11–6) से मात दी। फाइनल में अनाहत का सामना हांगकांग, चीन की टोबी टसे से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में भारत की अकांक्षा सालुंखे को 3–1 (11–3, 12–10, 10–12, 11–8) से हराया। इस टूर्नामेंट के विजेता खिलाड़ियों को 9 से 17 मई तक शिकागो (अमेरिका) में होने वाली वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। भारतीय खिलाड़ियों के फाइनल तक पहुंचने से देश में स्क्वैश फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है।

राहुल ने अपने जन्मदिन पर नवजात बेटी इवारा की तस्वीरें साझा की

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज के एल राहुल 19 अप्रैल को 33 साल के हो गये। इस अवसर पर राहुल उनकी पत्नी अथिया शेट्टी ने अपनी नवजात बेटी की पहली तस्वीर सार्वजनिक की। इस जोड़े ने अपनी बेटी का नाम इवारा रखा है, जिसका मतलब है भगवान का उपहार। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर के आते ही प्रशंसकों ने उसे काफी पसंद किया। राहुल और अथिया की बेटी का जन्म पिछले माह 24 मार्च हुआ था। अब दोनों ने अपने बेटी की एक तस्वीर साझा की, जिसमें राहुल बेटी को गोद में लिए हुए हैं और अथिया प्यार भरी नजरों से उन्हें देख रही हैं। इस लिखा था– हमारी बेटी, हमारे लिए सबकुछ हैं इवारा। राहुल ने बेटी का पूरा नाम इवारा विपुला राहुल बताया है।इसमें इवारा का अर्थ भगवान का उपहार है, विपुला उनकी परदादी और रक्षक के सम्मान में रखा गया है, और राहुल उनके पिता के नाम से लिया गया है। इस तस्वीर में इवारा राहुल के कंधे पर लेटी हुई है पर उसका चेहरा छिपा हुआ है। बॉलीवुड सितारों और प्रशंसकों ने इसके कमेंट सेक्शन में प्यार और बधाइयां दीं। अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने लाल हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। वहीं एक प्रशंसक ने लिखा– नाम बताने के लिए इससे बेहतर दिन नहीं हो सकता। जन्मदिन की बधाई हो केएल। वहीं अथिया के पिता अभिनेता सुनील शेट्टी ने एक भावुक जन्मदिन संदेश साझा करते हुए राहुल को सबसे कीमती उपहार बताया।

2000 से ज्यादा के यूपीआई पर जीएसटी नहीं लगाएगी सरकार : वित्त मंत्री

सोशल मीडिया में चल रही खबरें झूठी और भ्रामक

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछले वित्तवर्ष में यूपीआई ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड 260.56 लाख करोड़ रुपये पहुंचने के उत्साहजनक खबरों के बीच लोगों को जैसे ही पता चला कि सरकार 2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई ट्रांजेक्शन पर जीएसटी वसूलने की तैयारी कर रही है, सब निराश हो गए। सोशल मीडिया पर इसे लेकर यूजर्स की नाराजगी साफ दिखने लगी। बात इतनी बढ़ गई कि वित्त मंत्रालय को खुद आकर पूरी बात बतानी पड़ी। वित्त मंत्रालय ने स्पष्टीकरण जारी कर बताया कि 2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई लेनदेन पर जीएसटी लगाने की सरकार की कोई मंशा नहीं है। सोशल मीडिया में चल रही इस तरह की खबरें पूरी तरह झूठी, भ्रामक और बिना किसी आधार के वायरल हो रही हैं। साफ कर दिया है कि यूपीआई पर किसी भी तरह का जीएसटी नहीं वसूला जा रहा है। वित्त मंत्रालय ने आगे कहा कि कुछ उपकरणों के जरिये भुगतान जैसे क्रेडिट कार्ड आदि पर लगने वाले मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) पर ही जीएसटी लगाया जाता है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि जनवरी 2020 से केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने व्यक्ति-से-व्यापारी यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर हटा दिया है. चूंकि, वर्तमान में यूपीआई लेनदेन पर कोई एमडीआर नहीं लगाया जाता है, लिहाजा इस तरह के लेनदेन पर कोई जीएसटी लागू नहीं होता है। मंत्रालय ने अपने स्पष्टीकरण में बताया है कि यूपीआई के विकास को समर्थन बनाए रखने के लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 से एक प्रोत्साहन योजना चालू है. यह योजना विशेष रूप से कम-मूल्य वाले यूपीआई लेनदेन को प्रोत्साहित करती है, ताकि छोटे व्यापारियों को लेनदेन की लागत में राहत मिल सके ।

न्यूज़ ब्रीफ

ट्रंप के गुस्से का शिकार हुए पॉवेल, इन्हें हटाने की तैयारी शुरू

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने तानाशाही रूप का परिचय देना जारी रखा है, जब उन्होंने अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के चीफ जेरोम पॉवेल की ब्याज दरें घटाने की मांग की थी और उनके फैसले को मानने के लिए मजबूर करने की कोशिश की। ट्रंप के इस गुस्से का शिकार अब भूमिकाधारक योगदान देने वाले पॉवेल हैं, जिनके हटाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। पॉवेल ने ट्रंप की इस मांग को मानने से इनकार कर दिया था, जिससे ट्रंप का दिल और भी बुरा हो गया। अब सरकार इन्हें अपनी बाधा मानते हुए कुर्सी से हटाने के लिए उनकी तलाश में है। पॉवेल ने ट्रंप की ब्याज दर घटाने की मांग को मानने से कर दिया था इनकार इस विवाद की गतिविधियों में शामिल होने वाले नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल के निदेशक ने भी इस दिशा में संकेत दिया है। ट्रंप और पॉवेल के बीच जो टकराव सामने आया है, यह उनकी विचारधारा और आर्थिक नीति में अनैतिकता और संघर्ष की दिशा में जा रहा है। ट्रंप की गुस्सा भरी धमकियों के बाद पॉवेल के सामने कैसे रामू की तरह उनकी उपस्थिति कायम रहेगी, यह अब देखने को मिलेगा। फेडरल रिजर्व गवर्नरों को सीधे तौर पर निकालने का अधिकार राष्ट्रपति के पास नहीं है, लेकिन ट्रंप इस प्रक्रिया को शुरू करने की कोशिशें कर रहे हैं ताकि पॉवेल के खिलाफ कोई कार्रवाई की जा सके। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान पॉवेल को चेयरमैन के रूप में नामित किया था, लेकिन अब वे उनके खिलाफ चुनौती बने।

वॉट्सऐप ने वीडियो स्टेटस की ड्यूरेशन को बढ़ाकर 90 सेकेंड किया

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफार्म वॉट्सऐप ने अपने स्टेटस अपडेट के लिए एक नया फीचर पेश किया है।

भारतीय दवा कंपनियों की नजर 145 अरब डॉलर के अमेरिकी कैंसर दवा बाजार पर

साल 2034 तक अमेरिकी दवा बाजार 416.93 अरब डॉलर होने का अनुमान

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय दवा कंपनियां 145 अरब डॉलर के अमेरिकी कैंसर दवा बाजार में बड़ी हिस्सेदारी हासिल करने की तैयारी कर रही है। अमेरिकी दवा बाजार हर साल 11 फीसदी चक्रवृद्धि दर के हिसाब से बढ़ता जा रहा है। बीते कुछ महीनों से कई भारतीय दवा कंपनियों को कैंसर की जेनेरिक दवाइयों के लिए अमेरिकी औषधि नियामक (यूएसएफडीए) से मंजूरी मिली है, जिससे अमेरिकी बाजार में जेनरिक और बायोसिमिलर दवाओं में प्रवेश लगातार बढ़ा है। साल 2024 में अमेरिकी कैंसर दवा बाजार का मूल्य 145.52 अरब डॉलर आंका गया था और साल 2034 तक इसके 416.93 अरब डॉलर होने का अनुमान है। इस लिहाज से देखा जाए तो साल 2025 से 2034 के बीच इसके सालाना 11.1 फीसदी चक्रवृद्धि दर से बढ़ रहा है। जानकारों का मानना है कि सिप्ला, बायोकॉन बायोलॉजिक्स और जायडस लाइफसाइंसेज को मिली मंजूरी कैंसर उपचार के जटिल क्षेत्र में भारतीय कंपनियों की बढ़ती क्षमताओं और आकर्षक अमेरिकी बाजार में उनकी बढ़ती उपस्थिति की ओर इशारा करते हैं। भारतीय कंपनियां पिछले कुछ समय से जटिल जेनेरिक पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जो उन्हें अमेरिका में जेनेरिक क्षेत्र में मूल्य निर्धारण के दबाव से भी कहीं न कहीं बचाता है।

इक्रा की उपाध्यक्ष ने कहा कि वैश्विक महामारी के बाद से एफडीए प्रक्रिया सामान्य हो गई है और अब भारतीय कंपनियां कैंसर की दवाओं जैसे जटिल मॉलिक्यूल्स पर ध्यान दे रही हैं, क्योंकि बुनियादी जेनरिक श्रेणी अपने उच्चतम स्तर तक पहुंच गई है। बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने 10 अप्रैल को एवास्टिन के बायोसिमिलर जोबेवेन (बेवाकिजुमाब-एनयूजीडी) के लिए एफडीए मंजूरी मिलने की घोषणा की थी। इसका उपयोग कोलोरेक्टल, फेफड़े और ग्लियोब्लास्टोमा जैसे विभिन्न कैंसर के उपचार में किया जाता है। यह बायोकॉन का अमेरिका में स्वीकृत सातवां बायोसिमिलर है, इसके साथ ही इसके कैंसर की दवाओं के पोर्टफोलियो का विस्तार हुआ है। कंपनी अमेरिका, यूरोप और कनाडा में ओगिवरी और फुलफिला जैसे बायोसिमिलर भी बेचती है। सिप्ला ने एब्राक्सेन के अपने एबी-रेटेड-जेनरिक संस्करण के लिए अमेरिकी औषधि नियामक से मंजूरी हासिल कर ली। इसका उपयोग स्तन कैंसर, गैर स्मॉल सेल फेफड़ों के कैसंर और पैंक्रियाटिक कैंसर में उपयोग होता है और सिप्ला की यह दवा 2025-26 की पहली छमाही में अमेरिका में आ सकती है। मार्च में जायडस को भी मेटास्टेटिक कैस्ट्रेशन-सेंसिटिव प्रोस्टेट कैंसर के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एर्लेडा की जेनेरिक दवा को मंजूरी मिली थी।

मुंबई एयरपोर्ट नौ मई को छह घंटे बंद रहेगा

मुंबई। शहर के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर उड़ान संचालन मानसून की शुरुआत से पहले हवाई पट्टी के रखरखाव के कारण नौ मई को छह घंटे के लिए बंद रहेगा। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एमआईएएल) ने यह भी कहा कि सभी हितधारकों को सूचित करने के लिए अनिवार्य नोटम (एयरमैन को नोटिस) छह महीने पहले जारी किया गया था। निजी क्षेत्र के परिचालक ने कहा कि दोनों हवाई पट्टी- 09/27 और 14/32 पर मानसून से पहले होने वाला रखरखाव कार्य नौ मई को सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक चलेगा।

अमेज और एलिवेट एसयूवी के लिए सीएनजी रेट्रोफिट किट लॉन्च

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। **होंडा कार्स इंडिया ने अपनी पॉपुलर कारों अमेज और एलिवेट एसयूवी के लिए सीएनजी रेट्रोफिट किट लॉन्च की है। भारत में डीजल कारों की संख्या कम होने के साथ ही लोग अब सीएनजी को एक बेहतर विकल्प के रूप में देख रहे हैं, क्योंकि यह ना सिर्फ सस्ता है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी उपयुक्त है। ये किट्स सरकारी मान्यता प्राप्त हैं और डीलरशिप पर इंस्टॉल की जाएंगी। पहले होंडा केवल पेट्रोल इंजन वाली कारें बेचती थी, लेकिन अब कंपनी ने सीएनजी ऑप्शन भी पेश किया है।**

ध्यान देने योग्य बात यह है कि ये सीएनजी किट्स फैक्ट्री-फिटेड नहीं होंगी, बल्कि डीलरशिप पर इंस्टॉल की जाएंगी। कुछ विशेष डीलर्स ही यह किट्स इंस्टॉल करेंगे, और इसका काम प्रशिक्षित पेशेवरों द्वारा किया जाएगा। इंस्टॉलेशन के बाद कार का रजिस्ट्रेशन पेट्रोल और सीएनजी दोनों के तौर पर कराना होगा। इस समय, यह कंफर्म नहीं है कि होंडा की सिटी को भी यह सीएनजी किट मिलेगी या नहीं। फिलहाल, कंपनी ने केवल अमेज और एलिवेट के लिए इस सुविधा की घोषणा की है।

हालांकि, कंपनी ने सीएनजी किट्स के साथ गाड़ियों की माइलेज के बारे में कोई खुलासा नहीं किया है, लेकिन सामान्यत: सीएनजी से चलने वाली कारें पेट्रोल की तुलना में 30-40 प्रतिशत सस्ती चलती हैं। यह कदम उस समय आया है जब डीजल विकल्पों की कमी हो रही है और सीएनजी एक सस्ती, किफायती और पर्यावरण के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभरी है। अगर आप पेट्रोल की बढ़ती कीमतों से परेशान हैं और एक किफायती व स्टाइलिश गाड़ी की तलाश में हैं, तो होंडा की नई पेशकश आपके लिए खुशखबरी लेकर आई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

स्तर लोकसभा...

कम-से-कम 5 न्यायाधीशों वाली पीठ द्वारा निर्णय लिया जाना चाहिए। फिर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने राष्ट्रपति को आदेश देने वाले दो न्यायाधीशों को न्यायिक मर्यादा का उल्लंघन करने की क्या सजा दी? यहां यह रेखांकित किया जाना आवश्यक है कि पांच न्यायाधीशी की संवैधानिक पीठ तब गठित हुई थी जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या आठ थी। अब सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 31 हो गई है। अब संवैधानिक पीठ सुप्रीम कोर्ट के जजों की मौजूदा संख्या के मुताबिक गठित होनी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा भी कि संविधान पीठ में न्यायाधीशों की न्यूनतम संख्या बढ़ाने के लिए अनुच्छेद 145 (3) में संशोधन करने की आवश्यकता है।

जहां तक वरीयता क्रम का सवाल है तो राष्ट्रपति देश का सर्वोच्च पद होता है। राष्ट्रपति को भारत का पहला नागरिक कहा जाता है। इतना ही नहीं, राष्ट्रपति और संसद को मिलाकर ही भारत बनता है और वह संघ के प्रशासन का प्रमुख होता है। इसी प्रशासन का एक अंग न्यायपालिका भी है। भारत में राष्ट्रपति और राज्यपाल ही ऐसे दो पद हैं, जिनके खिलाफ अदालती कार्रवाई नहीं की जा सकती है। भारत के संविधान ने अनुच्छेद 361 के तहत इसका प्रावधान किया है। यह अनुच्छेद राष्ट्रपति और राज्यपालों के खिलाफ अदालती कार्यवाही से सुरक्षा प्रदान करता है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट न ही इन दोनों को किसी मामले में नोटिस जारी कर सकता है और न ही निर्देश दे सकता है।

राष्ट्रपति के बाद देश में दूसरा सर्वोच्च पद उपराष्ट्रपति का होता है। इसके बाद तीसरे नंबर पर प्रधानमंत्री आते हैं। देश का चौथा सर्वोच्च पद राज्यपाल का होता है, जो उनके कार्य वाले राज्यों में होता है। इसके बाद वरीयता क्रम में पांचवें स्थान पर पूर्व राष्ट्रपति आते हैं। इसके बाद भारत के उपप्रधानमंत्री का पद वरीयता क्रम में 5-ए स्थान पर आता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और लोकसभा स्पीकर का पद एक समान होता है। दोनों वरीयता क्रम में छठे नंबर पर आते हैं। इसके बाद सातवें नंबर पर केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्री अपने राज्यों में होते हैं। योजना आयोग के उपाध्यक्ष, पूर्व प्रधानमंत्री, राज्यसभा और लोकसभा में विपक्ष के नेता भी सातवें क्रम पर ही आते हैं।

भारत रत्न से सम्मानित व्यक्ति का क्रम 7-ए होता है। आठवें क्रम में राजदूत, भारत द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रमंडल देशों के आयुक्त, अपने राज्य के बाहर मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल होते हैं। नौवें क्रम पर सुप्रीम कोर्ट के आते हैं। इसके बाद 9-ए पर संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष, मुख्य चुनाव आयुक्त और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) आते हैं। वरीयता क्रम में 10वें स्थान पर राज्यसभा के उपसभापति, राज्यों के उपमुख्यमंत्री, लोकसभा के उपसभापति, योजना आयोग (वर्तमान में नीति आयोग) के सदस्य और केंद्र सरकार के राज्यमंत्री आते हैं। वहीं, 11वें स्थान पर भारत के अटॉर्नी जनरल, कैबिनेट सचिव और अपने-अपने केंद्र शासित प्रदेशों के भीतर लेफ्टिनेंट गवर्नर (उपराज्यपाल) तक शामिल हैं। वरीयता क्रम में 12वें स्थान पर पूर्ण जनरल या समकक्ष रैंक के पद पर कार्यरत चीफ ऑफ स्टाफ आते हैं।

श्रीलंका ने रद्द...

परियोजनाओं को अपनी कंपनियों से कराने का करार करके नेपाल के खजाने पर डाका डाल रहा है। पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण चीन की सरकारी कंपनी सीएएमसी इंजीनियरिंग ने किया था। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के अंतर्गत यह एक प्रमुख परियोजना मानी जा रही थी। लेकिन अब इस परियोजना को लेकर अनेक विवादों के सामने आने और बीजिंग पर घोटाले के आरोप लगने से नेपाल सरकार सकते में है। एक तरफ, इन आरोपों के निशाने पर चीन की निर्माण प्रक्रिया है। तो दूसरी तरफ, चीन और नेपाल के बीच संबंधों को भी लेकर सवाल उठे हैं।नेपाल के दूसरे सबसे बड़े शहर में स्थित पोखरा हवाईअड्डे को पर्यटन को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को आकर्षित करने के उद्देश्य से बनाया गया था। नेपाल को उम्मीद थी कि यह एयरपोर्ट देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई पर ले जाएगा। लेकिन, इसके निर्माण और संचालन में कई समस्याएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे में अब चीन की शह पर शुरू हुई यह परियोजना नेपाल के लिए सफेद हाथी पालने जैसी साबित हो रही है। नेपाल की संसदीय जांच समिति ने एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में चीन की उक्त कंपनी पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की सीएएमसी इंजीनियरिंग कंपनी ने हवाई अड्डे के निर्माण में घटिया गुणवत्ता वाले उपकरणों का इस्तेमाल किया है और तय मानकों का भी पालन नहीं किया गया है। इसके अलावा, कंपनी ने परियोजना की मंजूरी के लिए नेपाल के अधिकारियों और सांसदों को रिश्वत दी थी। यह बात साबित करती है कि चीनी प्रभाव वाले नेताओं और अधिकारियों ने इस हवाई अड्डे के रास्ते अपने ही देश के खजाने से अपनी जेबें गर्म की हैं।इस परियोजना की लागत शुरू में 12 अरब नेपाली रुपए आंकी गई थी, लेकिन बाद में यह बढ़कर 24 अरब कर दी गई। चीन के निर्यात-आयात बैंक से 20 साल के कर्ज के साथ इस हवाई अड्डे का निर्माण किया गया था। लेकिन चालाक चीन ने बाद में ब्याज दर बढ़ा दी, जिससे नेपाल पर कर्ज का बोझ और बढ़ गया। नेपाल की सरकार ने चीन से इस कर्ज को अनुदान में बदलने की मांग तो की है लेकिन वह मान ली जाएगी, इसमें संशय है। आज हालत यह है कि पोखरा हवाईअड्डे से सप्ताह में केवल एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित होती है, जो इसके निर्माण के उद्देश्य को कामयाबी से बहुत दूर दिखाती है। इसके अलावा, हवाईअड्डे पर टेकऑफ और लैंडिंग के लिए दो अलग अलग रनवे बनाए जाने थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से अभी केवल एक रनवे का उपयोग हो रहा है।

इस परियोजना में नेपाल के कुछ राजनीतिक नेताओं और अधिकारियों के आर्थिक स्वार्थ भी जुड़े रहे हैं। समिति की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि चीन की कंपनी को सीमा शुल्क और वैट में छूट दी गई थी, जबकि समझौते में ऐसा कुछ नहीं था। पोखरा हवाईअड्डे के निर्माण को नेपाल और चीन के बीच संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ की उपमा दी जा रही थी। लेकिन यह परियोजना न केवल नेपाल की आर्थिक स्थिति पर खराब असर डाल रही है, बल्कि चीन की कर्ज जाल की रणनीति को भी उजागर कर रही है। नेपाल को इस परियोजना से सबक लेते हुए भविष्य में चीन के साथ व्यवहार में अधिक सतर्कता और पारदर्शिता लानी होगी, नहीं तो उस हिमालयी देश को अपने सामने घुटने टेकने को मजबूर करने के सपने नेपाल बैठा कम्युनिस्ट ड्रैगन पूरी निर्ममता के साथ कर्ज वसूलने के लिए कुख्यात है।

सऊदी अरब...

मैं पहले ही यह नहीं कह सकता कि बातचीत की प्रकृति कैसी होगी। लेकिन इतना जरूर कह सकता हूं कि यह मुद्दा दोनों नेताओं के बीच प्रमुख चर्चा का विषय होने जा रहा है। विक्रम मिस्री ने कहा, यह एक बहुत महत्वपूर्ण मौका है। हम इस यात्रा के दौरान कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत कर सकेंगे। दोनों देशों के साझा हितों से जुड़े मामलों पर विचार साझा करना जरूरी है। हूती विद्रोहियों द्वारा शिपिंग और नेविगेशन पर किए गए हमले भी चिंता का विषय हैं। भारत इन घटनाओं पर बहुत नजदीक से नजर रख रहा है। भारतीय नौसेना ने इस क्षेत्र में बड़ा अभियान शुरू किया है। हमने पहले ही व्यापारी जहाजों और नाविकों की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं। इसी तरह, पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी बातचीत होगी। इस्राइल और फलस्तीन के बीच हालात भी चिंता का कारण बने हुए हैं। सऊदी अरब इस मुद्दे को सुलझाने में अहम भूमिका निभा रहा है। भारत भी इस मसले से जुड़े सभी प्रमुख पक्षों के साथ लगातार संवाद में है। इसलिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है कि हम इन मुद्दों पर सऊदी अरब जैसे अहम साझेदार के साथ बातचीत करें।

स्टालिन ने अब...

दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 11 अप्रैल को कहा था कि स्टालिन सरकार गंभीर मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए भावनात्मक मुद्दों को हवा दे रही है। उन्होंने विधानसभा चुनावों में एआईएडीएमके के साथ मिलकर सरकार बनाने की बात कही थी। तमिलनाडु सरकार ने भाषाई घृणा फैलाने की सुनियोजित नीति के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की किताबों के नाम पर भी बवाल शुरू कर दिया है।

रॉबर्ट वाड्रा के...

सीसी थम्पी और संजय भंडारी के साथ मिलकर उनपर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। स्विट्जरलैंड की कंपनी पाइलेटस से 75 ट्रेनर एयरक्राफ्ट की खरीद में इन दोनों ने पैसे कमाए थे। ईडी ने पूरे मनी ट्रेल का विवरण तैयार किया है। संजय भंडारी की दुबई स्थित कंपनी के खाते में दलाली की 310 करोड़ रुपए की रकम भेजी गई। इस कंपनी का नाम ऑफसेट इंडिया सोलूशन्स है। इन रुपयों का बाद में दुबई व लंदन में सम्पत्ति खरीदने के लिए इस्तेमाल किया गया। ईडी ने 150 करोड़ रुपयों का पता लगाया और संजय भंडारी की 26 करोड़ रुपए की सम्पत्तियां जब्त की। लंदन में संजय भंडारी द्वारा खरीदी गई सम्पत्तियों से रॉबर्ट वाड्रा के भी तार जुड़े। एक अन्य मामला बीकानेर लैंड डील का भी है।राजस्थान के बीकानेर में रॉबर्ट वाड्रा ने विस्थापितों के लिए जमीन खरीदने का दावा किया। बताया जाता है कि इसके लिए उन्होंने अपने सहयोगियों के माध्यम से फ़र्ज़ी प्रमाण-पत्रों का सहारा लिया। उनकी कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी के माध्यम से 275 बीघा जमीन खरीदी गई। मात्र 72 लाख रुपए में इन जमीनों को खरीद कर इन्हें 5.20 करोड़ रुपए में बेचा गया। एक अन्य मामले में प्रियंका गांधी भी आरोपी हैं, जिसमें 21 नवंबर, 2023 को सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की जा चुकी है।रॉबर्ट वाड्रा, प्रियंका गांधी और सीसी थम्पी ने मिलकर हरियाणा के फरीदाबाद में 2005-08 के बीच रिटेलर एचएल पाहवा से 531 एकड़ जमीन खरीदी। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर में 12 एकड़ जमीन खरीद के एक मामले में भी वाड्रा और थम्पी के विरुद्ध जांच चल रही है। तीनों ने मिलकर उस जमीन को वापस पाहवा को बेचा, फिर पाहवा ने उस जमीन को डीएलएफ को बेच दिया। 22 दिसंबर, 2023 को जब कोर्ट ने चार्जशीट का संज्ञान लेकर आरोप तय करने शुरू किए, तब रॉबर्ट वाड्रा और प्रियंका गांधी इस मामले में आरोपी नहीं थे।

हिंदू नेता भावेशचंद्र...

हम इस बर्बर घटना की कड़ी निंदा करते हैं और एक बार फिर अंतरिम सरकार को याद दिलाते हैं कि वह हर अल्पसंख्यक, विशेषकर हिंदुओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी से मुंह न मोड़े और बहानेबाजी या भेदभाव करना तत्काल बंद करे।

भावेश चंद्र रॉय बांग्लादेश पूजा उपासना परिषद की बिराल इकाई के उपाध्यक्ष और क्षेत्र में हिंदू समुदाय के नेता थे। भावेश की पत्नी शांतना का कहना है कि किडनैपिंग से पहले एक कॉल आई थी। इसके 30 मिनट बाद चार लोग मोटरसाइकिल पर आए और भावेश को अगवा कर लिया गया। वह लोग उनको नाराबारी गांव ले गए, जहां उनके साथ बेरहमी से मारपीट हुई। जब उन्हें वापस भेजा गया तो वह अचेत अवस्था में थे। अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस घटना पर बिरला पुलिस थाने के प्रभारी अब्दुस सबूर ने बताया कि केस दर्ज करने की अभी तैयारी ही चल रही है। बांग्लादेश की मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली इस्लामी सरकार में अपराधी और कट्टरपंथी उपद्रवी जमातें बिल्कुल बेखौफ हैं। सरकार का संरक्षण पाए इस्लामिक कट्टरपंथी लगातार हिंदुओं पर हमले कर रहे हैं। हिंदुओं की हत्या, हिंदू लड़कियों का रेप और कन्वर्जन वहां सामान्य हो गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 20 अप्रैल, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

तेलंगाना के तीन छात्र जेईई मेन 2025 में शीर्ष पर

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के छात्रों ने एक बार फिर संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेन 2025 में अपना परचम लहराया है, जिसमें तीन छात्रों ने पूरे 100 पर्सेंटाइल हासिल किए हैं।राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा शुक्रवार रात घोषित परिणामों में राज्य के वांगला अजय रेड्डी, बानी ब्रता माजी और हर्ष ए गुप्ता ने 100 पर्सेंटाइल अंक हासिल किए हैं। अजय रेड्डी ने कहा कि वह जेईई एडवांस्ड को क्रैक करने के लिए कमर कस रहे हैं। पहले सत्र में

मैंने 99.996 पर्सेंटाइल स्कोर किया। मैं अब टॉपर्स में से एक बनकर बहुत खुश हूं। वर्तमान में मैं जेईई एडवांस्ड की तैयारी कर रहा हूं और मैं आईआईटी-बॉम्बे में सीएसई करना चाहता हूं, उन्होंने कहा।

अपनी तैयारी की रणनीति के बारे में अजय रेड्डी ने बताया कि वह प्रतिदिन लगभग 10 घंटे अध्ययन करते थे और श्री चैतन्य जूनियर कॉलेज में आयोजित साप्ताहिक और मासिक परीक्षा देते थे।अजय रेड्डी ने कहा, साप्ताहिक और मासिक टेस्ट ने मुझे परीक्षा की बेहतर तैयारी करने में मदद की। शिक्षकों ने मेरी तैयारी में वाकई मदद की है। उन्होंने आगे बताया कि उनके भाई, जो आईआईटी-खड़गपुर में छात्र हैं, ने परीक्षा पास करने के लिए टिप्स दिए।सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक को पास करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए अजय रेड्डी सोशल मीडिया से दूर रहे। उन्होंने कहा, हालांकि मैं सोशल मीडिया पर हूं, लेकिन मैंने इसका इस्तेमाल केवल तभी किया जब मैं साल में तीन बार छुट्टियों के लिए घर गया था। मेरा ध्यान केवल जेईई मेन को पास करने पर है।

नारायण जूनियर कॉलेज के छात्र बानी ब्रता माजी ने उनसे उनकी सफलता के मंत्र के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि उन्होंने तैयारी के लिए लगभग 12-14 घंटे समर्पित किए। उन्होंने कहा, रसायन विज्ञान थोड़ा कठिन लगता था, लेकिन मैंने इसे चुनौती के रूप में लिया और तैयारी की। मेरे कॉलेज के शिक्षक हमेशा प्रोत्साहित करते हैं और हमेशा मेरी गलतियों को सुधारते हैं। मैंने भी अपनी गलतियों को पहचाना और समय-समय पर उन्हें सुधारा।

तनाव और दबाव से राहत पाने के लिए माजी ने शतरंज, टेबल टेनिस और बैडमिंटन खेलना शुरू कर दिया।

उन्होंने कहा, मैं जेईई एडवांस्ड की परीक्षा दूंगा और आईआईटी से कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग प्रोग्राम करूंगा। कुल मिलाकर, देश भर से 24 छात्रों ने जेईई मेन पेपर-1 (बीई/बीटेक) में 100 पर्सेंटाइल हासिल किए।

अग्रवाल समाज सिकंदराबाद उत्तरांचल नारी शक्ति शाखा की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज सिकंदराबाद उत्तरांचल नारी शक्ति शाखा की बैठक होटल मेजबान में आयोजित की गई। जिसमें आगामी माई माह में वार्षिक आम सभा करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उक्त बैठक में सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी के चित्र पर अध्यक्ष बीना चांदगोदिया व विशेष आमंत्रित अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति की उप-सचिव कंचन अग्रवाल ने माल्यार्पण कर किया। बैठक में आगामी चुनाव के लिए नामांकन कार्य भरे गये। आपसी विचार-विमर्श के पश्चात वार्षक चुनाव आगामी मई, 2025 में आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में अध्यक्ष बीना चांदगोदिया, उपाध्यक्ष पूनम जेन, मानद मंत्री दीपा भालोटिया, कोषाध्यक्ष शिल्पा कैशान, केंद्रीय समिति सदस्य रेणु अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य गौरी डाणी, संगीता अग्रवाल, रेणु अग्रवाल, कृष्णा गोयनका, शिल्पा धानुका, सीमा कन्दोई, मनीषा, भारती, अल्पना, अंकिता गोयनका, ललिता गोयल एवं अन्य उपस्थित थे।

अग्रवाल बिज़ कनेक्ट की बैठक लक्सलॉजिक्स लाइटिंग डिज़ाइनर स्टूडियो, बंजारा ग्रीन कॉलोनी, बंजारा हिल्स में आयोजित की गई। बैठक में सुमीत भालोटिया ने सभी अग्रवालबंधुओं का स्वागत करते हुए अग्रवाल बिज़ कनेक्ट के बारे में विस्तार से बताया। सभी सदस्यों ने अपना व्यवसाय परिचय दिया, अपने परिवार के बारे में बताया और अग्रवाल व्यवसाय समुदाय की बेहतरी के लिए सुझाव दिए। बैठक में एबीसी के संस्थापक उदय गुप्ता, सुमीत भालोटिया, रितुल अग्रवाल, मुकुल अग्रवाल, कनिया अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, सुशील लोहिया, मुकेश अग्रवाल, दुशांत अग्रवाल, प्रदीप सांघी, बरखा सांघी और अन्य लोग शामिल हुए।

गौ टेकगौ महाकुम्भ 2026 को लेकर बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुक्रवार को गगन पहाड स्थित क्लार्क्स इन कनवेन्शन सेन्टर मे हैदराबाद में आगामी 2026 मे आयोजित होने वाले गौ टेकगौ महाकुम्भ 2026 को लेकर बैठक रखी गई। इस बैठक में जीसी-सीआई के संस्थापक अध्यक्ष, राष्ट्रीय कामधेनु आयोग और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया की अध्यक्षता निर्णय किया गया कि हैदराबाद में आगामी गौ टेक गौ महाकुम्भ 2026 का आयोजन 7 जनवरी से 10 जनवरी 2026 के बीच में होगा।

बैठक में गौ टेकगौ महाकुंभ 2026 के प्रमुख अधिकारियों, विशेषज्ञों और आयोजकों ने भाग लिया और मेले की रूपरेखा, मुख्य आकर्षण तथा आयोजन की तैयारियों पर चर्चा की गई। क्लार्क्स इन कन्वेशन एवं एस.एन.सी. कन्वेशन ग्रुप के प्रतापभाई जाडेजा के आतिथ्य एवं सहयोग से आयोजित बैठक में गौ टेकगौ महाकुम्भ के पदधिकारियों समेत लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेरमेन जसमत पटेल, फेडरेशन आफ चेम्पर ओफ कोमर्स के अध्यक्ष सुरेश सिंघल, प्रमुख समाजसेवी नरेन्द्र गोयल, आर.जी.ए. शिक्षा न्यास के पूर्व चेरमेन ओमप्रकाश अग्रवाल, भारतीय प्राणीमित्र संघ अध्यक्ष जैनरत्न जसराज श्रीश्रीमाल, गोवत्स फाउंडेशन अध्यक्ष मुरलीमनोहर पलोड, भद्रीविशाल लोया, गोपालदास सारडा, जी-सीसीआई के सचिव अमिताभ भटनागर, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन मंत्री रिद्धीश जागीरदार, आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के चेरमेन आर.के. जैन, ध्यान फाउंडेशन गौशाला के अध्यक्ष दिपक विजयवर्गीय, अखिल भारत गौसेवा फाउंडेशन अध्यक्ष बालकृष्ण गुरूस्वामी, बीजेपी हैदराबाद सिटी कोषाध्यक्ष अविनाश देवडा, आर.एस.एस. नेता जी. नरसिम्हा राव, पी. राघवेन्द्रा, बी. मल्लेश गौड, संपत गोपती समेत बडी संख्या मे गौ सेवकों ने हिस्सा लिया। जिसमें गौ टेकगौ महाकुंभ 2026 की थीम गौआधारित उद्यमिता, जैविक कृषि और आधुनिक पशुपालन को बढ़ावा देना। गौपालक, किसानों और स्टार्टअप्स के लिए विशेष सत्रनवाचार, प्रशिक्षण और तकनीकी प्रदर्शन करना। व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने की रणनीति राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौ महाकुंभ 2026 का प्रचारप्रसार। प्रदर्शनी और स्टॉल प्रबंधन गौआधारित उत्पादन एवं उद्यमिता, कृषि, पशुपालन और जैविक उत्पादों से जुड़े विभिन्न स्टॉल व प्रदर्शनी की योजना बनाई गई। भारत सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों, वैज्ञानिक और अनुसंधान संस्थानों को आयोजन में शामिल किया जाएगा। पूरे देश से गौ टेक और उद्यमिता से जुड़े प्रतिनिधि लोगों को आमंत्रित किया जायेगा। यह वैश्विक सम्मेलन गौ आधारित वैश्विक शिखर सम्मेलन एवं प्रदर्शनी जीसीसीआई और हैदराबाद की विभिन्न गौ सेवा संस्थाओ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जायेगा।

इस बैठक के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने बताया कि गौ टेकगौ महाकुम्भ 2026 रूपी इस वैश्विक शिखर सम्मेलन का उद्देश्य गौ आधारित अर्थव्यवस्था के माध्यम से भारत को हरित, समृद्ध एवं शाश्वत विकास की तरफ अग्रसर करना है।

तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद का दो दिवसीय श्री उत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के दिशा निर्देशन व तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद के तत्वावधान में 18 – 19 अप्रैल 2025 को तेरापंथ भवन डी वी कोलोनी में श्री उत्सव एक कदम स्वावलंबन की ओर का आयोजन किया गया। नमस्कार महामंत्र के स्मरण के साथ सुप्रसिद्ध समाज सेवी श्री प्रभात जी – संगीता जी सेठिया ने श्री उत्सव का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जाने-माने समाजसेवी श्री अमृत कुमार जी जैन व सम्माननीय अतिथि के रूप में श्री विजय सिंह जी – नीलम जी पारख एवं विशेष अतिथि के रूप में श्रीमती किरण देवी कोठारी एवं मुख्य समाजसेवी अशोक जी हीरावत उपस्थित है।

महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती कविता आच्छा ने सभी का स्वागत किया। मंडल की योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि महिलाओं को स्वावलंबी बनाने और मंडल की गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने हेतु महिला मंडल प्रतिवर्ष श्री उत्सव का आयोजन करती है। इस मौके पर सभा अध्यक्ष श्री सुशील संचेती तेयुप अध्यक्ष श्री अभिनन्दन नाहटा , टी पी एफ के अध्यक्ष श्री विरेन्द्र घोषल , अणुव्रत समिति से मंत्री श्रीमती रीटा सुराणा, जैन विश्व भारती के सह मंत्री श्री नवीन बैगानी ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई व श्री उत्सव की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

मंत्री श्रीमती सुशीला मोदी ने बताया कि इस श्री उत्सव प्रदर्शनी में हैदराबाद के अलावा कोलकाता, जयपुर, बीदासर, जोधपुर बीकानेर आदि जगहों के स्टॉल अपने बेहतरीन संग्रह के साथ आए हैं। प्रदर्शनी का विशेष आकर्षण है डिजायर ज्वैल्स , कोलकाता। इसके साथ ही ग्राहक इस प्रदर्शनी में असली हीरे व सोने के आभुषण,चांदी के पारम्परिक गहने, बीकानेर की प्रसिद्ध जड़ाऊ ज्वैलरी , डिजाइनर साड़ियां, सूट,बैंड कवर, गिफ्ट आइटम, डिजाइनर ज्वैलरी,खाने पीने का समान किफायती दर पर खरीद सकते हैं।

WANTED CASHIER
WANTED MALE/FEMALE CASHIER
Qualification: B. Com.
Candidates having Experience in Tally ERP-9 will be given preference.
SALARY NEGOTIABLE
Interested candidates
Contact : 9885384411
T19 TOWER
Ground Floor, Ranigunj
M.G. Road, Secunderabad

हाइड्रा ने हफीजपेट में म्यालवरम विधायक से जुड़े अवैध निर्माण को ध्वस्त किया

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। शनिवार को एक निर्णायक प्रवर्तन अभियान में, हैदराबाद राजस्व और अतिक्रमण विरोधी प्राधिकरण (हाइड्रा) ने वसंता ग्रुप द्वारा विकसित अवैध संरचनाओं के खिलाफ एक विध्वंस अभियान शुरू किया, जो कथित तौर पर मायलावरम के विधायक वसंत कृष्ण प्रसाद की स्वामित्व वाली फर्म है।

यह तोड़फोड़ सर्वे नंबर 79 पर की गई, जो कोंडापुर के अंदर हफीजपेट में स्थित है, जो शेरिलिंगमपल्ली नगर पालिका की सीमा में आता है। कथित तौर पर इस भूमि पर अतिक्रमण किया गया था और अनिवार्य नगरपालिका मंजूरी प्राप्त किए बिना ही विकास किया गया था। नगर निगम और राजस्व विभाग के अधिकारियों ने पुष्टि की कि निर्माण भूमि उपयोग नियमों का स्पष्ट उल्लंघन था और स्वीकृत भवन अनुमतियों का अभाव था। समय के साथ संबंधित पक्षों को कई नोटिस दिए जाने के बावजूद, डेवलपर्स ने जवाब देने या अनुपालन करने में विफल रहे, जिसके कारण प्रवर्तन कार्रवाई की गई।यह अभियान हाइड्रा, नगर निगम प्रवर्तन दल और राजस्व विभाग द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया, जिसमें स्थानीय पुलिस की मदद ली गई ताकि विध्वंस के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखी जा सके। अनधिकृत संरचनाओं को सुरक्षित और कुशलतापूर्वक ध्वस्त करने के लिए भारी मशीनरी तैनात की गई थी।

FLAT FOR SALE
3BHK flat, 1550sqft on 5th floor,
SHIKA ENCLAVE, SIDDIAMBAR BAZAR
Main Road, Fully furnished.
with Electronic 24hrs Water Supply,
Generator, CCTV, 24hrs Security,
Very good condition is for Sale
Contact: 9908848336,
8309319078, 9000200050

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शनिवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता आशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, ई. जगन, संजय गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, गोपाल गोयल, धीरज अग्रवाल, -नीतू अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल,राजेश योगा सरजी, प्रीतिका अग्रवाल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया एवं अन्य राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप
हैदराबाद

श्रीमती सिमरन
के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में
गुरु नानक टायर्स, गोयल मार्केट, सिद्दिअम्बर बाज़ार
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
MAHESH AGARWAL 98490 98502

बीआरएस हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनावों का बहिष्कार करेगी

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने शनिवार को आगामी हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनावों का बहिष्कार करने के पार्टी के फैसले की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पार्टी पार्षदों को व्हिप जारी किया जाएगा और चेतावनी दी कि इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।बीआरएस रजत जयंती समारोह से पहले तेलंगाना भवन में पार्टी नेताओं और निर्वाचित प्रतिनिधियों की तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने राज्य में आसन्न उपचुनावों का भी संकेत दिया और सदस्यों से आगे की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का आग्रह किया।

तत्काल चुनावी लड़ाइयों से परे, रामा राव ने पार्टी के भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसमें 27 अप्रैल की रैली के बाद डिजिटल सदस्यता अभियान की शुरूआत और निर्वाचन क्षेत्र स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन शामिल है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि पार्टी अक्टूबर में अपना अध्यक्षीय चुनाव कराएगी, जो

आंतरिक लोकतंत्र और संगठनात्मक मजबूती के प्रति प्रतिबद्धता का संकेत है।

पार्टी के आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों के लिए एक व्यापक रोडमैप पेश करते हुए उन्होंने तेलंगाना के विकास के लिए पार्टी की अटूट प्रतिबद्धता और किसी भी चुनावी चुनौती का सामना करने की अपनी तत्परता पर जोर दिया। रामा राव ने पार्टी की ताकत पर भरोसा जताते हुए कहा कि बीआरएस का झंडा हमेशा ऊंचा रहेगा और उन्होंने पार्टी के प्रभुत्व की तुलना राज्य भर में चल रहे तूफान से की।

उन्होंने भविष्यवाणी की कि बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव एक बार फिर राज्य का नेतृत्व करेंगे, जिससे तेलंगाना की राजनीति में पार्टी की स्थिति मजबूत होगी। परिसीमन के संभावित प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए, रामा राव ने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद में विधानसभा और संसदीय सीटों में वृद्धि हो सकती है, जिससे क्षेत्र में पार्टी का प्रभाव और मजबूत होगा।उन्होंने हैदराबाद में बीआरएस पार्टी की मजबूत उपस्थिति को रेखांकित किया, जो कांग्रेस और भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टियों से कहीं आगे है। रामा राव ने पार्टी सदस्यों से 27 अप्रैल की रैली की तैयारी में अपने प्रयासों को तेज करने का आह्वान किया, और उनसे हर इलाके में पार्टी का झंडा फहराने का आग्रह किया।

मुलुगु प्रकरण: केटीआर ने असंवेदनशीलता के लिए कांग्रेस मंत्रियों की आलोचना की

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन शिकायतों और स्वास्थ्य मुद्दों के प्रति उदासीनता के लिए कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने शनिवार को प्रशासन की विफलताओं के कारण हुई दुखद जानों की हानि पर चिंता व्यक्त की।

कांग्रेस मंत्रियों की रैली के दौरान मुलुगु प्रकरण पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस शासन में लोगों की दुर्दशा पर अपनी निराशा व्यक्त की।

सरकारी अस्पताल में उपेक्षा के कारण एक बच्चे की मौत पर दुखी परिवार को मंत्रियों की रैली के दौरान नजरअंदाज किए जाने की निंदा करते हुए उन्होंने इसे असंवेदनशीलता का स्पष्ट प्रदर्शन बताया। कथित तौर पर सांत्वना और न्याय की मांग कर रहे परिवार को एक राजनीतिक रोड शो के दौरान किनारे कर दिया गया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। मुलुगु की घटना के तुरंत बाद अमरचिंता में भी ऐसी ही घटना की खबर आई।

उन्होंने तेलंगाना की समस्याओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि 500 से ज़्यादा किसानों ने अपनी जान दे दी है जबकि बुनकर और ऑटो चालक आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन के दौरान आवासीय विद्यालयों में 50 से ज़्यादा छात्रों की मौत हुई, यह सब व्यवस्थागत उपेक्षा के कारण हुआ।

पुलिस ने हत्या की साजिश नाकाम की पांच लोगों को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। लंगरहौज में अपने व्यापारिक साझेदार की हत्या का प्रयास करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से दो देशी पिस्तौल बरामद की गईं।आरोपियों की पहचान सैयद अफरोज, मो. शाह ओवेस, सैयद फिरदौस, सैयद इम्तियाज अली और मो. अरबाज खान के रूप में हुई।पुलिस ने बताया कि अफ़रोज़, मो. शाह ओवैस और सैयद फ़िरदौस ने नरसिंगी पुलिस स्टेशन में दर्ज हिस्ट्रीशीटर अहमद अली खान के साथ रियल एस्टेट का कारोबार शुरू किया । हालाँकि, खान और बाकी व्यापारिक साझेदारों के बीच पैसे को लेकर मतभेद शुरू हो गए।

इसके अलावा, सैयद फिरदौस को खान से व्यक्तिगत दुश्मनी थी क्योंकि खान उसके छोटे भाई की मौत के लिए जिम्मेदार था। इतने सारे मतभेदों के बाद, अफ़रोज़ और बाकी व्यापारिक साझेदारों ने खान को मारने की योजना बनाई। उन्होंने एक और बदमाश जाबिर और मोहम्मद जमील से संपर्क किया, जिन्होंने उन्हें देसी पिस्तौल मुहैया कराई।पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर हत्या की कोशिश को नाकाम करते हुए पांचों सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। जाबिर और मोहम्मद जमील फिलहाल फरार हैं। पुलिस ने देसी पिस्तौल के साथ ही छह मोबाइल भी जब्त किए हैं, जिससे कुल 5,10,000 रुपये की संपत्ति जब्त हुई है।

पश्चिम बंगाल में वक्फ अधिनियम हिंसा के खिलाफ तेलंगाना विहिप ने किया विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की तेलंगाना इकाई ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को लेकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हुई हालिया हिंसा के खिलाफ शनिवार 19 अप्रैल को जनगांव जिले में विरोध प्रदर्शन किया।

जनगांव आरटीसी चौराहे से लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय तक रैली निकाली गई। विहिप ने हिंसा की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंदू समुदाय के सदस्यों पर हमला किया गया।प्रदर्शनकारियों ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ नारे लगाए और हिंदू समुदाय के खिलाफ अत्याचारों को खत्म करने का आह्वान करते हुए कहा, ममता मुर्दाबाद। बाद में मीडिया से बात करते हुए वीएचपी नेता ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल सरकार हिंदू विरोधी भावनाओं को बढ़ावा दे रही है। वीएचपी नेता ने दावा किया, मेरे हिंदू भाइयों, पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की स्थिति बहुत खराब है। ममता सरकार जिहादियों, रोहिंग्याओं और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का समर्थन कर रही है जो हिंदू व्यवसायों, परिवारों और महिलाओं पर हमला करते हैं।दक्षिणपंथी संगठन ने पश्चिम बंगाल सरकार पर समुदाय को निशाना बनाने वालों को दंडित करने के बजाय उन्हें बचाने का आरोप लगाया।

दमरे महाप्रबंधक ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने शनिवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के चल रहे पुनर्विकास कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री बरतेश कुमार जैन और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी थे।

उन्होंने स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने रेलवे स्टेशन के दोनों तरफ (यानी प्लेटफॉर्म नंबर 1 और नंबर 10 की तरफ) उन्नयन कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों

को काम में और तेजी लाने की सलाह दी ताकि परियोजना को जल्द से जल्द पूरा किया जा सके। महाप्रबंधक ने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं की भी समीक्षा की और अधिकारियों को प्लेटफॉर्म विस्तार कार्यों को सुविधाजनक बनाने के लिए कुछ प्लेटफार्मों के अस्थायी रूप से बंद होने के मद्देनजर यातायात की भीड़ से बचने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने का निर्देश दिया।

उन्होंने आगामी स्टेशन बुकिंग, पार्किंग और सर्कुलेटिंग एरिया आदि के चल रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की, सुरक्षा और संरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सिकंदराबाद डिवीजन के अधिकारियों द्वारा किए गए व्यापक उपायों की जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे के संशोधनों से जुड़े पुनर्विकास कार्य के मद्देनजर प्रभावी भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा संवर्द्धन और यात्री सहायता पहल की आवश्यकता है। यात्रियों के लिए परेशानी मुक्त यात्रा की सुविधा के लिए उचित साइनेज के प्रावधान सहित कई प्रमुख उपायों का कार्यान्वयन।

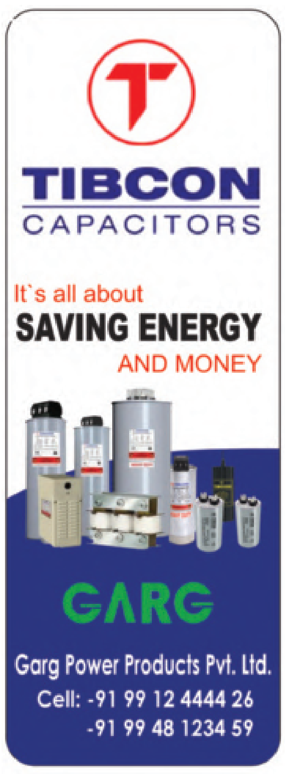

तेलंगाना ऑक्टोपस पुलिस द्वारा रेल निलयम सिकंदराबाद में मॉक ड्रिल का आयोजन

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। एडीजी ऑक्टोपस तेलंगाना संगठन फॉर काउंटर-टेरर ऑपरेशन (ऑक्टोपस पुलिस) की देखरेख में रेल निलयम, सिकंदराबाद में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस ड्रिल का उद्देश्य यह था कि भविष्य में रेल निलयम पर आतंकवादी हमले की स्थिति में रेलवे अधिकारियों, रेलवे कर्मचारियों और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा कैसे की जाए। यह ड्रिल कई घंटों तक चली, 17.00 बजे से 01.00 बजे तक। श्री अरुण कुमार जैन, जीएम/एससीआर, सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर, पीसीएससी/एससीआर, श्री एमडी शादान जेब खान, डीआईजी/एससीआर और श्री बी. सतीश प्रभु, एएससी/क्राइम की अनुमति से मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसका आयोजन एडीजी/ऑक्टोपस के नेतृत्व में किया गया। मॉक ड्रिल में सेवानिवृत्त आर्मी कर्नल भरत प्रसाद, डीएसपी ट्रेनर श्रीनिवासुलु, ऑक्टोपस टीम प्रभारी मल्लिकार्जुन गौड़, आरपीएफ इंस्पेक्टर नारायण स्वामी, भास्कर, सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर सुधीर और अन्य शामिल थे। इस अभ्यास के हिस्से के रूप में, निम्नलिखित टीमों ने मॉक ड्रिल में भाग लिया: (1)ऑक्टोपस अधिकारी: 104, (2) कानून और व्यवस्था तुकारामगेट: 07, (3) यातायात पुलिस रामगोपालपुरम: 05, (4) कार- हैदराबाद (सीडीजी): 17, (5) सीएसडब्ल्यू- हैदराबाद (बीडी): 04, (6) फायर ब्रिगेड सिकंदराबाद: 07, (7) एम्बुलेंस: 02 (8) आरपीएफ कर्मी: 10 शामिल थे।

ईवीएम से छेड़छाड़ के आरोप का सत्य उजागर

जिस अफसर पर उछल रहे थे, वह चुनावी ड्यूटी पर था ही नहीं

मुंबई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। ईवीएम में गड़बड़ी और उससे छेड़छाड़ का लगातार आरोप लगाने वाले लोगों का सच उजागर हुआ है। एक पुलिस अधिकारी द्वारा ईवीएम से छेड़छाड़ किए जाने का आरोप लगाया गया और उस पुलिस अधिकारी से बयान भी दिलवाया गया। लेकिन जांच हुई तो सच्चाई कुछ और ही निकली। कांग्रेस टास्क फोर्स नामक सोशल मीडिया अभियान चलाने वाले अमित मयंक ने पुलिस सब इंसपेक्टर रंजीत कासले के बयान का वीडियो शेयर करते हुए लिखा था कि चुनावी ड्यूटी के दौरान उन्हें ईवीएम से छेड़छाड़ और वोटिंग मशीनों को स्ट्रांग रूम से हटाने के लिए 10 लाख रुपए की पेशकश की गई थी।

यह आरोप जिस पुलिस अधिकारी के जरिए लगाया गया, वह पहले ही निलंबित चल रहा था। इसके जानकारी के बावजूद चुनाव आयोग ने जिलाधिकारी और एसएसपी से इस मामले को लेकर विस्तृत रिपोर्ट तलब की। जांच में पता चला कि जिस रंजीत कासले के जरिए आरोप लगाया गया वह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की ड्यूटी पर था ही नहीं। रंजीत कासले के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए वरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। मामला परली विधानसभा क्षेत्र का है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0

न्यूनतम : 28^0

खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल पर बढ़ा रासुका

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब में खालिस्तान समर्थक खडूर साहिब से निर्दलीय सांसद अमृतपाल सिंह को अभी जेल की ही रोटियां खानी पड़ेंगी। उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून की अवधि को एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। अमृतपाल सिंह के ऊपर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाई गई है। पहले इसकी अवधि दो साल थी, जो 23 अप्रैल को पूरी हो रही है। अब पंजाब सरकार ने इसे एक साल के लिए बढ़ा दिया है। ऐसे में अमृतपाल सिंह को अप्रैल 2026 तक जेल में रखा जाएगा। अमृतपाल सिंह पिछले दो साल से असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है।23 अप्रैल को अमृतपाल की बंदी के दो साल पूरे हो रहे हैं। अब उसके बंदी की कुल अवधि तीन साल हो गई है। उसे 23 अप्रैल 2026 तक जेल में रखा जाएगा। अमृतपाल ने 2024 का लोकसभा चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़ा था और खडूर साहिब सीट से जीत दर्ज की थी। उसकी बंदी की अवधि पूरी होने के चलते पंजाब पुलिस की एक टीम ने अमृतपाल को पंजाब में लाने के लिए असम जाने की पूरी तैयारी भी कर ली थी, लेकिन ऐन मौके पर राज्य और केंद्र सरकार की सुरक्षा एजेंसियों ने आपसी विचार-विमर्श के बाद अमृतपाल को एक साल के लिए और एनएसए के तहत बंदी रखने का फैसला लिया है। अमृतसर के जिला मजिस्ट्रेट की सिफारिश पर राज्य के गृह विभाग ने एक साल की हिरासत अवधि को और बढ़ाया है। अमृतपाल के ऊपर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के के अतिरिक्त अवैध गतिविधि निरोधक अधिनियम (यूएपीए) के तहत भी केस दर्ज है।खालिस्तान समर्थक संगठन वारिस पंजाब दे का स्वयंभू मुखिया बना अमृतपाल देश विरोधी विचारों से लैस है और उस पर अपने साथियों के साथ गुरु ग्रन्थ साहिब की आड़ लेकर अजानला के थाने पर हमला करने का भी आरोप है। इसी अपराध के चलते उसको कई दिनों तक जान बचाने के लिए भागना भी पड़ा था परन्तु बाद में उसने पुलिस बल की सख्ती के सामने हाथ खड़े कर दिए। इसके बाद अमृतपाल समेत खालिस्तान समर्थक संगठन के 10 सदस्यों को मार्च 2023 में डिब्रूगढ़ केंद्रीय कारागार में रखा गया था। उसे संगठन पर कार्रवाई के तहत पंजाब के विभिन्न हिस्सों से रासुका के तहत गिरफ्तार किया गया था। अमृतपाल सिंह के सात सहयोगियों को इसी साल 21 मार्च को पंजाब लाया गया था। इसके बाद पपलप्रीत को 11 अप्रैल को पंजाब लाया गया था। रासुका की अवधि खत्म होने पर उसके खिलाफ दूसरे मामले में मुकदमा चलाया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। अमृतपाल ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिख कर संसद के अधिवेशन में हिस्सा लेने की भी गुहार लगाई थी और कहा था कि लगातार अनुपस्थित रहने के कारण उसकी सदस्यता जा सकती है।

स्मिता सभरवाल ने एआई-जनरेटेड भूमि छवि पोस्ट पर बयान दर्ज किया

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी स्मिता सभरवाल ने शनिवार को कहा कि उन्होंने हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) से सटे कांचा गच्चीबावली के पास एक विवादास्पद 400 एकड़ भूमि से जुड़ी एआई-जनरेटेड छवि को रिपोस्ट करने पर नोटिस मिलने के बाद गच्चीबावली पुलिस को एक विस्तृत बयान दिया है ।

प्रमुख सचिव (युवा मामले, पर्यटन और संस्कृति) के रूप में कार्यरत सभरवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर स्पष्ट किया कि उन्होंने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएसएस) अधिनियम के तहत पुलिस के साथ पूरा सहयोग किया ।साइबराबाद पुलिस के अनुसार, सब्बरवाल को 12 अप्रैल को बीएनएसएस की धारा 179 के तहत एक गवाह के रूप में नोटिस जारी किया गया था , ताकि 31

मार्च को किसी अन्य अकाउंट द्वारा मूल रूप से साझा की गई एआई-जनरेटेड छवि को फिर से पोस्ट करने के बारे में विवरण प्राप्त किया जा सके।चित्र में भू-संचालन उपकरण , दो हिरण और एक मोर को दर्शाया गया है , जो बुनियादी ढांचे के विकास के लिए वन भूमि के कथित विनाश का प्रतीक है।पुलिस ने विवादित भूमि से संबंधित भ्रामक एआई-जनरेटेड सामग्री पोस्ट करने और प्रसारित करने के लिए कुछ व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं , जिससे छात्रों के विरोध प्रदर्शन और सार्वजनिक अशांति भड़क गई है ।तेलंगाना सरकार के 400 एकड़ क्षेत्र में आईटी अवसंरचना विकसित करने के प्रस्ताव का विरोध शुरू हो गया है, विशेष रूप से यूओएच छात्र संघ की ओर से , जिन्होंने पेड़ों की कटाई और वन्यजीवों के लिए खतरे के बारे में चिंता जताई है ।इस मुद्दे पर वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई चल रही है, और कथित तौर पर उक्त तस्वीर में असत्यापित या विकृत दृश्य प्रस्तुत करके जनमत को प्रभावित करने का आरोप लगाया गया है ।पुलिस ने कहा है कि सभरवाल को भेजा गया नोटिस प्रक्रियागत था, जिसका उद्देश्य पुनः पोस्ट करने के पीछे के स्रोत और मंशा का पता लगाना था।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, No.JC 730811M Sub (H/Lt) Ram Babu Rai of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my Son Name is changed from GAURAV KUMAR to GAURAV KUMAR RAI

CHANGE OF NAME

I, ATASI BAGDI is legally wedded Spouse of Service No-17015773W, Rank-HAV, Name-Ramprasad Bag, Residing at Vill &PO-Majurdanga, Dist-Bankura, PIN-722206, State-West Bengal. I have changed my name from ATASI BAGDI to ATASI SANTRA Affidavit dated 18 Apr 2025 before Notary Jai Bhagwan Advocate Meerut (U.P).

पुलिस ने एनआईआरडीपीआर पेंशनरों को परिसर में प्रवेश करने से रोका

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के शैक्षणिक संघ के लगभग 150 पेंशनभोगी, जो शनिवार 19 अप्रैल को अपनी शिकायतें दूर करने आए थे, को पुलिस ने परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया।

पेंशनभोगी ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष और सदस्यों से मिलना चाहते थे, ताकि इस वर्ष एनआईआरडीपीआर को अनुदान सहायता बंद किए जाने के संबंध में अपनी चिंताएं व्यक्त की जा सकें।

हालांकि, भीषण गर्मी में मुख्य द्वार के बाहर खड़े रहने के कारण एक पेंशनभोगी की तबीयत खराब हो गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में छुट्टी दे दी गई। बाद में, स्थायी समिति ने शेष पेंशनभोगियों से मुलाकात की, जिन्होंने एक अभ्यावेदन प्रस्तुत करते हुए कहा, हम समिति से आग्रह करते हैं कि वह केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) के साथ एनआईआरडीपीआर की सहभागिता जारी रखने की सिफारिश करे, साथ ही प्रभावी नेतृत्व और संस्थागत स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान प्रबंधन संरचना के पुनर्गठन की भी सलाह दे।

अकादमिक एसोसिएशन ने संसदीय स्थायी समिति से निम्नलिखित अनुशंसा करने का अनुरोध किया:

–एनआईआरडीपीआर को बजटीय अनुदान सहायता प्रदान करना।

–एनआईआरडीपीआर में प्रशासनिक और शासन संबंधी मामलों की देखरेख के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय के नेतृत्व वाली समिति का गठन।

–प्रमुख पदों (डीडीजी, रजिस्ट्रार, एफए) पर नियमित अधिकारियों की नियुक्ति।

–वर्तमान नेतृत्व की तत्काल समीक्षा की जाए तथा उसे प्रतिस्थापित किया जाए, जो संकाय का विश्वास या संगठनात्मक सामंजस्य बनाए रखने में विफल रहा है।

ग्रामीण विकास में एनआईआरडीपीआर के योगदान की व्याख्या करते हुए पेंशनभोगियों ने कहा कि केंद्रीय मंत्रालय के एनआईआरडीपीआर से अलग होने को दो दृष्टिकोणों से देखा जाना चाहिए – अलग होने की आवश्यकता और अलग होने की प्रक्रिया।

उन्होंने कहा कि एनआईआरडीपीआर को ग्रामीण विकास मंत्रालय से अलग करने का कोई भी कदम न केवल एक प्रशासनिक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि इन मूल राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से एक मौलिक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है।

उन्होंने महसूस किया कि इस विघटन से एनआईआरडीपीआर को असंबद्ध या अल्पकालिक परामर्श गतिविधियों में बदलने, नीति–निर्माण में इसकी विश्वसनीयता और अधिकार को कमजोर करने, दीर्घकालिक अनुसंधान और प्रशिक्षण की गुणवत्ता को कमजोर करने और ग्रामीण विकास पारिस्थितिकी तंत्र के साथ इसके बौद्धिक संरेखण को खत्म करने का खतरा है।

पेंशनभोगियों में से एक ने बताया, एनआईआरडीपीआर का काम हमेशा सामाजिक क्षेत्र के विकास, विकेंद्रीकृत शासन और समावेशी विकास के संवैधानिक रूप से अनिवार्य लक्ष्यों के साथ जुड़ा हुआ है। इसका ध्यान सार्वजनिक वस्तुओं के निर्माण पर रहा है, न कि राजस्व–उत्पादक सेवाओं पर। इसलिए इसकी संरचना, प्रक्रियाएँ और प्राथमिकताएँ वाणिज्यिक आउटपुट के बजाय दीर्घकालिक विकास परिणामों का समर्थन करने के लिए विकसित हुई हैं।

एक पेंशनभोगी ने कहा, एनआईआरडीपीआर द्वारा प्रदान की जाने वाली संस्थागत स्मृति और शैक्षणिक सहायता का नुकसान मंत्रालय के लिए एक बड़ा झटका होगा।

उन्होंने पाया कि निजी परामर्शदाता या बाह्य एजेंसियां, ग्रामीण विकास मंत्रालय के मिशन के साथ एनआईआरडीपीआर की विरासत, गहराई और संरेखण को जोड़ने में विफल रहीं, तथा बाह्य एजेंसियों में उत्तरदायित्व, शासन संरचना और विषय–वस्तु विशेषज्ञता का अभाव था, जो केंद्रीय संस्थान लेकर आया था, जिससे कार्यान्वयन जोखिमपूर्ण, महंगा और निगरानी करने में कठिन हो गया।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, विघटन से सरकारी खर्च में कमी नहीं आती। इसके बजाय, इससे लागत अलग–अलग एजेंसियों पर चली जाती है, जिनके अलग–अलग अधिकार क्षेत्र हैं, जिससे निगरानी और समन्वय के लिए ग्रामीण विकास अधिकारियों पर बोझ और बढ़ जाता है।

अकादमिक एसोसिएशन ने संस्थान की आत्मनिर्भरता और संस्थागत परिवर्तन की रूपरेखा के संबंध में एनआईआरडीपीआर के महानिदेशक (डीजी) की ओर से औपचारिक संचार, समावेशी परामर्श और रणनीतिक स्पष्टता की कमी पर चिंता व्यक्त की है।

उन्होंने बताया कि यद्यपि भारतीय प्रशासनिक कर्मचारी महाविद्यालय (एएससीआई) को संक्रमण रणनीति तैयार करने के लिए नियुक्त किया गया था, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि इसकी रिपोर्ट की अनदेखी की गई है। इसके अलावा, ग्रामीण विकास मंत्रालय को प्रस्तुत की गई विघटन योजना की न तो आंतरिक रूप से समीक्षा की गई और न ही बाहरी रूप से मान्य किया गया, जिससे यह चिंता पैदा हुई कि यह व्यापक संस्थागत सहमति के बजाय एक व्यक्ति के दृष्टिकोण को दर्शाता है।एसोसिएशन ने पिछले चार वर्षों में एनआईआरडीपीआर के प्रशासनिक ढांचे और बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय गिरावट को भी उजागर किया। लागत में कटौती के उपायों का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि बुनियादी रखरखाव की उपेक्षा की गई है, जिसके परिणामस्वरूप प्रशिक्षण रेटिंग कम हुई है और संस्थान की ब्रांड प्रतिष्ठा में गिरावट आई है।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ग्रामीण विकास के लिए वैश्विक ज्ञान केंद्र के रूप में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एनआईआरडीपीआर को पहचान दिलाने के लिए इसे देश की ग्रामीण विकास प्राथमिकताओं के साथ तालमेल बनाए रखना होगा। उन्होंने संसदीय स्थायी समिति से आग्रह किया कि वह ग्रामीण विकास मंत्रालय की महत्वपूर्ण भूमिका को भारत के ग्रामीण परिवर्तन उद्देश्यों और वैश्विक क्षमता निर्माण प्रयासों के बीच आवश्यक कड़ी के रूप में मान्यता दे।

गडवाल कांग्रेस नेताओं के बीच मतभेद फिर उभरे

जोगुलम्बा गडवाल, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गडवाल जिले में कांग्रेस नेताओं के बीच मतभेद फिर से उभर आए और इस बार यह मतभेद शनिवार को यहां आयोजित भूभारती जागरूकता कार्यक्रम में सामने आया। विधानसभा चुनाव के बाद गडवाल विधायक कृष्णमोहन रेड्डी बीआरएस से कांग्रेस में शामिल हो गए। तब से उनके समर्थकों का कांग्रेस से चुनाव लड़ने वाली सरिता तिरुपतैया के समर्थकों से टकराव चल रहा है।भूभारती पोर्टल जागरूकता कार्यक्रम के दौरान प्रोटोकॉल को लेकर दोनों नेताओं के समर्थकों में तीखी नोकझोंक हुई। मंच पर राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, नागरकुरनूल के सांसद मल्लू रवि, गडवाल के विधायक कृष्णमोहन रेड्डी और अन्य मौजूद थे।जैसे ही कार्यक्रम शुरू हुआ और गडवाल विधायक ने सभा को संबोधित करना चाहा, सरिता तिरुपतैया के समर्थकों ने उनके भाषण पर आपत्ति जताई। उन्होंने मांग की कि सरिता तिरुपतैया को मंच पर बुलाया जाना चाहिए।

जब नागरकुरनूल के सांसद ने सरिता के समर्थकों से बात करने की कोशिश की और उनसे शांत रहने की अपील की, तो उन्होंने कृष्णमोहन रेड्डी के खिलाफ नारे लगाए। जब स्थिति नियंत्रण से बाहर होती जा रही थी, तो पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और सरिता के समर्थकों पर लाठियां बरसानी पड़ीं।स्थिति नियंत्रण में आने के बाद कार्यक्रम जारी रखा गया और किसानों को भूभारती पोर्टल के बारे में जानकारी दी गई।

तेलंगाना में मौसमी बीमारियों का सबसे बुरा साल

2024 में डेंगू और चिकनगुनिया के मामलों में रिकॉर्ड वृद्धि

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मौसमी बीमारियों के प्रकोप के मामले में तेलंगाना के लिए 2024 सबसे खराब साल रहा, जब डेंगू के पॉजिटिव मामलों और चिकनगुनिया के संदिग्ध मामलों की रिकॉर्ड संख्या दर्ज की गई। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण मंत्रालय के पास उपलब्ध मौसमी बीमारी के आंकड़ों के आधार पर, पहली बार तेलंगाना में चिकनगुनिया के कुल 13,592 संदिग्ध मामले और डेंगू के 10,077 पुष्ट मामले सामने आए।

तेलंगाना में चिकनगुनिया के 13,592 संदिग्ध मामलों की सूचना मिलना काफी चिंताजनक है, क्योंकि वेक्टर जनित यह रोग, जो जोड़ों को गंभीर रूप से प्रभावित करता है, हमेशा से डेंगू के बाद दूसरे स्थान पर रहा है, जो परंपरागत रूप से हर साल

जून से दिसंबर के मौसम में हावी रहता है।तेलंगाना में यह पहली बार है कि इतनी बड़ी संख्या में चिकनगुनिया के संदिग्ध मामले सामने आए हैं। 2018 से 2024 के बीच, 2022 में सिर्फ़ एक बार, तेलंगाना में चिकनगुनिया के करीब 6000 संदिग्ध मामले सामने आए थे।

हैदराबाद में वरिष्ठ मौसमी बीमारियों के विशेषज्ञों ने बताया कि 2024 में मौसमी बीमारियों में उल्लेखनीय वृद्धि भविष्य के निवारक और निगरानी उपायों का मार्गदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में संदिग्ध मामले सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ी समस्या का संकेत हैं और आम जनता के साथ–साथ चिकित्सा ढांचे पर भी बोझ डालते हैं।

नाम न बताने की शर्त पर एक मौसमी बीमारी विशेषज्ञ ने कहा, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले साल संदिग्ध चिकनगुनिया और डेंगू के मामलों में वृद्धि के कारण सरकारी और निजी अस्पताल दबाव में थे। चाहे वह डेंगू हो या चिकनगुनिया, लक्षण और उपचार प्रोटोकॉल सभी एक जैसे थे। कम से कम लोग अब निवारक उपाय कर सकते हैं।

मौसमी बीमारियों में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण, जनवरी 2024 और जनवरी 2025 के बीच तेलंगाना, अन्य सभी दक्षिण भारतीय राज्यों की तुलना में, डेंगू के पुष्ट मामलों और चिकनगुनिया के संदिग्ध मामलों की अधिकतम संख्या की रिपोर्ट करने के मामले में कर्नाटक के बाद दूसरे स्थान पर रहा।

विरोध प्रदर्शनों के बीच माहौल अराजक

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में , कांग्रेस के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट में शामिल किया गया है । इस कदम से राजनीतिक तनाव पैदा हो गया है, कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार पर विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।

ईडी की कार्रवाई के जवाब में, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है , जिसमें आरोप लगाया गया है कि यह मामला राजनीति से प्रेरित है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार विपक्ष को दबाने के लिए अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रही है, और ईडी की कार्रवाई की कड़ी निंदा की है।

राष्ट्रव्यापी आह्वान के तहत तेलंगाना युवा कांग्रेस ने शनिवार को हैदराबाद में ईडी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया । इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता समूहों में पहुंचे और ईडी और केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

स्थिति तब तनावपूर्ण हो गई जब कई प्रदर्शनकारियों ने जबरन ईडी कार्यालय परिसर में घुसने की कोशिश की । पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया, भीड़ को अंदर जाने से रोका और व्यवस्था बहाल की। प्रदर्शन के कारण युवा कांग्रेस के सदस्यों और पुलिस के बीच थोड़ी देर के लिए गतिरोध हुआ।

आगे की अशांति को रोकने के लिए पुलिस ने कई युवा कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लिया और उन्हें पास के पुलिस थानों में स्थानांतरित कर दिया। यह विरोध प्रदर्शन कांग्रेस पार्टी द्वारा ईडी की जांच में पारदर्शिता और निष्पक्षता की मांग को लेकर किए जा रहे बड़े आंदोलन का हिस्सा है।

कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ आरोप राजनीतिक प्रतिशोध का एक स्पष्ट उदाहरण हैं । वे मांग करते हैं कि ईडी स्वतंत्र रूप से काम करे और सत्तारूढ़ सरकार के राजनीतिक दबाव में न आए।

महेश कुमार गौड़ ने किशन रेड्डी के धर्म और जाति पर ध्यान केंद्रित करने की आलोचना की

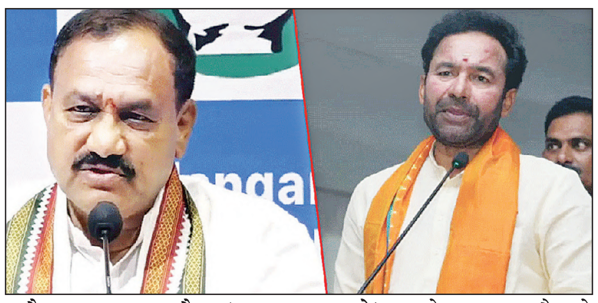

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। महेश कुमार गौड़ ने किशन रेड्डी द्वारा ओवैसी, धर्म और जाति जैसे विषयों पर जोर दिए जाने पर असंतोष व्यक्त किया । उन्होंने कहा,

एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के तौर पर उन्हें विकास के बारे में बात करनी चाहिए, तेलंगाना में विकास के मुद्दे उठाने चाहिए और मेट्रो लाइन का मुद्दा उठाना चाहिए। वह सिर्फ़ धर्म और मुसलमानों के बारे में बोलते हैं। यह उचित नहीं है; तेलंगाना एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है।

गौड़ की टिप्पणी किशन रेड्डी के हालिया बयानों के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने आगामी एलएसी चुनाव से पहले कांग्रेस, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहाद–उल–मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) पर निशाना साधा था।

एक अभियान कार्यक्रम के दौरान किशन रेड्डी ने कांग्रेस, बीआरएस और एआईएमआईएम के बीच गठबंधन की आलोचना करते हुए इसे भाजपा को हराने का प्रयास बताया। उन्होंने एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी को कांग्रेस और बीआरएस दोनों का सुपर बॉस बताया और तीनों दलों के बीच समन्वित प्रयास का सुझाव दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि बीआरएस ने एलएसी चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया था, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस दोनों ने भाजपा को हराने के लिए एआईएमआईएम की जीत का समर्थन किया।म

हैदराबाद स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली तेलंगाना विधान परिषद की एक सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव 23 अप्रैल, 2025 को निर्धारित है। 1 मई को बीआरएस एमएलसी एमएस प्रभाकर का कार्यकाल समाप्त होने के कारण चुनाव आवश्यक हो गया था।

निम्स अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में आग लगने से मरीजों में दहशत फैल गई

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के मध्य में स्थित निज़ाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में शनिवार शाम आग लग गई। अस्पताल के आपातकालीन ब्लॉक की पांचवीं मंजिल पर आग लगने से अफरा–तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही अस्पताल के कर्मचारियों ने तुरंत पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं।

आग की तीव्रता के कारण पूरे अस्पताल परिसर में घना धुआँ फैल गया, जिससे मरीजों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी।

घबराए मरीज और उनके तीमारदार सुरक्षा के लिए इमारत से बाहर भागे।आग लगने का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। अस्पताल के अधिकारियों और अग्निशमन अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

अमला अक्किनेनी ने एलटीसी लॉन्च किया, दैनिक आहार में बाजरा शामिल करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। लेटसी – लिविंग ईजी एंड टू कम्युनिटी – का शुभारंभ शनिवार को यहां एक कार्यक्रम में हुआ, जिसमें अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता अमला अक्किनेनी भी शामिल हुईं।इस अवसर पर बोलते हुए अमला ने संतुलित और संपूर्ण जीवन के लिए आहार, आध्यात्मिकता, स्वास्थ्य और उद्यमिता को एकीकृत करने के महत्व पर प्रकाश डाला।उन्होंने दैनिक पोषण में बाजरे के बढ़ते महत्व के बारे में बात की, कई वर्षों से बाजरा खाने के अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा किया और जनता से बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण के मार्ग के रूप में बाजरा अपनाने का आग्रह किया।

समारोह में जाते समय कार पलटने से दो लोगों की मौत

महबूबनगर, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महबूबनगर जिले के आलमपुर के पास शनिवार तड़के एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बताया जा रहा है कि पीड़ित नंदयाल में एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

यह घटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 पर इंडियन पेट्रोल पंप और प्रियदर्शी होटल के करीब, अटकियाल मंडल के वेमुला गांव के पास सुबह 2 से 3 बजे के बीच हुई । हैदराबाद से नांदयाल जा रही कार कथित तौर पर नियंत्रण खो बैठी और विपरीत लेन पर पलट गई।

पीड़ितों की पहचान 62 वर्षीय पाला रेड्डी और उनकी 52 वर्षीय पत्नी लक्ष्मी सुब्बम्मा के रूप में हुई है। टक्कर की गंभीरता के कारण दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

कार को दंपति का रिश्तेदार 33 वर्षीय धर्म रेड्डी चला रहा था।

घायलों में 10 वर्षीय शानवी, 50 वर्षीय माहेश्वरी और 30 वर्षीय सर्व्यंती शामिल हैं।

सभी घायल यात्रियों को 108 एम्बुलेंस सेवा और राजमार्ग आपातकालीन प्रत्युत्त–ारदाताओं की मदद से तुरंत कुरनूल सरकारी अस्पताल ले जाया गया ।

सूत्रों के अनुसार, दुर्घटना के समय परिवार हैदराबाद से कुरनूल एक पारिवारिक समारोह में भाग लेने जा रहा था। कार के नियंत्रण खोने के कारणों की अभी भी जांच की जा रही है।

पुलिस ने खराब बस के लिए ट्रैवल सर्विस ऑपरेटर पर मामला दर्ज किया

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद से गोवा जा रहे 25 यात्रियों को कथित तौर पर धोखा देकर खराब रखरखाव वाली बस में बैठाने के आरोप में रेडबस और तरुणी ट्रांस एंड लॉजिस्टिक्स के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।यह घटना 17 अप्रैल की देर रात उस समय घटी जब यात्री रात करीब 10 बजे एलबी नगर से बस में सवार हुए।रेडबस ऐप के माध्यम से अच्छी तरह से सुसज्जित, वातानुकूलित कोच के लिए बुकिंग करने के बावजूद, वे खुद को एक घटिया वाहन में पाकर हैरान रह गए, जिसमें एसी काम नहीं कर रहा था।, टायर बुरी तरह घिस चुके थे, तथा बदबू आ रही थी, जो संभवतः इंजन ऑयल के लीक होने से आ रही थी।

दुबई में मारे गए तेलंगाना श्रमिकों के शव हैदराबाद पहुंचे

दुबई/हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के दो व्यक्तियों के पार्थिव शरीर शनिवार को उनके घर पहुंच गए, जिनकी पिछले सप्ताह दुबई में कथित तौर पर उनके पाकिस्तानी सहकर्मी ने हत्या कर दी थी।शवों को शुक्रवार रात एयर इंडिया द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हैदराबाद ले जाया जाना था, लेकिन शनिवार की सुबह एमिरेट्स की दूसरी उड़ान से उन्हें हैदराबाद ले आया गया और उसी दिन वे हैदराबाद पहुंच गए। शवों को हैदराबाद में राज्य के अधिकारियों की मौजूदगी में उनके रिश्तेदारों ने प्राप्त किया। निर्मल जिले के सोन गांव के अष्टपु प्रेमसागर (35) और जगतियाल जिले के धर्मपुरी मंडल के मूल निवासी स्वर्गम श्रीनिवास (40) की पिछले सप्ताह दुबई में उनके कार्यस्थल, एक बेकरी में कथित तौर पर उनके पाकिस्तानी सहकर्मी ने हत्या कर दी थी।

मूसी रिवरफ्रंट विकास से हैदराबाद में प्रदूषण से निपटा जा सकेगा : मुख्यमंत्री

हैदराबाद/टोक्यो, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार, 19 अप्रैल को जोर देकर कहा कि मूसी रिवरफ्रंट का विकास हैदराबाद में प्रदूषण से निपटने के लिए भी है।

टोक्यो में जापान-तेलुगु फेडरेशन की एक सभा को संबोधित करते हुए, जिसमें जापानी व्यापारिक समुदाय के 150 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए, मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य का एक प्रतिनिधिमंडल शहर के सफल रिवरफ्रंट विकास का अध्ययन करने और मूसी नदी विकास में अपने विचार को शामिल करने के लिए टोक्यो में है।उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में हर दिन प्रदूषण बढ़ रहा है, जिसकी वजह से सरकार को अपने संस्थान बंद करने पड़ रहे हैं। हमें उनसे सबक सीखना चाहिए और अपने राज्य को प्रदूषण मुक्त रखने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने जापानी कंपनियों को राज्य में निवेश करने और तेलंगाना राइजिंग का हिस्सा बनने के लिए गर्मजोशी से आमंत्रित किया।उन्होंने कहा, जापान को उगते सूरज की भूमि कहा जाता है। हमारे राज्य का लक्ष्य तेलंगाना का उदय है। आज मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि उगते सूरज की भूमि में तेलंगाना का उदय हो रहा है।मैं टोक्यो आकर बहुत खुश हूँ। आपका शहर बहुत बढ़िया है, यहाँ बेहतरीन बुनियादी ढाँचा है, पर्यावरण और स्थिरता तथा नवाचार पर ध्यान दिया जाता है। जापान के लोग बहुत अच्छे, दयालु, सम्मानीय और अनुशासित हैं। मैंने अपने शहर हैदराबाद के विकास के लिए टोक्यो से बहुत कुछ सीखा है, सीएम रेवंत ने कहा।

उन्होंने यह भी बताया कि उनकी सरकार बुनियादी ढांचे के विकास, क्षेत्रीय रिंग रोड और मेट्रो रेल विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

उन्होंने कहा, तेलंगाना में आईटी और फार्मा क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने जापान तेलुगु फेडरेशन के सदस्यों से तेलंगाना के विकास में निवेश करने और अपना सहयोग बढ़ाने का आग्रह किया।

रेवंत ने तेलंगाना को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया

निवेश आकर्षित करने के लिए जापान की यात्रा पर गए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को जापान तेलुगु फेडरेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राज्य को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी केंद्र में बदलने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।तेलंगाना की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हमने आईटी और फार्मा क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। अब, हम व्यापार और बुनियादी ढांचे को और बढ़ावा देने के लिए एक ड्राई पोर्ट स्थापित करने की ओर बढ़ रहे हैं।उन्होंने जापान की राजधानी से प्रेरणा लेते हुए सतत शहरी विकास के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने हैदराबाद में मूसी नदी को साफ करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा, हमने टोक्यो में विकसित रिवरफ्रंट की जांच की। पानी सिर्फ एक संसाधन नहीं है - यह हमारी संस्कृति और विकास का प्रतीक है। सीएम रेड्डी ने मूसी नदी सफाई परियोजना में बाधा डालने वालों की आलोचना की और दिल्ली में गंभीर प्रदूषण को चेतावनी के रूप में इंगित किया। जब दिल्ली जैसा शहर प्रदूषण के कारण ठप हो जाता है, तो क्या हमें इससे सीख नहीं लेनी चाहिए? उन्होंने हैदराबाद में पर्यावरण सुधार के लिए तत्काल कार्रवाई का आग्रह करते हुए कहा।

उन्होंने तेलंगाना के भविष्य के विकास के लिए मूसी नदी की सफाई, मेट्रो रेल विस्तार, क्षेत्रीय रिंग रोड और रेडियल सड़कों के विकास को प्रमुख प्राथमिकताओं के रूप में पहचाना।

तेलंगाना इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम 22 अप्रैल को घोषित किए जाएंगे

हैदराबाद, 19 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना इंटरमीडिएट पब्लिक एग्जामिनेशन (आईपीई) 2025 के परिणाम 22 अप्रैल को घोषित किए जाएंगे।

उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क दोपहर 12 बजे के आसपास नतीजों की घोषणा करेंगे। इसके लिए इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड आवश्यक व्यवस्थाएं कर रहा है। घोषणा के बाद, छात्र और अभिभावक बोर्ड की वेबसाइट https://tgbie.cgg.gov.in पर परिणाम देख सकते हैं ।

राज्य भर में 5 से 25 मार्च तक 1,532 केंद्रों पर आयोजित इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए कुल 9,96,971 छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें प्रथम वर्ष के 4,88,448 और द्वितीय वर्ष के 5,08,253 छात्र शामिल थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.